Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI No. DLHIN/2012/483
वर्ष 12 । अंक 349
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 31 अक्टूबर, 2024
पृष्ठ 12 ₹ मूल्य 3
नगर संस्करण

Established 1865

# पायनियर

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

राष्ट्रीय 10
भारतीय युवा नवाचार और प्रौद्योगिकी में सर्वश्रेष्ठ

शुभ दीपावली

# एलएसी पर पीछे हटने की प्रक्रिया पूरी

● दोनों पक्ष दिवाली के अवसर पर बृहस्पतिवार को मिठाइयों का आदान-प्रदान करेंगे, ब्रिगेडियर स्तर के स्थानीय कमांडर आपसी बातचीत जारी रखेंगे

**पायनियर समाचार सेवा।** नई दिल्ली

**पूर्वी लद्दाख में** वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर देपसांग घाटी और डेमचोक में दो टकराव बिंदुओं पर सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी हो गई है। दोनों देशों के बीच बनी सहमति के अनुसार भारत और चीन द्वारा गश्त जल्द ही शुरू की जाएगी। दोनों पक्ष दिवाली के अवसर पर बृहस्पतिवार को मिठाइयों का आदान-प्रदान करेंगे। बुधवार को यहां यह जानकारी देते हुए सूत्रों ने कहा कि दोनों पक्षों के ब्रिगेडियर स्तर के स्थानीय कमांडर अपनी बातचीत जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि दोनों अधिकारी दोनों क्षेत्रों में गश्त के तौर-तरीकों पर फैसला करेंगे। भारत ने 21 अक्टूबर को घोषणा की कि दोनों देशों के बीच गश्त पर सहमति बन गई है।

सूत्रों ने कहा कि वापसी के बाद सत्यापन का काम चल रहा है और जमीनी कमांडरों के बीच गश्त के तौर-तरीकों पर फैसला किया जाना है। 25 अक्टूबर को यहां सूत्रों ने कहा कि वापसी की प्रक्रिया 28-29 अक्टूबर तक पूरी होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि समझौते की रूपरेखा पर पहले राजनयिक स्तर पर हस्ताक्षर किए गए और फिर सैन्य स्तर की वार्ता हुई। उन्होंने कहा कि समझौते की बारीकियों पर कोर कमांडर स्तर की वार्ता के दौरान काम किया गया, जिस पर पिछले सप्ताह हस्ताक्षर किए गए थे। दोनों पक्षों के बीच हुए समझौतों का पालन करते हुए, भारतीय सैनिकों ने इन क्षेत्रों में पीछे के स्थानों पर उपकरणों को वापस ले जाना शुरू कर दिया। यह प्रक्रिया पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर गश्त और सैनिकों की वापसी पर दोनों देशों के बीच हुए समझौते के बाद हुई है, जो चार साल से अधिक समय से चले आ रहे गतिरोध को समाप्त करने में एक बड़ी सफलता है। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई भीषण झड़प के बाद दोनों एशियाई देशों के बीच संबंधों में खटास आ गई थी, जो दशकों में दोनों पक्षों के बीच सबसे गंभीर सैन्य संघर्ष था। सूत्रों ने पहले कहा था कि क्षेत्रों और गश्त की स्थिति को अप्रैल 2020 से पहले के स्तर पर वापस ले जाने की उम्मीद है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने 21 अक्टूबर को नई दिल्ली में कहा था कि पिछले कई हफ्तों से चल रही बातचीत के बाद समझौते को अंतिम रूप दिया गया है और इससे 2020 में उठे मुद्दों का समाधान निकलेगा। 23 अक्टूबर को, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने रूस के कज़ान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान अपनी द्विपक्षीय बैठक के दौरान पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर गश्त और सैनिकों की वापसी पर समझौते का समर्थन किया।

कोलकाता में, भारत में चीन के राजदूत जू फेइहोंग ने बुधवार को रूस के कज़ान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई हालिया बैठक को 'बहुत महत्वपूर्ण' बताया। राजनयिक ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में दोनों नेताओं के बीच यह पहली औपचारिक वार्ता थी, जिसमें महत्वपूर्ण समझ हासिल हुई और दोनों पड़ोसियों के बीच संबंधों के आगे विकास के लिए दिशा-निर्देश निर्धारित किए गए। मर्चेंट चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित एक सत्र में बोलते हुए, चीनी राजनयिक ने कहा कि दोनों नेताओं ने भारत-चीन संबंधों को सुधारने और विकसित करने पर महत्वपूर्ण आम समझ हासिल की और द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर विकास के पथ पर वापस लाने का मार्ग निर्धारित किया। मोदी और शी के बीच बैठक 23 अक्टूबर को रूस के कज़ान में हुई थी। पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन सीमा पर पूरी तरह से सैनिकों को पीछे हटाने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए, चीनी राजदूत ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि इस आम सहमति के मार्गदर्शन में, भविष्य में संबंध सुचारू रूप से आगे बढ़ेंगे और दोनों पक्षों के बीच विशिष्ट असहमतियों से बाधित नहीं होंगे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मतभेदों को कैसे संभाला जाए।'

चीन और भारत के बीच सीधी उड़ानें फिर से शुरू होने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, एक राजदूत के तौर पर मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं क्योंकि इससे समय की बचत होगी। मैं न केवल राजनीति में बल्कि व्यापार में भी सहज सहयोग की उम्मीद कर रहा हूं। इस बीच, बीजिंग से पीटीआई ने बुधवार को बताया कि चीन ने कहा कि चीनी और भारतीय सेनाएं पूर्वी लद्दाख में एलएसी के साथ सैनिकों की वापसी से संबंधित 'संकल्पों' को 'व्यवस्थित' तरीके से लागू कर रही हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने यहां मीडिया ब्रीफिंग में सैनिकों की वापसी की प्रगति पर एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि चीन और भारत सीमा से संबंधित मुद्दों पर समाधान पर पहुंच गए हैं। वाशिंगटन से पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, एक अन्य संबंधित घटनाक्रम में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने कहा है कि वह भारत-चीन सीमा पर तनाव में किसी भी कमी का स्वागत करता है और इस संबंध में नई दिल्ली द्वारा उसे जानकारी दी गई है। विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने मंगलवार को अपने दैनिक समाचार सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा, हम (भारत और चीन के बीच) घटनाक्रम पर बारीकी से नज़र रख रहे हैं। हम समझते हैं कि दोनों देशों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर टकराव वाले बिंदुओं से सैनिकों को वापस बुलाने के लिए शुरुआती कदम उठाए हैं। हम सीमा पर तनाव में किसी भी कमी का स्वागत करते हैं। एक सवाल के जवाब में, मिलर ने कहा कि अमेरिका ने इसमें कोई भूमिका नहीं निभाई है। मिलर ने कहा, हमने अपने भारतीय साझेदारों से बात की है और हमें इस बारे में जानकारी दी गई है, लेकिन हमने इस प्रस्ताव में कोई भूमिका नहीं निभाई है।

# दिल्ली में पूर्वांचली, वैश्य या कोई और चेहरा, भाजपा का मंथन शुरू

**पायनियर समाचार सेवा।** नई दिल्ली

**दिल्ली में** आम आदमी पार्टी के मुखिया ओर पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सामने अपना चेहरा तय करने के लिए भाजपा ने विचार—विमर्श शुरू कर दिया है। वह फरवरी—मार्च में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले ही यह तय करना चाहता है कि यहां पर केजरीवाल के सामने वह वैश्य, पूर्वांचली या अप्रत्याशित चेहरा सामने लाए. जिससे चुनावी रणनीति बनाने में उसे सफलता हासिल हो। सूत्रों के मुताबिक भाजपा का एक वर्ग चाहता है कि केजरीवाल बनिया या वैश्य समुदाय से हैं, ऐसे में उनके सामने वैश्य उम्मीदवार को ही चेहरा बनाया जाए। भाजपा का यह वर्ग मानता है कि अगर वैश्य—पंजाबी—पूर्वांचल मत उसे मिल जाते हैं तो इससे वह केजरीवाल को मात देने में सफल हो सकता है। यह माना जाता है कि इस समय वैश्य समुदाय सिर्फ केजरीवाल के साथ इसलिए है क्योंकि वह वैश्य है. जबकि भाजपा ने इस वर्ग को लंबे समय से दिल्ली में कोई अहम दायित्व नहीं दिया है। वैश्य समुदाय से विजेंद्र गुप्ता और प्रवीण खंडेलवाल को इस दौड़ में शामिल माना जा रहा है। खंडेलवाल इस समय चांदनी चौक से सांसद हैं। वह व्यापारियों के देश व्यापी संगठन कैट के प्रमुख भी है।. वह दिल्ली की राजनीति में विजेंद्र गुप्ता या किसी अन्य वैश्य नेता की तुलना में नए हैं। ऐसे में उनके खिलाफ समूहबाजी या खेमाबंदी भी कम होने की उम्मीद है। वहीं विजेंद्र गुप्ता विधायक हैं। वह उत्तरी दिल्ली के बड़े भाजपा नेता में शामिल हैं। इनके अलावा पूर्व सांसद और मंत्री विजय गोयल भी वैश्य समुदाय से चेहरा हो सकते हैं, लेकिन उनको लेकर भितरघात की समस्या को देखते हुए फिलहाल संगठन उनको अपनी विचार वरीयता सूची में नीचे रख रहा है।

पूर्वांचली नेताओं में सबसे आगे तीन बार के सांसद मनोज तिवारी का नाम आगे माना जा रहा है। उनको पिछले विधानसभा चुनाव में भी चेहरा बनाने पर विचार हुआ था। लेकिन अंत समय में भाजपा ने किसी भी चेहरे को आगे नहीं रखने का निर्णय किया था। तिवारी को लेकर कहा जा रहा है कि वह दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। ऐसे में उनका संगठन से भी परिचय व तालमेल है। इसके अलावा वह सफल फिल्म स्टार—गायक हैं। खासकर पूर्वांचली, दिल्ली में इस वर्ग के करीब 40—45 लाख मतदाता हैं, समाज में उनकी एकछत्र स्वीकार्यता है. जिसका लाभ उनको चेहरा बनाने से मिल सकती है। भाजपा संगठन को समझते हुए फिल्म स्टार होते हुए अपने को प्रचार से दूर रखने वाले मनोज तिवारी को लेकर कहा जाता है कि उनके संगठन और कार्यकर्ता के बीच एक समान पकड़ और पहुंच है। इसका लाभ भी उनको मिलने की उम्मीद बताई जाती है। इधर, सरप्राइज या अप्रत्याशित चेहरों में दक्षिणी दिल्ली से दो बार सांसद रहे रमेश बिधूड़ी , पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और पूर्व विधायक विजय जौली का नाम भी सामने आ सकता है। यह कहा जा रहा है कि भाजपा का शीर्ष नेतृत्व अंत समय में समीकरण को देखते हुए अप्रत्याशित चेहरे को भी सामने लाने का कार्य कर सकता है, जैसा कि वह कई अन्य प्रदेश में करता रहा है।

# लारेंस को 'स्टूडियो' जैसी सुविधा पर हाईकोर्ट ने उठाया सवाल

**पायनियर समाचार सेवा।** चंडीगढ़

**पंजाब और** हरियाणा उच्च न्यायालय ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के जेल में इंटरव्यू को लेकर पंजाब पुलिस पर सख्त टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि एक साक्षात्कार के दौरान गैंगस्टर बिश्नोई को जेल में एक स्टूडियो जैसी सुविधा मुहैया कराई गई। इस तरह का कदम अपराध को बढ़ावा देने वाला साबित हो सकता है। कोर्ट ने स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम द्वारा दाखिल कैंसिलेशन रिपोर्ट पर भी सवाल उठाए। साथ ही मामले में नए सिरे से जांच के आदेश दिए।

न्यायमूर्ति अनुपिंदर सिंह ग्रेवाल और लपिता बनर्जी की पीठ ने जेल परिसर में कैदियों द्वारा मोबाइल फोन के इस्तेमाल से संबंधित एक स्वत: संज्ञान मामले की सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। उच्च न्यायालय ने विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट को खारिज करते हुए आगे की जांच का आदेश दिया और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को इस संबंध में हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। पुलिस अधिकारियों ने अपराधी को इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग करने की अनुमति दी और साक्षात्कार आयोजित करने के लिए स्टूडियो जैसी सुविधा प्रदान की, जो अपराधी और उसके सहयोगियों द्वारा जबरन वसूली सहित अन्य अपराधों को सुविधाजनक बनाने की क्षमता के साथ अपराध का महिमामंडन करता है। पुलिस अधिकारियों की संलिप्तता अपराधी या उसके सहयोगियों से अवैध रिश्वत प्राप्त करने का संकेत दे सकती है और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध का गठन कर सकती है। इसलिए मामले में आगे की जांच की जरूरत है। अदालत ने यह आदेश 28 अक्टूबर को दिया था।

पीठ ने बिश्नोई द्वारा दिए गए साक्षात्कार से संबंधित एक मामले में रद्दीकरण रिपोर्ट दाखिल करने के एसआईटी के फैसले पर सवाल उठाते हुए यह टिप्पणी की। गैंगस्टर पंजाबी गायक शुभदीप सिंह सिद्धू उर्फ सिद्धू मूसेवाला की हत्या के आरोपों का सामना कर रहा है। ( शेष पृष्ठ 9 )

# नशे में धुत होकर गाड़ी चलाई तो कसेगी लगाम

**सौम्या शुक्ला।** नई दिल्ली

**सड़क** सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं से निपटने और आदतन अपराधियों को हतोत्साहित करने के लिए, दिल्ली यातायात पुलिस ने दिल्ली परिवहन विभाग के सचिव को पत्र लिखकर उन वाहनों के मालिकों के ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने के लिए कहा है, जिनके वाहन खतरनाक ड्राइविंग और शराब पीकर गाड़ी चलाने से संबंधित तीन उल्लंघन या सामान्य चालान से संबंधित पांच से अधिक उल्लंघन के शिकार हुए हैं। यह हाल ही में जारी 2023 की दिल्ली सड़क दुर्घटना रिपोर्ट के आलोक में आया है, जिसमें खुलासा हुआ है कि राष्ट्रीय राजधानी की सड़कों पर यात्रा करने वाले पैदल यात्री या मोटर चालक सड़क दुर्घटनाओं के सबसे अधिक शिकार होते हैं, क्योंकि आंकड़ों से पता चलता है कि वे क्रमश: 43 और 38 प्रतिशत दुर्घटनाओं के शिकार होते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है, 2023 में सभी प्रकार के वाहनों के कारण होने वाली 618 घातक दुर्घटनाओं में 622 पैदल यात्रियों की मौत हुई, जबकि 2022 में 629 पैदल यात्रियों की मौत हुई। कार, जीप और टैक्सियों के कारण सबसे अधिक पैदल यात्रियों की मौत हुई, जो 2022 में 69 की तुलना में इस साल बढ़कर 76 हो गई हैं। इसमें यह भी पता चला है कि दोपहिया वाहन सवार दूसरे सबसे घातक दुर्घटनाग्रस्त पीड़ित के रूप में उभरे हैं। इसमें कहा गया है, उपरोक्त आंकड़े 2023 में दोपहिया वाहनों की 538 घातक दुर्घटनाओं को दर्शाते हैं, जबकि 2022 में 539 दुर्घटनाएँ हुई थीं। इन दोपहिया वाहनों पर सबसे अधिक भारी वाहनों (एचटीवी) (89) का असर पड़ा, जिसके बाद 2023 में कार/जीप/टैक्सी (66) का स्थान रहा। ट्रैफिक पुलिस द्वारा तैयार और दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा द्वारा जारी की गई रिपोर्ट के अनुसार, वाहन पंजीकरण की संख्या में वृद्धि के बावजूद सड़क दुर्घटनाओं में मौतों की संख्या 2022 में 1,264 से घटकर 2023 में 1257 हो गई है।

इसके अलावा, यातायात उल्लंघन के तहत बुक किए गए ड्राइवरों की संख्या 2022 में 4,38,052 से बढ़कर वर्ष 2023 में 6,39,097 हो गई है। विशेष पुलिस आयुक्त (यातायात) अजय चौधरी ने कहा, दिल्ली यातायात पुलिस के प्रयासों से पिछले एक दशक में दिल्ली में सड़क दुर्घटना में होने वाली मौतों में कुल 20 प्रतिशत की कमी आई है। जीवन बचाने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए, हमने अब पैदल यात्रियों पर केंद्रित यातायात प्रबंधन पर अधिक ध्यान केंद्रित किया है। रिपोर्ट में यातायात पुलिस ने 10 ब्लैक स्पॉट की भी पहचान की है जिनमें आईएसबीटी कश्मीरी गेट, मुकरबा चौक, लिबासपुर बस स्टैंड, कश्मीरी गेट चौक, बुराड़ी चौक, ब्रिटानिया चौक, भलस्वा चौक, वजीरपुर डिपो, मोरी गेट और गांधी विहार बस स्टैंड शामिल हैं। इसके अलावा, रिपोर्ट में पिछले साल दस या उससे ज़्यादा मौतें दर्ज करने वाली 10 ( शेष पृष्ठ 9 )

## सुख, शांति व समृद्धि की कामना

दीपावली की पूर्व संध्या पर बुधवार को 'दीपोत्सव 2024' के दौरान अयोध्या में सरयू नदी का एक मनोरम दृश्य।

# बम धमकियों के आकलन के लिए संशोधित दिशा-निर्देश जारी

**पीएनएस।** नई दिल्ली

**एयरलाइंस** को बम धमकियों के कई फर्जी संदेशों के बीच, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर भारतीय एयरलाइनों पर बम धमकियों के आकलन के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, खास तौर पर छद्म नाम वाले सोशल मीडिया अकाउंट के ज़रिए आने वाले धमकियों के। नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने अपने संशोधित दिशा-निर्देशों में खतरों के आकलन के लिए कई नए संकेतकों की रूपरेखा तैयार की है, जिसमें अब धमकी देने वाले व्यक्ति की पहचान और संभावित संगठनात्मक संबद्धता, धमकी के पीछे कोई मकसद, यह धमकी किसी सत्यापित सोशल मीडिया अकाउंट से जारी की गई है या नहीं और क्या हाई-प्रोफाइल व्यक्तियों को निशाना बनाया गया है जैसे कारक शामिल हैं। दिशा-निर्देश डिजिटल खतरों का उनकी गंभीरता के आधार पर तेजी से विश्लेषण और बेअसर करने के लिए तैयार किए गए हैं, जो सोशल मीडिया ( शेष पृष्ठ 9 )

## अवकाश सूचना

**प्रकाश पर्व दीपावली के उपलक्ष्य में पायनियर प्रेस एवं कार्यालय में दिनांक 31 अक्टूबर और 1 नवंबर, 2024 को अवकाश रहेगा। अत: अगला अंक 3 नवंबर 2024 को प्रकाशित होगा।**

# त्योहार के आनंद को फीका कर रहा है जाम

## दिवाली की पूर्व संध्या पर राष्ट्रीय राजधानी में चारों ओर यातायात जाम देखा गया

**सौम्या शुक्ला।** नई दिल्ली

**दिवाली** की पूर्व संध्या पर राष्ट्रीय राजधानी में बहुत से स्थानों पर भारी ट्रैफिक जाम देखा गया। सड़कें जाम थीं, फुटपाथों पर दुकानों ने बाहर डिस्प्ले काउंटर लगा रखे थे और अंदर खरीदार छह पंक्तियों में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। कई अन्य लोग अपने प्रियजनों के लिए रोशनी के त्योहार को यादगार बनाने के लिए उपहार लेने के लिए मॉल की ओर रुख कर रहे थे, जिससे यात्रियों को काफी देरी और असुविधा हुई।

यातायात पुलिस ने यात्रियों की असुविधा को कम करने के लिए व्यवस्था की, लेकिन सोशल मीडिया पर यात्रा की परेशानियों की कहानियां भरी पड़ी थीं। सोशल मीडिया पर वीडियो में लक्ष्मी नगर, चिराग दिल्ली, कश्मीरी गेट, कमला नगर, लाजपत नगर, सरोजिनी मार्केट, करोल बाग, सराय काले खां और दिल्ली के कई अन्य इलाकों में वाहनों की लंबी कतारें दिखी। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के खिलाफ भारी जाम पर निराशा व्यक्त करते हुए एक यात्री ने कहा, कृपया अपनी टीमों को सड़कों पर तैनात करें। भारी त्योहारी भीड़ के बावजूद दिल्ली में सड़कों पर एक भी ट्रैफिक पुलिस मौजूद नहीं है। शेख सराय फ्लाईओवर से लेकर मूलचंद फ्लाईओवर तक ट्रैफिक जाम है। लक्ष्मी नगर इलाके में यात्रा करने वाले एक अन्य यात्री ने कहा, त्योहारों के मौसम के कारण दिल्ली में यातायात की भारी भीड़ है, जिससे यात्रियों को देरी हो रही है। इसका एक बड़ा कारण यातायात का कुप्रबंधन भी है, जबकि अधिकारियों को पहले से ही पता था कि ऐसी स्थिति उत्पन्न होगी। धौला कुआं, खजूरी खास, मॉडल टाउन, सदर बाजार, रोहतक रोड, किशन गंज, चांदनी चौक, कनॉट प्लेस, मंगोलपुरी, राजौरी गार्डन और नजफगढ़ में भी भारी भीड़ देखी गई। नांगलोई-नजफगढ़ रोड पर बहुत भारी यातायात है और यहां कोई ट्रैफिक पुलिस उपलब्ध नहीं है। मैं पिछले एक घंटे से फंसा हुआ हूं। क्या हमें अपनी कारों में बैठकर दिवाली का आनंद लेना चाहिए? यात्रियों ने एक्स पर कहा कि बदरपुर फ्लाईओवर, सीवी रमन मार्ग, पंजाबी बाग, महरौली बदरपुर रोड, तैमूर नगर-महारानी बाग रोड, आश्रम और यमुना विहार सहित कई स्थानों पर यातायात भारी था। यह स्थिति तब भी बनी हुई है, जब ( शेष पृष्ठ 9 )

# गौतम बुद्ध नगर में लिफ्ट पंजीकरण अनिवार्य

**पायनियर समाचार सेवा।** नोएडा

नोएडा-ग्रेनो के आवासीय, कॉमर्शियल, संस्थागत समेत सभी भवनों में लिफ्ट का पंजीकरण अनिवार्य कर दिया गया है। इस संबंध में मंगलवार को जिलास्तरीय समिति ने लिफ्ट अधिनियम की पहली बैठक में आदेश जारी कर दिया।

25 मार्च, 2025 तक भवन मालिक को लिफ्ट का पंजीकरण कराना होगा। पंजीकरण नहीं कराने पर जुर्माना लगेगा। वहीं, लिफ्ट निर्माता कंपनी को भी अपना पंजीकरण कराना होगा। प्रदेश सरकार ने 25 सितंबर को लिफ्ट एवं एस्केलेटर अधिनियम लागू कर दिया था। अधिनियम लागू होने के बाद जिलाधिकारी ने जिलास्तरीय समिति का गठन किया। मंगलवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के सभागार में समिति की पहली बैठक हुई। इसमें एडीएम वित्त एवं राजस्व, उपनिदेशक विद्युत, डिप्टी रजिस्ट्रार चिट एंड फंड, पीडब्ल्यूडी के एई और नोएडा व ग्रेनो प्राधिकरण के सीईओ की तरफ से नामित अधिकारियों ने भाग लिया। एडीएम वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार ने बताया कि सभी लिफ्ट का पंजीकरण कराना जरूरी होगा। इसकी जिम्मेदारी मालिक की होगी। सभी को पंजीकरण कराने की कार्रवाई तत्काल करनी होगी। पंजीकरण का आवेदन कलेक्ट्रेट स्थिति एडीएम वित्त एवं राजस्व कार्यालय में करना होगा। अगर पंजीकरण नहीं कराया गया तो लिफ्ट मालिक को नोटिस जारी कर जुर्माना वसूला जाएगा। जुर्माना 100 रुपये से 10000 रुपये तक होगा। तय समय के बाद 30 दिन का समय दिया जाएगा। इसके बाद लिफ्ट का संचालन बंद कराया जाएगा। जुर्माना जमा करने व पंजीकरण कराने के बाद ही लिफ्ट को शुरू किया जाएगा। समिति ने लिफ्ट हादसों को लेकर भी जरूरी आदेश जारी किए हैं। अब अगर किसी सोसाइटी या अन्य भवन में लिफ्ट हादसा होता है तो पीड़ित या स्थानीय

निवासी को एडीएम वित्त एवं राजस्व के कार्यालय में शिकायत करनी होगी। उपनिदेशक विद्युत व एसडीएम की टीम शिकायत की जांच करेगी। जांच के बाद रिपोर्ट समिति को सौंपी जाएगी। जिस पर समिति जिम्मेदारी तय कर संबंधित को नोटिस जारी करेगी। अगर नोटिस के बाद भी मालिक या कंपनी लिफ्ट की खामियों को दूर नहीं करते है तो एफआईआर होगी।

## एक्ट में पीड़ितों को आर्थिक मदद देने की व्यवस्था

*लिफ्ट एक्ट में पीड़ितों को आर्थिक मदद देने की भी व्यवस्था हैं। अगर लिफ्ट हादसे में किसी की मौत होती है या फिर कोई घायल होता है तो जिलास्तरीय समिति आर्थिक मदद देगी, जो समिति तय करेगी। इसके लिए पीड़ितों को समिति के समक्ष आवेदन करना होगा। अफसरों ने बताया कि लिफ्ट में स्वचालित बचावयुक्त प्रणाली लगानी होगी, ताकि बिजली जाने या खराबी पर लिफ्ट नजदीक के फ्लोर पर जाकर खुल जाए। रोशनी व आपातकालीन अलार्म की व्यवस्था भी सुनिश्चित करनी होगी। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अतुल कुमार ने बताया कि जिले में लिफ्ट एक्ट लागू है। सभी भवनों में लिफ्ट का पंजीकरण जरूरी है। पंजीकरण नहीं कराने पर जुर्माना लगाने के साथ एफआईआर दर्ज होगी। अगर कहीं पर हादसा होता है तो इसकी शिकायत पर जांच कर लिफ्ट मालिक व अन्य जिम्मेदार पर कार्रवाई होगी। हर 15 दिन इसकी समीक्षा भी होगी।*

# बैंक्वेट हॉल में लगी आग, एक की मौत

- दमकल की 15 गाड़ियां मौके पर पहुंची

**पायनियर समाचार सेवा।** नोएडा

नोएडा के थाना सेक्टर-113 क्षेत्र के अंतर्गत सेक्टर-74 स्थित निर्माणाधीन लोटस ग्रेनेडियर बैंक्वेट हाल में आग लग गई। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। मौके पर एक-एक करके 15 दमकल की गाड़ियों को भेजा गया। इसके बाद आग पर काबू पाया जा सका। बैंक्वेट हाल बडा होने के कारण आग को बुझाने में काफी समय लगा है। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई है। जो कि हॉल में बिजली का काम करता था।

डीसीपी राब बदन सिंह सुबह करीब साढ़े तीन बजे आग लगने की जानकारी मिली। दरअसल ग्रेनेडियर हॉल निर्माणाधीन हॉल है। यहां लाइटिंग और लक ?ी काम किया जा रहा था। जिसमें शार्ट सर्किट हुआ और आग तेजी से फैली। इसके बाद इलेक्ट्रिक शार्ट सर्किट होता गया। आग फैलती चली गई। हॉल के गार्ड

ने इसकी जानकारी पुलिस और फायर विभाग को दी। मौके पर एक-एक करके 15 दमकल की गाड़ियां पहुंची। आग पर काबू पाया गया।

जिस व्यक्ति की मौत हुई उसकी पहचान परविंदर हुई है। निर्माणाधीन हॉल में आग इतनी तेज थी। उसको बुझाने के लिए दमकल विभाग को बुलडोजर का सहारा लेना पड़ा। बुलडोजर की मदद से साइड की दीवार को तोड़ा गया।

जिसके बाद वहां से पाइप डालकर आग को बुझाने का प्रयास किया गया। सुबह करीब साढ़े तीन बजे आग लगी। करीब आठ घंटे तक पानी की बौछार की गई। इसके बाद भी आग पूरी तरह से नहीं बुझ सकी है। डीसीपी ने बताया कि यहां लकड़ी का काम सबसे ज्यादा हो रहा था।

ऐसे में एक बार बुझने के बाद दोबारा से आग पकड़ रही है। इस लगातार नजर बनी हुई है। आग को बुझाने का काम जारी है। आग इतनी तेज थी धुएं का गुबार कई किलोमीटर तक दिखाई दिया। बता दे जिस स्थान पर आग लगी। वही आस पास कई सोसाइटी भी है। ऐसे में एहतियात के तौर आस पास की इमारतों पर भी पानी का छिड़काव करके उनको ठंडा रखा गया।

## ईकोटेक- 3 क्षेत्र में स्थित कंपनी में लगी आग

**नोएडा।** उद्योग केंद्र-1, इकोटेक-3 स्थित एक कुशन निर्माण कंपनी में एसी में शॉर्ट सर्किट के कारण भीषण आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही कंपनी के मालिक ब्रजेश कुमार त्यागी ने घटना की सूचना पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी। जिसके बाद दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आगजनी की यह घटना उद्योग केंद्र-1 के प्लॉट नंबर-121 पर स्थित कुशन कंपनी की है, जहां ब्रजेश कुमार त्यागी कुशन और उससे संबंधित उत्पाद बनाते हैं। उन्होंने बताया कि रात करीब साढ़े 10 बजे एसी में अचानक शॉर्ट सर्किट होने से आग लगी। कंपनी के कर्मचारी ने जैसे ही आग देखी, उन्होंने तुरंत इसकी जानकारी दी। तुरंत ईकोटेक-3 कोतवाली और फायर ब्रिगेड को सूचित किया। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां सूचना मिलते ही करीब 30 मिनट के भीतर घटनास्थल पर पहुंचीं।

## चोरों का दुस्साहस, एक ही रात में 7 फ्लैट खंगाले

**गाजियाबाद।** ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र में एक ही रात में एक नहीं दो भी नहीं बल्कि आधा दर्जन से अधिक फ्लैट में सेंध लगाकर वहां से लाखों के माल व कैश पर हाथ साफ कर लिया। एक ही समय हुई चोरी की छह वारदातों की सूचना मिलने के बाद जहां संबंधित थाना पुलिस के होश उड़ गये वहीं पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज करके जांच करनी शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार चोरों ने युपी पुलिस के एचसीपी अशोक कुमार के फ्लैट में सेंध लगाकर एक लाख साठ हजार कैश व जेवरात, दिल्ली में बस चलाने वाले पवन मलिक के मकान से लाखों के जेवरात व कैश, अध्यापक गुलशन के मकान से लाखों के जेवरात व कैश, इलेक्ट्रोनिक्स कारोबारी दीपक यहां से 24 हजार रुपये व लाखों के जेवरात, थॅल पॉवर कॉर्पोरेशन में जॉब करने वाले अखिलेश के फ्लैट को खंगालकर वहां से लाखों के जेवरात व कैश के अलावा कीमती सामान और शिक्षक राहुल व दिल्ली पुलिस के सिपाही अंशुल नामक भाईयों के यहां से 70 हजार रुपये व लाखों के जेवरात पर हाथ साफ कर लिया।

# नोएडा प्राधिकरण ने 1578 करोड़ वापसी के लिए दिया नोटिस

- किराये पर चल रही कंपनियों को अंतिम नोटिस जारी

**पायनियर समाचार सेवा।** नोएडा

नोएडा प्राधिकरण ने किराए पर संचालित हो रही कंपनियों को अंतिम नोटिस जारी किया है। इन पर करीब 1578 करोड़ रुपए बकाया है। प्राधिकरण ने स्पष्ट कहा कि पैसा जमा कर दिया जाए। अन्यथा आवंटन निरस्त करके संपत्ति पर बल पूर्वक कब्जा लिया जाएगा।

पैसा जमा करने के लिए प्राधिकरण तीसरी बार ओटीएस योजना लेकर आया है। ये तीन महीने की है। जिसमें साधारण ब्याज पर पैसा जमा किया जा सकता है। नोएडा प्राधिकरण की 49 ऐसी संपत्तियां ऐसी है जिन पर सरकारी विभाग, पेट्रोल पंप और बैंकों का संचालन किया जा रहा है। इन सभी को संचालन के लिए प्राधिकरण में किराया देना होता है। विगत कई सालों से किराया जमा नहीं करने पर इन पर करीब 1578 करोड़ रुपए बकाया है। बकाया जमा कराने के लिए प्राधिकरण दो बार 2019 और 2021 में ओटीएस स्कीम ला चुकी है। इसके तहत सामान्य ब्याज दर पर ये आवंटी अपना पैसा जमा कर सकते थे। लेकिन ऐसा नहीं किया। प्राधिकरण ने इन सभी के खिलाफ आरसी जारी की।

प्राधिकरण के इस कार्यवाही के विरोध में पेट्रोल पंप संचालक की कंपनियां व बैंकों ने उच्च न्यायालय में याचिका लगाई। जिसमें प्राधिकरण ने सभी प्रकरण में शपथ पत्र दाखिल कर चुका है। ये विचाराधीन है। ये मामला विधानसभा लेखा समिति के समक्ष विचाराधीन है। विधानसभा लेखा समिति ने वसूली को लेकर असंतोष व्यक्त किया है। ऐसे में तीसरी बार ओटीएस स्कीम निकाली गई। ताकि ये आवंटी अपना बकाया पैसा प्राधिकरण में जमा कर सके। ये ओटीएस तीन महीने के लिए होगी। इसके बाद भी यदि आवंटी पैसा जमा नहीं करते तो इनका आवंटन निरस्त करते हुए बल पूर्वक भौतिक कब्जा लिया जाएगा।

## संक्षिप्त समाचार

स्वॉट टीम ट्रान्स हिंडन जोन व थाना टीला मोड़ पुलिस टीम द्वारा अवैध आतिशबाजी पटाखे बेचने वाले 02 अभियुक्त गिरफ्तार।

### चार छात्रों ने ताइक्वांडो में हासिल की ब्लैक-बेल्ट

**गाजियाबाद।** साउथ कोरिया ताइक्वांडो एसोसिएशन द्वारा ताइक्वांडो ग्रेडिंग बेल्ट टेस्ट का आयोजन छाया पब्लिक स्कूल वैशाली गाजियाबाद शाखा में कराया गया। जिसमें विभिन्न स्कूलों के डेढ़ सौ से अधिक बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक अधिराज द्विवेदी ने दीप प्रज्वलित कर किया गया। उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा की खेल स्वस्थ व प्रसन्न रहने का सबसे सीधा और सरल माध्यम है, इसके द्वारा हम अपना सर्वांगीण विकास कर सकते हैं। विद्यालय की प्रधानाचार्य मीनाक्षी ने कहा कि ताइक्वांडो जहां खिलाड़ियों के अंदर खेल प्रतिस्पर्धा पैदा करती है दूसरी तरफ लड़कियों के अंदर सेल्फ डिफेंस का भी एक मजबूत स्किल प्रदान करती है। इस परीक्षा में छाया पब्लिक स्कूल के यशवर्धन, सृष्टि रावत, हर्षित सिंह, शिवम श्रीवास्तव और उत्कर्ष ने ब्लैक बेल्ट प्राप्त की। इस मौके पर खेल प्रशिक्षक मनोज कुमार परीक्षा अधिकारी बम बहादुर, सहयोगी मुस्कान, अंकित, आनंद, प्रदीप कुमार, ऋषभ आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

### मानसिक तनाव के चलते छात्रा ने की आत्महत्या

**नोएडा।** थाना फेस- वन क्षेत्र में रहने वाली एक 18 वर्षीय छात्र ने मानसिक तनाव के चलते मंगलवार को अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना फेस वन के प्रभारी निरीक्षक अमित भड़ाना ने बताया कि बीती रात को नयाबास गांव स्थित एक पीजी में रहने वाली छात्रा शांभवी पुत्री सुनील कुमार (18 वर्ष )ने अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस आत्महत्या के कारणो का पता लग रही है।

### विभिन्न सड़क हादसों में दो लोगों की मौत

**नोएडा।** नोएडा के विभिन्न जगहों पर हुए विभिन्न सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई है। पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना फेस दो क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में अनिल कुमार उम्र 31 वर्ष की मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि सेक्टर-63 थाना क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में भगवान पांडे पुत्र सरजू पांडे उम्र 65 वर्ष की मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि थाना सेक्टर63 पुलिस मामले की जांच कर रही है।

### मनचले को पुलिस ने किया गिरफ्तार

**गाजियाबाद।** मोदीनगर की एक कॉलोनी में ट्यूशन से लौट रही छात्राओं से मनचले ने छेड़छाड़ कर दी। मनचला छात्राओं का पीछा करते हुए उनके घर में घुस गया। विरोध करने पर मनचले ने चेहरे पर तेजाब डालने की धमकी दी। शोर मचाने पर मनचला वहां से भाग गया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित युवती ने बताया कि सोमवार शाम वह अपनी बहन के साथ दूसरे मोहल्ले में ट्यूशन पढ़ने गई थी। रात के समय दोनों बहनें घर लौट रही थी। आरोप है कि इसी बीच एक मनचला उनके साथ छेड़छाड़ करने लगा। छात्राओं ने उसे झमझाने प्रयास किया मगर वह उनका पीछा करते हुए घर तक पहुंच गया। विरोध करने पर आरोपी मनचला मारपीट करने लगा और उनके चेहरे पर तेजाब डालने की धमकी दी। इससे छात्राएं दहशत में आ गईं। उन्होने किसी तरह साहस दिखाकर शोर मचा दिया। आसपास के लोगों को आता देख आरोपी वहां से भाग निकला। एसीपी ज्ञानप्रकाश राय ने बताया कि तहरीर के आधार पर गोविंद जोशी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज आरोपी को गिरफ़्तार कर लिया गया है।

# डिजिटल अरेस्ट कर 1.19 करोड़ ठगी करने वाला गिरफ्तार

- रिटायर्ड अधिकारियों को लगाया था चूना

**पायनियर समाचार सेवा।** नोएडा

साइबर क्राइम पुलिस ने एक रिटायर्ड अधिकारी को डिजिटल अरेस्ट कर 1.19 करोड रुपए की ठगी करने के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम प्रीति यादव ने बताया कि 16 अक्टूबर को सेक्टर 70 स्थित एक सोसाइटी के निवासी राकेश कुमार सिन्हा ने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज

कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि व्हाट्सएप के माध्यम से साइबर अपराधी ने उनसे संपर्क किया। आरोपियों ने बताया था कि उनके द्वारा क्रेडिट कार्ड पर 1.9 लाख रुपए लिए हैं, जिसका बकाया जमा नहीं किया जा रहा है। इस संबंध मे उनके खिलाफ है मुकदमा दर्ज है। इसकी जांच मुंबई क्राइम ब्रांच और सीबीआई द्वारा की जा रही है।

इस प्रकार पीड़ित को भय दिखाकर आरोपियों द्वारा स्काइप ऐप डाउनलोड करवाया गया, और वीडियो कॉलिंग के माध्यम से डिजिटल अरेस्ट करके एक करोड़ 19 लाख 50 हजार रुपए विभिन्न खातों में ट्रांसफर कराए गए। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि हरियाणा निवासी नरेश कुमार के खाते में 92 लाख ट्रांसफर हुए हैं। उन्होंने बताया कि आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

# गाजियाबाद में डेयरी में घुसकर दबंगों ने की ताबड़तोड़ फायरिंग

**पायनियर समाचार सेवा।** गाजियाबाद

निवाड़ी के गांव नंगला मूसा में पुरानी रंजिश के चलते हमलावरों ने डेयरी में घुसकर गैंगस्टर राहुल उर्फ कालू पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। फायरिंग में गांवों में भगदड़ मच गई।

गैंगस्टर ने दीवार फांदकर अपनी जान बचाई। पुलिस ने तीन नामजद सहित चार के खिलाफ घटना की रिपोर्ट दर्ज की है।राजनगर एक्सटेंशन निवासी राहुल उर्फ कालू मोदीनगर थाने का हिस्ट्रीशीटर है। पुलिस ने अभी उस पर और उसके दो साथियों पर गैंगस्टर की कार्रवाई की है। राहुल की पत्नी करिश्मा की ओर से दर्ज कराई गई। रिपोर्ट के अनुसार, उसका पति राहुल निवाड़ी के गांव नंगला मूसा में पशुओं की डेयरी करता है।

देर रात राहुल डेयरी पर था। तभी पुरानी रंजिश के चलते जलवीर पंडित अपने तीन साथियों के डेयरी में घुस गया और राहुल पर जान लेने की नीयत से ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। राहुल जान बचाने के लिए दीवार फांदकर भाग गया। पुलिस ने भागे गैंगस्टर राहुल और उसके साथी को गिरफ्तार लिया।

# दबंगों ने दुकानदार पर किया जानलेवा हमला, मामला दर्ज

**पायनियर समाचार सेवा।** नोएडा

ग्रेटर नोएडा में दुकान से सामान खरीदने के बाद दुकानदार द्वारा पैसे मांगे जाने पर नशे में धुत्त युवकों ने उसके साथ मारपीट की।

मारपीट के दौरान आरोपियों ने उससे सोने की चेन, सोने का कड़ा तथा गल्ले में रखे 25000 हजार रुपए भी लूट लिए। पीड़ित दुकानदार की पत्नी ने दो नामजद सहित चार लोगों के खिलाफ थाना सूरजपुर में मुकदमा दर्ज कराया है। ग्रेटर नोएडा की एक सोसाइटी की निवासी ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि, उसके पति जैतपुर गांव में कन्फेक्शनरी की दुकान चलाते हैं। 23 सितंबर की रात को उनकी दुकान पर सेंट्रो कार, बगैर नंबर की बाइक व स्कूटी से चार युवक पहुंचे। इन लोगों ने दुकान से कोल्ड ड्रिंक, नमकीन, पानी, चिप्स के पैकेट, सिगरेट आदि खरीदी।

इसके बाद चारों सामान के पैसे दिए बिना ही जाने लगे। अनिरुद्ध चौधरी ने जब युवकों से सामान के 600 रुपए मांगे तो नशे में चूर युवकों ने उनके साथ गाली गलौज शुरू कर दी। शख्स ने जब गाली गलौज का विरोध किया तो युवकों ने सेंट्रो कार से बेसबॉल के डंडे निकालकर उनके ऊपर हमला बोल दिया। आरोपियों ने अनिरुद्ध चौधरी को इस कदर पीटा कि वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े।

## प्राधिकरण की टीम पर झुग्गी वालों ने किया हमला

**नोएडा।** थाना सेक्टर 113 क्षेत्र के सेक्टर-78 में स्थित झग्गी बस्ती को हटाने पहुंची नोएडा प्राधिकरण की टीम पर झुग्गी बस्ती वालों ने जमकर पथराव किया।

इस घटना में जेसीबी के शीशे टूट गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को वहां से हटाया। थाना सेक्टर 113 के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि नोएडा विकास प्राधिकरण की टीम मंगलवार को सेक्टर- 78 स्थित झुगागी बस्ती को हटाने के लिए पहुंची। प्राधिकरण ने पुलिस को सूचना नहीं दी थी।

प्राधिकरण के लोग अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करने लगे, इसी बीच झुग्गी वासियों ने प्राधिकरण की टीम पर पथराव कर दिया ,तथा जेसीबी का शीशा तोड़ दिया।

# कनाडा में नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों ऐंठे

- कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर के खिलाफ मुकदमा दर्ज

**पायनियर समाचार सेवा।** नोएडा

विदेश में नौकरी लगवाने के नाम पर लाखों रुपए हड़पने के आरोप में एक कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर के खिलाफ थाना सेक्टर-58 में मुकदमा दर्ज कराया गया।

पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी डायरेक्टर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी डायरेक्टर ने एक युवती की कनाडा में नौकरी लगवाने का आश्वासन देकर सवा दो लाख रुपए ले लिए और उसे फर्जी अपॉइंटमेंट लेटर दे दिया। पीड़ित ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि पिछले दिनों उन्हें जानकारी मिली कि क्रिश्चियन ग्लोबल नेट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी विदेश में नौकरी दिलाने का काम करती है। इसके बाद उन्होंने अपनी बेटी की कनाडा में नौकरी लगवाने के लिए कंपनी के सेक्टर-57 स्थित कार्यालय में संपर्क किया।

पीड़ित के मुताबिक यहां पर उनकी मुलाकात कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर पूरन कुमार से हुई। डायरेक्टर ने उनकी बेटी की कनाडा में नौकरी लगवाने का आश्वासन दिया और उनसे कई बार में करीब सवा दो लाख रुपए ले लिए। पैसे लेने के बाद उन्होंने कनाडा की एक कंपनी का अपॉइंटमेंट लेटर उन्हें दे दिया। उन्होंने जब जांच पड़ताल की तो पता चला कि उक्त अपॉइंटमेंट लेटर फर्जी था।

इसके बाद उन्होंने डायरेक्टर से अपने पैसे वापस मांगे तो उसने देने से इनकार कर दिया। राजेश डेविड के मुताबिक पैसे दिए जाने के बाद भी उनकी बेटी की नौकरी नहीं लगी और आरोपी उनके पैसे नहीं लौटा रहा है। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच पड़ताल की गई। जांच पड़ताल के बाद आरोपी डायरेक्टर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

# दिवाली: खाद्य सुरक्षा विभाग अलर्ट, तीन प्रतिष्ठानों पर छापा

- दूध और पनीर के लिए नमूने

**पायनियर समाचार सेवा।** नोएडा

आगामी दिवाली पर्व के दृष्टिगत जनपदवासियों को शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डीएम मनीष कुमार वर्मा के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारीगण खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की कार्यवाही सुनिश्चित कर रहे हैं।

इसी श्रृंखला में सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी सैयद इबादुल्लाह एवं विशाल कुमार गुप्ता की टीम द्वारा कासना ग्रेटर नोएडा स्थित ब्लिंकेट स्टोर से घी, सूजी हलवा का 1-1

नमूना, पी 3 ग्रेटर नोएडा स्थित के बी इंटरप्राइजेज से दूध के 2, पनीर का 1 नमूना तथा स्वर्ण नगरी ग्रेटर नोएडा स्थित पवन कुमार के प्रतिष्ठान से दूध के 2 नमूने लिए गए।

मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी वीरेंद्र द्विवेदी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश कुमार की टीम द्वारा साईं किराना स्टोर से हल्दी पाउडर का 1 नमूना फेस-2 नोएडा स्थित अग्रवाल स्वीट से मिल्क केक का 1 नमूना लिया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ओपी सिंह एवं अमर बहादुर सरोज की टीम द्वारा तिलपता स्थित विजय स्वीट से मिल्क केक का 1 नमूना, तिलपता स्थित नागर डेरी से बर्फी का 1 नमूना, डेल्टा-1 ग्रेटर नोएडा स्थित कामधेनु डेरी से दूध का 1 नमूना एवं मेन जीटी रोड दादरी स्थित लालजी स्वीट से बूंदी के लड्डू का 1 नमूना लिया गया।

इस प्रकार कुल 14 नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय ने बताया कि दीपावली पर्व के दृष्टिगत आगे भी इसी प्रकार से जिलाधिकारी के निर्देशन में जांच अभियान संचालित करते हुए नमूने संग्रहित करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि जनपदवासियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध हो सके।

## सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस मुस्तैद

**गाजियाबाद।** दीपावली व गोवर्धन जैसे पर्वों पर शांति का माहौल बना रहे और कोई अप्रिय घटना घटित न हो इसको लेकर सीपी अजय कुमार मिश्रा ने तीनों जोन के डीसीपी को अलर्ट रहने के निर्देश दिये हैं। जिसके बाद सिटी जोन के डीसीपी राजेश कुमार ने जहां पुलिस बल के साथ सभी थानों में रेंडम चेकिंग की मुहिम करके फोर्स के साथ फ्लैगमार्च भी किया। वहीं डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष दशरथ पाटिल ने भी हर थाना क्षेत्र में बैरियर लगवाकर संदिग्ध लोगों व वाहनों की तलाशी ली।

# ग्रेटर नोएडा के 10 बदमाशों पर पुलिस ने की गैंगस्टर की कार्रवाई

**पायनियर समाचार सेवा।** नोएडा

गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट पुलिस ने संगठित गिरोह बनाकर आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वाले 10 बदमाशों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की है।

गैंगस्टर में निरुद्ध किए गए बदमाश हत्या, चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। थाना कासना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि लुक्सर गांव निवासी नितिन, शेखर, आकाश उर्फ अली जान, जागन उर्फ जगन, सुंदर के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की गई है। आरोपियों ने कुछ माह पूर्व गांव में एक वृद्ध की गोली मारकर हत्या कर दी थी। उन्होंने बताया कि इस गैंग का लीडर नितिन निवासी लुक्सर है। यह संगठित गिरोह बनाकर अपने साथियों के साथ मिलकर हत्या व अन्य अपराधिक घटनाओं को अंजाम देता है। थाना एक्सप्रेस-वे प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि विजय कुमार, मिथुन, निराज खान, अरबाज व माहिर के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई की गई है। गिरोह का लीडर विजय कुमार है और यह अपने साथियों के साथ महिलाओं को बहला फुसलाकर अपने झांसे में ले लेते हैं।

इसके बाद महिलाओं से आभूषण लेकर फरार हो जाते थे। आरोपियों ने कई घटनाओं को अंजाम दिया था। बदमाशों के खिलाफ उत्तर प्रदेश गिरोह बंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1986 की धारा 2/3 के तहत गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की गई है।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 31 अक्टूबर, 2024



# बाजारों में खरीदारी के लिए भारी भीड़, सुरक्षा कड़ी

● सड़कें जाम और दुकानें ग्राहकों से खचाखच भरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिवाली की पूर्व संध्या पर कमला नगर मार्केट में बड़े तदाद में पहुंचे खरीदार। फोटो: रंजन डिमरी

सड़कें जाम हैं और दुकानें ग्राहकों से खचाखच भरी हैं। लोग अपने निकट संबंधियों के लिए रोशनी के त्योहार को यादगार बनाने के लिए उपहार खरीदने के लिए मॉल तथा बाजारों की ओर निकल पड़े हैं। डिनर सेट, सौंदर्य प्रसाधन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और हमेशा लोकप्रिय बनी रहने वालीं चॉकलेट व मिठाइयां दिवाली के लिए उत्साही खरीदारों के लिए कई विकल्प मौजूद हैं। इस बीच दिवाली भाई दूईज व छठ के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी के बाजारों में खरीदारी के लिए लोगों की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा बढ़ा दी है। रोहिणी के प्रशांत विहार इलाके में 20 अक्टूबर को सीआरपीएफ स्कूल की चाहरदीवारी के बाहर विस्फोट होने के बाद से ही दिल्ली में 'हाई अलर्ट' जारी है।

गृहिणी समृति खन्ना ने बताया कि वह हमेशा अपने करीबियों को कुछ अलग व अनोखा उपहार देने की इच्छा होती है लेकिन ऐसे उपहार कई बार आपके बजट के बाहर भी हो सकते हैं। दोनों के बीच संतुलन बनाना ही सबसे उचित विकल्प है। सूर्या रोशनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी जितेन्द्र अग्रवाल ने कहा कि जब त्योहारों की बात आती है, तो अधिकतर लोग सामान्य से अधिक खर्च करते हैं, क्योंकि यह ऐसा खास मौका होता है जब खरीदार अधिक खर्च करता है।

सिर्फ शहरी केंद्र ही नहीं बल्कि अर्ध-शहरी केंद्र भी त्योहार के समय स्थिर वृद्धि दर्ज कर रहे हैं। दिवाली के दौरान शराब की बिक्री भी काफी बढ़ जाती है। आबकारी विभाग के आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल दिवाली से पहले सिर्फ तीन दिन में दिल्ली में लोगों ने करीब 121 करोड़ रुपए मूल्य की 64 लाख शराब की बोतलें खरीदीं।

अमर सिन्हा ने कहा, त्योहारों के दौरान शराब को उपहार के रूप में पसंद किया जाना इसकी एक मुख्य वजह है। इसका जश्न मनाने और सामाजिक समारोहों के साथ गहरा संबंध है। बाजारों में भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस उपायुक्त अपूर्व गुप्ता ने कहा, विशेष रूप से बाजारों, मॉल, महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सभी सुरक्षाकर्मी सतर्क हैं।

प्रमुख थोक बाजार सदर बाजार में दोपहर 12 बजे से रात आठ बजे तक सामान को वाहन में लादने और उतारने पर रोक रहेगी। पुलिस सीमावर्ती इलाकों में होने वाली गतिविधियों पर भी नजर रख रही है। दक्षिण-पूर्व जिले के पुलिस उपायुक्त रवि कुमार सिंह ने बताया कि बाजारों में पैदल गश्त बढ़ा दी गई है। पुलिस कर्मी कड़ी निगरानी रख रहे हैं, बाजारों पर नजर रखने के लिए ड्रोन तैनात किए गए हैं। किसी को भी कानून-व्यवस्था भंग करने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

एक अन्य अधिकारी ने बताया कि पुलिस की प्रत्येक रेलवे और मेट्रो स्टेशन पर कड़ी नजर है तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि को रोकने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस के गश्त करने वाले दलों को निर्देश दिया गया है कि वे कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तुरंत अपने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करें।

## गाजीपुर बार्डर पर वाहनों की लंबी कतारें

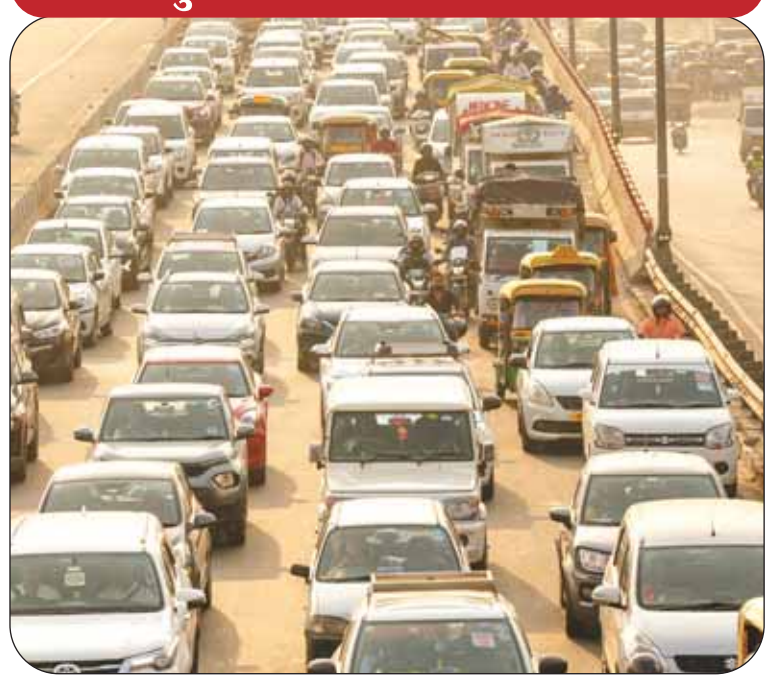

# केशव चंद्रा एनडीएमसी के नए अध्यक्ष नियुक्त

**नई दिल्ली।** वरिष्ठ आईएएस अधिकारी केशव चंद्रा को नई दिल्ली नगरपालिका परिषद का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के एजीएमयूटी कैडर के 1995 बैच के अधिकारी चंद्रा केंद्र शासित प्रदेश अंडमान और

निकोबार द्वीप समूह के मुख्य सचिव के रूप में कार्यरत थे। एनडीएमसी के पूर्व अध्यक्ष नरेश कुमार के 31 अगस्त को सेवानिवृत्त होने के बाद से यह पद खाली था। अंतरिम अवधि के दौरान दिल्ली नगर निगम के आयुक्त अश्विनी कुमार को एनडीएमसी की जिम्मेदारियों को संभालने का जिम्मा सौंपा गया था।

# राहत के बाद हवा फिर बहुत खराब

● पटाखों और पराली जलाने से नवंबर का पहला सप्ताह भारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

एक दिन की राहत के बाद दिल्ली की हवा फिर बहुत खराब हो गई है। मंगलवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 268 दर्ज किया गया था लेकिन बुधवार को इसमें 40 अंकों की बढ़ोत्तरी के साथ 308 दर्ज किया गया जो बहुत खराब श्रेणी में आता है।

मगर यह राहत लंबे समय तक नहीं रह सकती है क्योंकि पटाखों और पड़ोसी राज्यों में पराली व कचरा जलाने के कारण दिवाली के आसपास जहरीला स्मॉग गंभीर स्तर तक पहुंचने का अनुमान है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का एक्यूआई 31 अक्टूबर और 1 नवंबर को '400' के गंभीर स्तर को पार कर सकता है। यह स्थित अगले छह दिनों तक रह सकती है।

बृहस्पतिवार को प्रमुख सतही हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से आ रही है, जिसकी गति 4-20 किलोमीटर प्रति घंटा होगी, सुबह धुंध रहेगी और आसमान मुख्यत: साफ रहेगा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, बृहस्पतिवार को प्रमुख सतही हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेंगी। जिसकी गति 4 से 20 किलोमीटर प्रति घंटा होगी, सुबह धुंध रहेगी और आसमान मुख्यत: साफ रहेगा। वहीं शुक्रवार को सतही हवा उत्तर-पश्चिम उत्तर दिशा से चलेगी, जिसकी गति 4 से 16 किलोमीटर प्रति घंटा होगी और आसमान मुख्यत: साफ रहेगा।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि मौसम ठंडा होता है, तो वायुमंडल की ऊपरी परत नीचे उतर जाती है। यह वेंटिलेशन गुणांक को भी घटाती है। यह वह दर है जिस दर पर प्रदूषक फैलते हैं। इसके चलते अगले 6 दिनों तक वायु गुणवत्ता बहुत खराब से गंभीर श्रेणी में पहुंचने की आशंका है। इस बीच दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने पड़ोसी राज्यों को ग्रैप के दूसरे चरण को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए हैं। सफाई के लिए मशीनों के उपयोग, धुआंरोधी उपायों को बढ़ाने व पटाखों पर प्रतिबंध के निर्देश दिए हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, जिन 36 निगरानी स्टेशनों से आंकड़े प्राप्त हुए, उनमें से आनंद विहार और मुंडका में एक्यूआई 400 के पार पहुंच गया है। अशोक विहार, आया नगर, बवाना, जहांगीरपुरी, विवेक विहार और वजीरपुर समेत कुल 19 केंद्रों में वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में रही। इस बीच, तापमान में अभी भी गिरावट शुरू नहीं हुई है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत तापमान से 4.9 डिग्री अधिक है।

# आयुष्मान भारत योजना पर छिड़ी जंग

● आप ने कहा कि यह पीएम मोदी का सबसे बड़ा घोटाला है, भाजपा पहुंची उच्च न्यायालय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रेस वार्ता के दौरान प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, सांसद रामबीर बिधूड़ी व अन्य।

आयुष्मान भारत योजना को लेकर सियासी जंग छिड़ गई है। आम आदमी पार्टी ने योजना को लेकर एक बार फिर केंद्र सरकार पर हमला बोला हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना में बहुत सारे घोटाले हैं। वहीं भाजपा इस मामले को लेकर उच्च न्यायालय पहुंच गई है।

अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के अनुसार आयुष्मान भारत योजना घोटालों से भरी हुई है। इस योजना को राष्ट्रीय राजधानी में लागू करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि यहां उनकी पार्टी की सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं मुफ्त प्रदान की जाती हैं। केजरीवाल ने कहा, यह मेरी राय नहीं है, यह कैग का कहना है कि आयुष्मान भारत योजना में कई घोटाले हैं। इस योजना के तहत इलाज तभी होगा जब मरीज अस्पताल में भर्ती होगा, लेकिन दिल्ली में अस्पताल में भर्ती होने को लेकर कोई शर्त नहीं है। स्वास्थ्य सेवाओं का उल्लेख करते हुए आप नेता ने आरोप लगाया, पांच रुपए की दवा से लेकर एक करोड़ रुपए के ऑपरेशन तक सब कुछ मुफ्त है। अगर दिल्ली में दवा, जांच और इलाज सब मुफ्त है, तो यहां आयुष्मान भारत योजना की कोई जरूरत नहीं है। पीएम मोदी को दिल्ली की योजना का अध्ययन करना चाहिए और इसे पूरे देश में लागू करना चाहिए।

इससे एक दिल पहले अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा था, वह दिल्ली और पश्चिम बंगाल में 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी बुजुर्गों से माफी मांगते हैं। उन्होंने कहा कि वह दोनों राज्यों के लोगों की पीड़ा समझते है लेकिन राज्य सरकारों के फैसलों के कारण वह उनकी मदद नहीं कर सकते।

मोदी ने कहा था कि वह पश्चिम बंगाल और दिल्ली में बुजुर्गों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य सेवा की स्थिति से निराश हैं। उन्होंने इसे वरिष्ठ नागरिकों की सेवा करने का अवसर गंवाना बताया था। इस बीच, प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली के पार्टी सांसदों ने शहर में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना लागू न करने के आम आदमी पार्टी की सरकार के फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की है।

सचदेवा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली के लाखों पात्र लोगों को केंद्र की स्वास्थ्य बीमा योजना से वंचित करने के लिए आप और उसके संयोजक अरविंद केजरीवाल की आलोचना की।

सचदेवा ने दावा किया कि तत्कालीन उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दिल्ली विधानसभा में घोषणा की थी कि राष्ट्रीय राजधानी में आयुष्मान भारत योजना लागू की जाएगी। उन्होंने अपने वादे से पलटने के लिए आप की आलोचना की। उन्होंने कहा कि भाजपा यह सुनिश्चित करने के लिए अब कानूनी लड़ाई लड़ेगी कि इस योजना का लाभ दिल्ली में बुजुर्गों तथा अन्य पात्र लोगों को मिले।

# एलजी ने चिकित्सा योजना पर केजरीवाल को घेरा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● बोले, आप सरकार के चलते दिल्ली के लाख लोग केंद्र की योजना से वंचित

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने आयुष्मान भारत योजना पर पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को घेरा है। उन्होंने केजरीवाल से कहा कि दिल्ली के लाखों लोगों को अब तक इस योजना से मात्र इसलिये वंचित रखा है कि कहीं इसके क्रियान्वयन से आप के द्वारा प्रचारित झूठे हेल्थ मॉडल का सच सामने न आ जाये और आपकी हर बात पर खुद की झूठा श्रेय लेने की आदत का भंडाफोड न हो जाये।

आयुष्मान भारत योजना का विरोध सिर्फ इसलिए किया क्योंकि आप चाहते थे कि आपका नाम इस योजना के साथ किसी भी तरह से जोड़ दिया जाए। जून 2018 में ही आपकी सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने योजना के लाभों के दृष्टिगत जनहित में इस को लागू करने के अनुशंसा की थी और तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री ने आयुष्मान भारत योजना को लागू करने की अनुमति दे दी थी। उसके बाद अगस्त 2018 में आम आदमी पार्टी की सरकार ने आयुष्मान भारत योजना का नाम मुख्यमंत्री आम आदमी स्वास्थ्य बीमा योजना आयुष्मान भारत रखने की बात कही। केंद्र सरकार इस योजना का अधिकतम खर्च वहन करती है, वह भी आपके द्वारा खुद के महिमा मंडन के लिए तैयार हो गई, मात्र यह कहते हुए कि आप अपना नाम आयुष्मान भारत के बाद इस्तेमाल करें।

मौके पर योजना को लागू करने की फाइल दिल्ली सरकार के मंत्रियों तक जाती रही और हर बार बेवजह और बेबुनियाद आपत्तियां लगा कर वापस भेजी जाती रही। अभी इस बाबत फाइल मुख्यमंत्री आतिशी के पास पड़ी है और दिल्ली की गरीब जनता अभी भी इस योजना के लाभ से वंचित है।

# प्रदूषण पर केजरीवाल, आतिशी चुप : देवेंद्र यादव

**नई दिल्ली।** प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री आतिशी को प्रदूषण के मद्दे पर घेरा है। उन्होंने कहा कि कई केंद्रों का वायु गुणवत्ता सूचकांक बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया है।

वहीं आनंद विहार और मुंडका में यह 400 का आंकड़ा पार कर गया है। यारी गंभीर श्रेणी में। एक्यूआई के गंभीर होने पर अस्पतालों में बड़ी संख्या में सांस लेने में दिक्कत और आंखों के जलन की शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं। यादव ने कहा कि पिछले कई वर्षों से आप सरकार यह आश्वासन देती रही है कि वह प्रभावी कदम उठाकर दिल्ली की हवा और यमुना के पानी को साफ करेगी, लेकिन वास्तव में जमीनी स्तर पर कोई काम नही किया है। दीपावली से पूर्व बढ़ते प्रदूषण के कारण लोग विभिन्न बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं जहरीली हवा की स्थिति और खराब होने की आशंका है, जिसकी चेतावनी मौसम विभाग ने भी दी है।

# सफाई कर्मियों को मिला दिवाली बोनस: केजरीवाल

● कहा, 23 करोड़ रुपए 64,000 कर्मचारियो के खातो मे जमा किए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को दावा किया कि दिल्ली नगर निगम के सभी सफाई कर्मचारियों को पहली बार महीने के अंत से पहले ही वेतन और दिवाली बोनस मिल गया।

दिवाली बोनस और वेतन के रूप में 23 करोड़ रुपए करीब 64,000 सफाई कर्मचारियों के खातों में जमा किए गए हैं। केजरीवाल ने महापौर शैली ओबेरॉय के साथ संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एमसीडी में पिछली भारतीय जनता पार्टी सरकार के दौरान वेतन में अक्सर छह से आठ महीने की देरी होती थी और कर्मचारियों को इसके लिए आए दिन विरोध प्रदर्शन करना पड़ता था। भाजपा के कार्यकाल में भ्रष्टाचार चरम पर था और कर्मचारियों को अपने बकाए के लिए संघर्ष करना पड़ता था।

वहीं आप के शासनकाल में पिछले दो वर्षों में हर महीने के पहले सप्ताह में वेतन दिया जाता है और किसी सफाई कर्मचारी को विरोध प्रदर्शन नहीं करना पड़ा। उन्होंने कहा, दिवाली त्यौहार को ध्यान में रखते हुए सभी 64,000 सफाई कर्मचारियों को महीने की समाप्ति से पहले ही वेतन मिल गया ताकि वे अपने परिवार के साथ दिवाली का त्योहार मना सकें। इसके साथ ही 23 करोड़ रुपए का दिवाली बोनस भी वितरित किया गया है।

## संक्षिप्त समाचार

### डीडीए सलाहकार परिषद के सदस्य बने रामवीर बिधूड़ी

**नई दिल्ली।** भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी को दिल्ली विकास प्राधिकरण की सलाहकार परिषद का सदस्य बनाया गया है। बिधूड़ी के नेता प्रतिपक्ष और विधायक के रूप में लंबे अनुभव को देखते हुए उन्हें डीडीए सलाहकार परिषद के सदस्य के रूप में चुना गया है। डीडीए के नोटिफिकेशन के अनुसार केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय ने बिधूड़ी को डीडीए की सलाहकार परिषद का सदस्य बनाया है। उपराज्यपाल इस परिषद के अध्यक्ष होते हैं। मामलों की व्यापक जानकारी से वह डीडीए से जुड़े मुद्दों को सुलझाने में मददगार साबित होंगे।

### आखिरी मेट्रो ट्रेन सेवा बृहस्पतिवार रात 10 बजे तक

**नई दिल्ली।** दिल्ली मेट्रो बृहस्पतिवार को अपनी आखिरी ट्रेन सेवा सामान्य समय रात 11 बजे के बजाय रात 10 बजे शुरू करेगी। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। डीएमआरसी के प्रधान कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने कहा, दिवाली के त्योहार के मद्देनजर, बृहस्पतिवार को मेट्रो ट्रेन की आखिरी सेवा एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन सहित सभी लाइन के टर्मिनल स्टेशनों से रात 10 बजे शुरू होगी। उन्होंने कहा कि कल दिन भर मेट्रो सेवा सामान्य रूप से संचालित होगी।

### फ्रांसीसी राजदूत का मोबाइल झपटा, चार गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** चांदनी चौक बाजार में घूमने के दौरान फ्रांसीसी राजदूत थिएरी मथौ का मोबाइल फोन चोरी करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मथौ और उनकी पत्नी 20 अक्टूबर को बाजार घूमने गए थे, तभी उनकी जेब से मोबाइल फोन चोरी हो गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्हें दूतावास से 21 अक्टूबर को घटना के बारे में सूचना मिली थी। सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया गया और पुलिसकर्मियों की एक टीम बनाई गई। अधिकारी ने बताया कि चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया जिनकी उम्र 20 से 24 वर्ष है और उनके पास से मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया गया है।

### वाहन चालकों पर 47 करोड़ रुपए का जुर्माना

**नई दिल्ली।** वायु प्रदूषण के स्तर में वृद्धि के बीच यातायात पुलिस ने प्रदूषण प्रमाणपत्र के उल्लंघन के लिए मोटर वाहन चालकों पर एक से 24 अक्टूबर के बीच कुल 47 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया। यातायात पुलिस ने इस अवधि में 47 हजार से अधिक चालान काटे। वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र नहीं होने पर वाहन चालकों पर 10,000 रुपए का जुर्माना लगाया जाता है। चालान का निपटारा अदालत में होता है। दिल्ली यातायात पुलिस से मिले आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर माह में एक विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें एक से 24 तारीख के बीच पीयूसी उल्लंघन के लिए मोटर वाहन चालकों के 47,363 चालान काटे गए।

# प्याज की खेप दिल्ली पहुंची, 35 रुपये प्रति किलो मिलेगी

● आजादपुर मंडी में उतारा जाएगा प्याज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

त्योहारी सीजन में प्याज की बढ़ती कीमतों से लोगों को तत्काल राहत पहुंचाने के लिए नासिक से खरीदा गया 840 मीट्रिक टन प्याज दिल्ली के किशनगंज रेलवे स्टेशन पर पहुंच गया है। आजादपुर मंडी में प्याज की उपलब्धता बढ़ाने के लिए इसको उतारा जाएगा, जिसमें से आंशिक स्टॉक 35 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से खुदरा बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि मूल्य स्थिरीकरण कोष के तहत भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) ने 840 मीट्रिक टन प्याज किसानों से खरीदा है।

इससे पहले एनसीसीएफ ने 20 अक्टूबर, 2024 को कंडा एक्सप्रेस द्वारा 1,600 मीट्रिक टन प्याज किशनगंज स्टेशन पर पहुंचाया था। विभिन्न क्षेत्रों में समय पर प्याज की विश्वसनीय और कम खर्च पर आपूर्ति के लिए पहली बार रेल रेक द्वारा प्याज का बड़े पैमाने पर परिवहन किया गया है। नैफेड ने पहले नासिक से रेल रेक द्वारा 840 मीट्रिक टन प्याज 26 अक्टूबर, 2024 को चेन्नई पहुंचा था। गुवाहाटी के लिए एक और रेल रेक आज सुबह नासिक से रवाना हुई जिसमें एनसीसीएफ द्वारा खरीदा गया 840 मीट्रिक टन प्याज है। रेल द्वारा इतने बड़े पैमाने पर प्याज की ढुलाई से देश भर में प्याज की उपलब्धता में वृद्धि हुई है।

सरकार ने इस वर्ष प्याज के मूल्य को स्थिर रखने के लिए 4.7 लाख टन रबी प्याज की खरीद की थी। 5 सितंबर, 2024 से 35 रुपए प्रति किलोग्राम की दर पर खुदरा बिक्री के माध्यम से और देश भर की प्रमुख मंडियों में थोक बिक्री के माध्यम से उपलब्ध कराना शुरू कर दिया था। अब तक 1.40 लाख टन से अधिक प्याज नासिक और अन्य केंद्रों से ट्रकों के माध्यम से उपभोग केंद्रों तक भेज दिया गया है। अभी तक एनसीसीएफ ने प्याज उपलब्ध कराने के लिए 22 राज्यों में 104 गंतव्यों को और नेफेड ने 16 राज्यों में 52 गंतव्यों को कवर किया है। एजेंसियों ने खुदरा उपभोक्ताओं को 35 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से प्याज वितरित करने के लिए सफल, केंद्रीय भंडार और रिलायंस रिटेल जैसी खुदरा श्रृंखलाओं के साथ भागीदारी की है।

इस पहल की शुरुआत से लेकर अब तक, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और दिल्ली जैसे प्रमुख राज्यों में प्याज़ की खुदरा कीमतें काफ़ी हद तक स्थिर हो गई हैं।

# एरोसिटी में खाने-पीने की दुकानें 24 घंटे खुलेंगी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सीएम आतिशी ने दी मंजूरी, राजस्व में होगी वृद्धि

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एरोसिटी में फूड आउटलेट्स और रेस्टोरेंट्स अब चौबीस घंटे खुलेंगे। मुख्यमंत्री आतिशी ने इस योजना को मंजूरी दे दी है। सरकार के इस फैसले से राजस्व में वृद्धि होगी। वर्तमान में, दिल्ली, एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। ऐसे में यहाँ राजस्व बढ़ाने की बहुत सी संभावनाएं है और इस निर्णय के बाद लाइसेंस फीस के जरिए राजस्व में वृद्धि देखने को मिलेगी।

गुरुग्राम में रेस्तरां को अतिरिक्त शुल्क के बदले देर तक खुला रखने की अनुमति है, जिससे वहां का राजस्व बढ़ता है। साथ ही एयरोसिटी में मौजूदा कुछ 4-स्टार और उससे ऊपर के होटल पहले से ही 24 घंटे खुले रहते हैं। इसी तर्ज पर राजस्व बढ़ाने के लिए दिल्ली एयरपोर्ट स्थित एयरोसिटी में फूड आउटलेट्स रेस्टोरेंट्स को 24 घंटे खुला रखने की तैयारी चल रही है।

एरोसिटी क्षेत्र में स्थित रेस्टोरेंट्स को 24 घंटे खुला रखने और संचालन से न केवल पर्यटकों को बेहतर सेवाएं मिलेंगी, बल्कि सरकार के राजस्व में भी वृद्धि होगी।

ऐसे में एरोसिटी के रेस्टोरेंट्स को 24 घंटे खुला रखने की अनुमति दी जाए, इस प्रस्ताव की सीएम आतिशी से मंजूरी मिल गई है।

# दिवाली : रोशनी से जगमगाया गुरुग्राम

● बृहस्पतिवार, शुक्रवार को मनाई जाएगी दीवाली, बाजारों में लगी है उपहार खरीदने वालों की भीड़

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

दीपावली को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई थी, लेकिन तिथियों की गणना करने वाले पंडितों के अनुसार इस बार दीपावली 31 अक्टूबर व व एक नवम्बर दोनों दिन मनाई जा सकती है। देश के अधिकांश क्षेत्रों में आज ही दीपावली का पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा।

प्रदेश सरकार ने 31 अक्टूबर को दीपावली का अवकाश घोषित किया है। दीयों का पर्व दीपावली को लेकर लोग तैयारियों में जुटे हैं। शहर के मुख्य सदर बाजार, सोहना चौक, जैकबपुरा, ओल्ड व न्यू रेलवे रोड स्थित बाजारों सहित शहर के एमजी रोड स्थित शॉपिंग मॉल्स में शहरवासी व ग्रामीण खरीददारी करने के लिए पहुंच रहे हैं। बुधवार को भी इन बाजारों व मॉल्स में भारी भीड़ दिखाई दी। दीपावली का पर्व आज वीरवार को धूमधाम से मनाया जाएगा।

बाजारों में दुकानदारों ने अपनी दुकानों को सजाया हुआ है। शहर के सभी ज्वैलर्स के यहां भी ज्वैलरी खरीदने वालों का तांता लगा रहा। मिठाईयां व ड्राई फ्रूट्स की दुकानों पर भी खरीददारों की भारी भीड़ दिखाई दी। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में फूलों की भी खूब बिक्री हो रही है। गुडगांव के आस पास के क्षेत्रों से ही नहीं अपितु राजस्थान तक से भी फूल गुरुग्राम में के लिए लाए गए हैं। गत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष फूलों के दामों में वृद्धि दिखाई दे रही है। शहर के मंदिरों में भी दीपावली के अवसर पर खूब चहल पहल दिखाई दे रही है। मंदिरों को ही नहीं अपितु गुरुद्वारों को भी दुल्हन को तरह सजाया गया है। मंदिरों में पूजा-अर्चना करने वालों की भी भारी भीड़ उमड़ रही है।

दिवाली के अवसर पर गुरुग्राम में सजा मॉल।

दिवाली के अवसर पर पुराने गुरुग्राम में सजे शोरूम।

**पुलिस प्रशासन भी है सतर्क :** पुलिस प्रशासन ने भी शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए हुए हैं। शहर के मुख्य सदर बाजार सहित सार्वजनिक स्थानों पर भी पुलिस की पीसीआर तैनात की गई है। पुलिसकर्मियों को भी शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात किया गया है, ताकि किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना घटित न हो सके।

**सभी सरकारी अस्पताल भी अलर्ट पर :** सिविल अस्पताल में भी चिकित्सकों की विशेष ड्यूटी लगाई गई है, ताकि झुलसे मरीजों का इलाज हो सके। प्रशासन ने प्रदूषण फैलाने वाले बम-पटाखों पर रोक लगाई हुई है। ग्रीन पटाखे इस्तेमाल करने के आदेश दिए गए हैं। इस सबके बावजूद भी चोरी छिपे उच्च क्षमता वाले पटाखों की बिक्री हो रही है।

## धूमधाम से मनाया गया छोटी दीपावली पर्व

**गुरुग्राम।** दीपावली पर्व को लेकर शहरी ही नहीं, अपितु ग्रामीण क्षेत्रों में उत्साह दिखाई दे रहा है। बुधवार को छोटी दीपावली यानि कि नरक चतुर्दशी का पर्व लोगों ने धूमधाम से मनाया। मान्यता है कि इस दिन घरों में यमराज की पूजा की जाती है। छोटी दीपावली पर सायं के समय लोगों ने अपने घरों के बाहर दीये जलाकर रखे, जिन्हें यम का दीपक कहा जाता है। कहा जाता है कि यमराज के लिए तेल का दीपक जलाने से अकाल मृत्यु भी टल जाती है। छोटी दीपावली को सौन्दर्य और आयु प्राप्ति का दिन भी माना जाता है। भगवान श्रीकृष्ण, यमराज और शुक्र विग्रह की उपासना भी लोगों द्वारा की गई। आज के दिन ही भगवान श्री कृष्ण ने अत्याचारी नरकासुर का संहार कर 16 हजार 100 कन्याओं को बंदी गृह से मुक्त कराया था।

# फरीदाबाद को बनाएंगे नंबर वन सिटी : केंद्रीय मंत्री

दयाराम वशिष्ठ। फरीदाबाद

केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि भाजपा की प्रदेश सरकार ने 10 वर्षों में नई-नई योजनाएं लाकर और अपने संकल्पों से प्रदेश की जनता को खुशहाल करने का काम किया। 13 महीने के लंबे संघर्ष के बाद मोहना उतार-चढ़ाव मंजूर हो गया है। इसी संदर्भ में सांसद कृष्णपाल गुर्जर का बृहस्पतिवार को धन्यवाद सर्व समाज की तरफ से मोहना धरना स्थल पर किया गया।

इस अवसर पर लोगों को सम्बोधित करते हुए केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि आज यह आपका अंतिम दिन का धरना है और छोटी दिवाली के दिन बहुत लंबे समय के संघर्ष के बाद आज यह ऐतिहासिक दिन आया है। उन्होंने सर्वप्रथम वहां उपस्थित लोगों को दिवाली के पावन पर्व की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय भी मैंने यही कहा था कि मोहना का कट तो हम बना कर ही रहेंगे चाहे नतीजा कुछ भी हो क्योंकि इसका फायदा हमारे साथ साथ हमारी आने वाली पीढ़ियों को भी मिलेगा। जब से हमारी भाजपा सरकार बनी है फरीदाबाद में कई हाईवे बनाए गए हैं। ना हाईवे बनते हैं न आप सब कट की मांग करते। हाईवे निकालने का फायदा भी शहर वासियों को होना चाहिए इसके लिए कट का होना भी जरूरी है।

उन्होंने कहा, हाईवे बनने से यहां बाहर के लोग इन्वेस्टमेंट करेंगे और उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा बच्चों को रोजगार मिलेगा। यहां से जेवर एयरपोर्ट नजदीक है। यहां से आप 10 मिनट में जेवर एयरपोर्ट पहुंच जाओगे। अब तो सीधा मोहना से मिंडकौला जाने का रास्ता बन गया है। सिर्फ मोहना कट ही नहीं आमजन ने जितनी भी मांग भाजपा सरकार से कि हमने वह सभी पूरी की हैं।

उन्होंने कहा कि चंदावली में पुल हो या मिंडकौला में कट का उतार चढ़ाव उसका काम भी शुरू कर दिया है। बघौला में भी फ्लाईओवर बनवाया है। देवली में अंडर पास नहीं था तथा वहां पर भी अंडर पास बनने के कार्य को पास कर दिया गया है। बहुत जल्दी ही हम गुरुग्राम फरीदाबाद से रैपिड रेल सीधे जेवर तक लेकर जाएंगे। हम हर तरीके से कनेक्टिविटी फरीदाबाद क्षेत्र को दिलवाएंगे। मोहना से आप केएमपी चढ़ जाना केएमपी से दिल्ली-वडोदरा, केएमपी से मेरठ, हरिद्वार, देहरादून कहीं भी जा सकते हैं। एक हाईवे से दूसरे हाईवे को इस प्रकार जोड़ा गया है। आप जयपुर, मुंबई, वैष्णो देवी चंडीगढ़ कहीं भी एक चले जाओ हाईवे की कनेक्टिविटी हर जगह आपको मिलेगी। फरीदाबाद को हाईवे से इस तरह जोड़ा गया है कि आप एक हाईवे से चढ़कर देश के किसी भी कोने में भी आ जा सकते हो। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द बल्लभगढ़ से पलवल तक भी मेट्रो रेल का काम शुरू होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी रैली में इस बात की घोषणा भी की थी। सरकार की कोशिश है कि लोग गुरुग्राम को भूल जाएं और सारा देश फरीदाबाद की तरफ ही देखे। हमारी सरकार आने वाले दिनों में फरीदाबाद को देश का नंबर वन शहर बना देंगे।

इस अवसर पर पूर्व विधायक टेकचंद शर्मा, राजेंद्र सिंह बैंसला, सुभाष चौधरी, दीपक डागर, सुरेंद्र चौहान, देवेंद्र चौहान, नरेश पहलवान, ईश्वर खबरदार, उदय राम, प्रताप, मोहन, हर किशन, दयाराम, महेंद्र, वीरेंद्र अत्री, किशन सरपंच, कृष्ण अदलखा, ओपी पंडित, गिरिराज सहित 52 पालो की सरदारी और कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

फरीदाबाद में जनता को संबोधित करते केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर।

● कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा, जल्द बल्लभगढ़ से पलवल तक मेट्रो रेल के कार्य शुरू होगा, केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री ने मोहना कट को लेकर धरने पर बैठे लोगों का धरना खत्म करवाया

# सफाई अभियान में सभी हिस्सा लें : राजेश भाटिया

● मार्केट क्लीन अभियान कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

'दीवाली विद माय भारत वाली' कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को ब्यापार मंडल फरीदाबाद एवम नेहरू युवा केन्द्र संगठन व मेरा युवा भारत फरीदाबाद (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार) एवम नगर निगम फरीदाबाद के सहयोग से मार्किट क्लीन अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

इस अवसर पर ब्यापार मंडल फरीदाबाद के प्रधान राजेश भाटिया ने सर्वप्रथम सभी सफाई कर्मचारियों एवं सभी स्वयं सेवकों को माला पहना कर उनका स्वागत किया। उन्होंने सभी क्षेत्र वासियों को दीपावली गोवर्धन पूजा एवं भाई दूज की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वच्छता अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को स्थानीय बाजारों की ओर आकर्षित करना है ताकि ऑनलाइन शॉपिंग पर निर्भरता कम हो सके।

व्यापार मंडल फरीदाबाद की तरफ से प्रधान राजेश भाटिया, बंसीलाल कुकरेजा (महासचिव), गगन अरोड़ा (कोषाध्यक्ष), जगदीश भाटिया (चैयरमेन), वेद कुकरेजा (चैयरमेन), हरीश सेठी , हरीश भाटिया , नंदराम पाहिल, बी एन मिश्रा, दुल्ही चंद शर्मा, आई.एस. जैन, नेहरू युवा केंद्र से हिमांशु बी, दीपक शर्मा, राहुल वर्मा, संतोष अरोड़ा, रविंदर मालिक, शिवानंद राय, कीर्ति, देवेंद्र, श्वेता, देवानंद, साक्षी, गायत्री, किरपान, समाज सेवी संगठनों से सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर मार्केट नंबर 1 से अजय शर्मा, आशीष आशु, भव्य मलिक, रिंकल भाटिया, सरदार परविंदर सिंह, सरदार मनीष जीत सिंह, अशोक बैसला, विकास शर्मा, जगत भाटिया, प्रेम भाटिया, विशाल भाटिया, प्रेम बब्बर रविंद्र गुलाटी, अरविंद शर्मा, अमित नरूला समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

युवा केंद्र संगठन के लोग सफाई अभियान चलाते हुए।

# इस बार भी प्रकाश पर्व के त्योहार पर शहर में नहीं हुई गंदगी साफ

● कूड़े के ढेर और गंदगी देख शासन-प्रशासन को लोग कोसते नजर आए

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष पर दिवाली गुरुग्राम गदंगी के बीच ही मनाएगा। शासन-प्रशासन के दावों के बाद भी शहर से गंदगी साफ नहीं हो पाई। गंदगी की समस्या लगातार बढ़ती ही जा रही है।

शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था चरमराती जा रही है। सफाईकर्मी विभिन्न क्षेत्रों में सफाई कर कूड़े को सार्वजनिक स्थानों पर डंप कर देते हैं, जिससे आने-जाने वाले लोगों को परेशानियों तो होती ही हैं। कूड़े की दुर्गंध से लोगों का जीना भी दुश्वार हो गया है। देवीलाल नगर में सेक्टर-9 मुख्य मार्ग के साईड में कूड़ा डाला किया जा रहा है। कूड़े का ढेर लगने से लोगों का बुरा हाल है। लोगों को आवागमन में परेशानी उठानी पड़ रही है। क्षेत्र के निवासियों मुन्नी देवी, जूली गुप्ता, समाजसेवी राजेश पटेल का कहना है कि कूड़े के कारण आमजन परेशान है। क्षेत्रवासियों को बदबू का सामना करना पड़ रहा है। कुछ ही दूरी पर छठ पूजा स्थल व मंदिर है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि नगर निगम प्रशासन को इस ओर ध्यान देना चाहिए।

देवीलाल नगर में फैली गंदगी।

# गुरुग्राम और फरीदाबाद की बिजली आपूर्ति में सुधार होगा: विपिन गुप्ता

● डीएचबीवीएन और एचवीपीएन के अधिकारियों की हुई संयुक्त बैठक

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा उपभोक्ताओं को बेहतर गुणवत्तापूर्वक बिजली आपूर्ति करने के प्रयास जारी हैं। इसके लिए संसाधनों को और अधिक मजबूत करने के लिए दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम और हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम के गुरुग्राम एवं फरीदाबाद के अधिकारियों की बुधवार को बैठक हुई।

आगामी गर्मियों में बिजली की मांग के बीच बैठक में डीएचबीवीएन के निदेशक (ऑपरेशन) विपिन गुप्ता ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति करने में बेहतर सुधार किए जाएं।

एचवीपीएन अधिकारियों ने बताया कि बादशाहपुर, दौलताबाद, सेक्टर-46 और सेक्टर-2 आईएमटी मानेसर के पावर हाउस की क्षमता में बढ़ोतरी होगी। फरीदाबाद में ए-4, हैदराबाद, भोपानी और पाली पावर हाउस की क्षमता बढ़ने से गुरुग्राम और फरीदाबाद के लोगों को लाभ होगा।

बैठक में डीएचबीवीएन के मुख्य अभियंता वीके अग्रवाल, एचवीपीएन के मुख्य अभियंता अनिल यादव, एस ई प्लानिंग संदीप यादव, गुरुग्राम के एस ई बीके राघव, फरीदाबाद के एसई अतुल अग्रवाल, गुरुग्राम के एसई श्यामबीर सैनी, गुरुग्राम ऑपरेशन सर्कल 2 के एस ई पीके चौहान, फरीदाबाद ऑपरेशन के एसई जितेंद्र दुल, कार्यकारी अभियंता अनिल मलिक और अमित कंबोज, विकास यादव, ग्रेटर फरीदाबाद के पंकज पवार आदि शामिल हुए।

बिजली अधिकारियों की बैठक लेते डीएचबीवीएन निदेशक (ऑपरेशन) विपिन गुप्ता।

# पलवल में 7908.2 एमटी बाजरा, 20653.9 एमटी धान की खरीद

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बताया कि जिला की अनाज मंडियों में अब तक 7908.2 मीट्रिक टन बाजरे और 20653.9 मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है।

पलवल, होडल, हसनपुर, खाम्बी, हथीन की अनाज मंडियों में समर्थन मूल्य पर बाजरा व धान की खरीद निरंतर जारी है। उन्होंने बताया कि अब तक हैफेड की ओर से होडल अनाज मंडी में 2281.8 एमटी, खाम्बी में 697.2 मीट्रिक टन बाजरा खरीदा जा चुका है, जबकि हरियाणा वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन की ओर से पलवल मंडी में 2010.2 तथा हथीन मंडी में 2919 एमटी बाजरा की खरीद हो चुकी है। अब तक करीब 7908.2 मीट्रिक टन बाजरे की खरीद हुई है और 6089 टन बाजरे का उठान हो चुका है।

इसी प्रकार जिला में किसानों से 20653.9 मीट्रिक टन धान की खरीद हुई है। इसमें से 12634.64 एमटी धान का उठान भी हो चुका है। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा खाम्बी मंडी में 3 एमटी, हैफेड ने होडल मंडी में 1341 एमटी, हसनपुर मंडी में 3319.7 एमटी, खाम्बी की अनाज मंडी में 2831.3 एमटी तथा हरियाणा वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन ने पलवल मंडी में 1108.6 एमटी, होडल मंडी में 5605 एमटी, हसनपुर मंडी में 4151 एमटी, खाम्बी मंडी में 2294.3 एमटी धान की खरीद हो चुकी है।

# त्योहार में कानून-व्यवस्था के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट तैनात

● जिलाधीश डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने की हालात की समीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

जिलाधीश डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा-16(।) और 17(॥) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला क्षेत्र में 03 नवंबर 2024 तक धनतेरस, नर्क चौदस, दीवाली, गोवर्धन पूजा व भाई दूज पर्व के दौरान कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिकारियों को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। ड्यूटी मजिस्ट्रेट के साथ संबंधित क्षेत्र के थाना प्रभारी की भी ड्यूटी रहेगी।

जिलाधीश द्वारा जारी आदेशानुसार पुलिस स्टेशन सदर पलवल क्षेत्र के लिए जिला शिक्षा अधिकारी अशोक बघेल, पुलिस स्टेशन गदपुरी व यातायात प्रबंधन के लिए पंचायती राज पृथला के उपमंडल अधिकारी पोहप सिंह, पुलिस स्टेशन शहर पलवल क्षेत्र के लिए खंड शिक्षा अधिकारी मामराज रावत, पुलिस स्टेशन कैंप पलवल क्षेत्र तथा जिला सचिवालय के लिए जिला उद्यान अधिकारी अब्दुल रज्जाक, पुलिस स्टेशन चांदहट क्षेत्र के लिए हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड पलवल के एसएसई विशाल निगम, पुलिस स्टेशन मुडकटी क्षेत्र के लिए हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड होडल के एसएसई संजय बंसल, पुलिस स्टेशन हथीन क्षेत्र व यातायात प्रबंधन के लिए बीडीपीओ हथीन कार्यालय के उपमंडल अधिकारी असलम खान, पुलिस स्टेशन बहीन क्षेत्र के लिए सिंचाई विभाग पलवल के उपमंडल अधिकारी लखन सिंह, पुलिस स्टेशन उटावड़ क्षेत्र के लिए बीडीपीओ होडल कार्यालय के उपमंडल अधिकारी हबीब अहमद, पुलिस स्टेशन हसनपुर क्षेत्र के लिए लोक निर्माण विभाग पलवल के उपमंडल अभियंता सिद्धार्थ देव और पुलिस स्टेशन होडल व करमन बॉर्डर व यातायात प्रबंधन के लिए जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग होडल के उपमंडल अधिकारी राजबीर सिंह को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है।

## बेटियां राज्य पुरस्कार के लिए करें आवेदन : डीसी

**पलवल।** डीसी डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बताया कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से 24 जनवरी 2025 को राष्ट्रीय बालिका दिवस के मौके पर लड़कियों को राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाएगा, जिसके लिए 15 नवंबर 2024 तक आवेदन जमा करवाए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में अनुकरणीय उपलब्धि हासिल करने वाली बालिकाओं को नकद पुरस्कार/प्रशस्ति पत्र के माध्यम से सम्मानित करना है।

# संक्षिप्त समाचार

## ब्रह्माकुमारीज के सेवा केंद्र में मनाई गई दीपावली

कार्यक्रम में शामिल संस्था की पदाधिकारी।

**गुरुग्राम।** धार्मिक संस्था ब्रह्माकुमारीज के भौंडसी स्थित सेवा केंद्र में दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें संस्था से जुड़ी सदस्य व क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। केंद्र परिसर में रंग-बिरंगी लाईटों से रोशनी और पारंपरिक दीपावली सजावट की गई।

केंद्र की प्रभारी बीके बबीता ने बताया कि कार्यक्रम में भाजपा महिला मंडल की अध्यक्ष पूजा शामिल हुई। पूजा ने कहा कि संस्था जनकल्याण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रही है। लोगों को तनाव से मुक्त कर सकारात्मक मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित कर रही है। अपने जीवन में नकारात्मकता को कोई स्थान न दें। नकारात्मकता से जहां मानसिक तनाव बढ़ता है, वहीं आमजन विभिन्न बीमारियों का शिकार भी हो जाता है। बीके अलका ने दीपावली का आध्यात्मिक रहस्य बताया कि दीपावली न केवल देवों का त्यौहार है बल्कि आत्मा रूपी दीपक को जगाने का माध्यम है।

## समाधान शिविर में बुधवार को आई 22 शिकायतें

**गुरुग्राम।** बुधवार को समाधान शिविर में कुल 22 शिकायतें पहुंची। इनमें से 2 शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया। जो शिकायतें जल्द समाधान होने लायक थी, उनका समाधान तुरंत करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। हरियाणा सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना में नगर निगम गुरुग्राम प्रत्येक कार्य दिवस सुबह 9 बजे से 11 बजे तक समाधान शिविर आयोजित कर रहा है। ये समाधान शिविर सेक्टर-34 कार्यालय, सेक्टर-42 कार्यालय तथा सिविल अस्पताल के सामने स्थित पुराने निगम कार्यालय में आयोजित किए जा रहे हैं। जिन शिकायतों के समाधान में कुछ समय लगना है, उनकी समयसीमा निर्धारित करके शिकायतकर्ता को अवगत कराया गया। समाधान शिविरों के माध्यम से ना केवल शिकायतों का समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है, बल्कि अधिकारियों व जनता के बीच की दूरी भी खत्म हो रही है।

# 'रन फॉर यूनिटी' में दौड़ने के लिए गुरुग्राम तैयार

● केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल मुख्य अतिथि के तौर पर होंगे मौजूद, धावकों को मिलेगी टी-शर्ट और मैडल

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के लेजर वैली मैदान से बृहस्पतिवार को शुरू होने वाली रन फॉर यूनिट मैराथन दौड़ के लिए जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। पॉवरग्रिड व आरईसी के सहयोग से आयोजित की जा रही इस मैराथन को केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

रन फॉर यूनिटी की तैयारी की समीक्षा करते डीसी।

रन फॉर यूनिटी के नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त उपायुक्त हितेश कुमार मीणा ने बुधवार को बताया कि गुरुग्राम में पूर्व उप-प्रधानमंत्री स्व. सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर मनाए जा रहे राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में इस विशेष मैराथन दौड़ का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

जिसमें करीब 15 हजार खिलाड़ी, छात्र-छात्राएं, कर्मचारी, आम नागरिक तथा पुलिस व अर्द्धसुरक्षा बलों के जवान भाग लेंगे। लेजर वैली का मैदान इस आयोजन के लिए सजाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय विद्युत, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल 31 अक्टूबर को सुबह सात बजे यहां मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित होंगे। वे युवाओं को राष्ट्रीय एकता एवं सद्भावना की शपथ भी दिलवाएंगे।

अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि बुधवार को रन फॉर यूनिटी के लिए लेजर वैली मैदान में एक्सपो लगाया गया, जिससे कि प्रतिभागी अपना पंजीकरण करवा सकें। एसडीएम रविंद्र कुमार की देखरेख में लगाए गए इस एक्सपो में पंजीकरण करवाने वाले धावकों को टी-शर्ट व रन फॉर यूनिटी गुरूग्राम के मेडल दिए जाएंगे।

# गुरुग्राम में 18-19 नवंबर को होगा युवा महोत्सव: जयदीप

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

युवा मामले के जिला समन्वयक अधिकारी एवं प्रधानाचार्य जयदीप सिंह कादियान की अध्यक्षता में व जिला युवा अधिकारी से मोनिका नांदल के सानिध्य में बैठक हुई। इस बैठक में 18-19 नवंबर को होने वाले प्रस्तावित युवा महोत्सव के बारे में चर्चा की गई।

विभाग द्वारा निर्णय लिया गया कि युवा महोत्सव में नेहरू युवा संगठन तथा राष्ट्रीय सेवा योजना मिलकर एक साथ मंच सांझा करेंगे। नेहरु युवा संगठन द्वारा जारी की गई हिदायतों अनुसार फोटोग्राफी विधा को भी युवा महोत्सव में शामिल कर लिया गया है। जिला युवा महोत्सव में आयोजित होने वाली विधियों को चार नवंबर तक माई भारत पोर्टल पर तैयार कर दिया जाएगा। सभी प्रतिभागियों को माई भारत पोर्टल पर पंजीकृत होना अनिवार्य होगा। फॉक डांस तथा सॉन्ग हिन्दी/हरियाणवी संस्कृति पर आयोजित करवाए जाएंगे। फॉक डांस तथा सॉन्ग में अधिकतम 13 प्रतिभागी भाग ले सकते हैं। इन 13 प्रतिभागी में साजिंदों को शामिल किया गया है। साजिंदों की आयु 29 वर्ष से अधिक ना हो। आयोजन केवल रात्रि 8 बजे तक ही चलाया जाएगा। फोटोग्राफी प्रतियोगिता में प्रतिभागी को अपनी फोटो कला दिखानी होगी।

# हरियाणा में किसान डीएपी उर्वरकों की कमी से जूझ रहे : कुमारी सैलजा

● कांग्रेस नेता ने कहा, खाद के लिए लंबी कतारें हैं इसका प्रमाण, किसान कार्यकर्ता दयानंद पुनिया ने कहा, सरकार ने नहीं की कोई व्यवस्था

कांग्रेस नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा। ( फाइल फोटो )

**पीएनएस।** भिवानी/चंडीगढ़

हरियाणा में विपक्षी कांग्रेस के नेताओं और किसान कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि राज्य के कुछ जिलों में डीएपी (डायमोनियम फॉस्फेट) उर्वरक की कमी है, लेकिन प्रदेश सरकार इस समस्या का हल करने के लिए उपयुक्त कदम उठाने में विफल रही है। राज्य में कुछ स्थानों पर उर्वरक के लिए किसानों की लंबी कतारें देखने को मिली और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को भी बुलाना पड़ा।

कांग्रेस महासचिव और सिरसा से सांसद कुमारी शैलजा ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश सरकार समय रहते उपयुक्त कदम उठाने में विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरसों, गेहूं और कुछ अन्य फसलों की खेती के लिए आवश्यक डीएपी उर्वरक की कमी के कारण किसानों को लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है और फिर भी उन्हें अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए पर्याप्त मात्रा में उर्वरक नहीं मिल पा रहा।

शैलजा ने कहा कि कई जगहों पर स्थिति गंभीर हो गई है और किसानों को विरोध प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कृषि कार्य में यूरिया के बाद डीएपी सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला उर्वरक है। डीएपी में नाइट्रोजन और फास्फोरस होता है, जो सरसों, गेहूं व कुछ अन्य फसलों के लिए प्राथमिक पोषक तत्व हैं।

लोहारू के किसान कार्यकर्ता दयानंद पूनिया ने आरोप लगाया, यह सरसों की बुवाई का मौसम है और डीएपी की कमी है। सरकार ने कोई व्यवस्था नहीं की। उन्होंने कहा, कुछ दिन पहले भिवानी जिले के तोशाम थाने के बाहर किसान लंबी कतारों में खड़े थे। पुलिस ने हालात को संभाला और किसानों को पर्चियां बांटी, जिनके जरिए वे डीएपी उर्वरक ले सकते थे। पूनिया ने बुधवार को फोन पर कहा, यह स्थिति केवल तोशाम तक ही सीमित नहीं है। चूंकि सरसों की फसल की बुवाई का मौसम है इसलिए पड़ोसी जिलों में भी कुछ स्थानों, कुछ सहकारी समितियों पर किसानों की लंबी कतारें देखी गईं, जिसके बाद भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को बुलाना पड़ा। उन्होंने डीएपी के पर्याप्त भंडार होने के सरकार के दावों के बारे में पूछे जाने पर कहा, अगर डीएपी को पुलिस थानों के माध्यम से वितरित करना पड़ रहा है तो आप स्थिति की कल्पना कर सकते हैं।

पूनिया ने कहा, डीएपी की एक बोरी की कीमत 1,350 रुपए है, जो सरकारी दर है। उन्होंने कहा कि निजी वितरण केंद्रों पर भी उर्वरक की कमी है। पूनिया ने कहा कि अगले महीने गेहूं की बुवाई शुरू होने के बाद डीएपी की मांग और बढ़ेगी। हालांकि, विपक्षी नेताओं के दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए हरियाणा सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा कि राज्य में यूरिया और डीएपी के पर्याप्त भंडार हैं।

## कला सृष्टि मंच ने कार्यक्रम में नृत्य और गीतों से मचाया धमाल

**कुरुक्षेत्र।** प्रबुद्ध एवं कला प्रेमी लोगों की संस्था कला सृष्टि मंच द्वारा त्यौहारों के मौसम में दीपावली के शुभ अवसर पर रिश्तों को संजोए रखने के लिए सैक्टर 10 स्थित एक होटल में जोत से जोत जलाते चलो कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कला सृष्टि मंच संस्था पिछले कई वर्षों से कव्वाली, गायन, अभिनय, नृत्य व नाटकों के माध्यम से समाज में रंग बिखेर रही है। समाज में रिश्तों के सामंजस्य की विचारधारा को लेकर चल रही है। संस्था के प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय कलाकार बृज शर्मा के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में जोत से जोत जलाते चलो कार्यक्रम में सभी 30 व 80 वर्ष आयु वर्ग के कलाकारों द्वारा गीतों व नृत्य से मनोरंजन किया गया। साथ ही खूब धमाल मचाया गया।

इसमें डा. स्वरित शर्मा ने पुत्री रीत शर्मा संग डयूल गीत, सौरभ चौधरी, डा. सत्य भूषण, नए सदस्य अश्विनी अरोड़ा, सहदेव शर्मा, सरिता दहिया ने गीतों के माध्यम से कार्यक्रम में उत्साह का सृजन किया। राजेश सिंगला ने जानकारी देते हुए बताया कि डा. स्वरित शर्मा, नीरज आश्री, सपना चावला, कुरुक्षेत्र पैनोरमा एवं विज्ञान केन्द्र निदेशक सुरेश की धर्मपत्नी जयश्री, नुपुर राणा, रश्मि सीकरी, ज्योति आहूजा, रिंकू संजीव छाबड़ा, दीपक शर्मा, सुशील ने सबका मन मोह लिया।

# नगर परिषद के कर्मचारी रात में शहर को बनाएगें स्वच्छ और सुन्दर : सुभाष सुधा

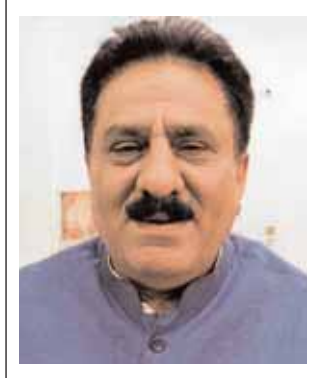
पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

● प्रदेश सरकार ने शहरी क्षेत्र में रात्रि के समय में सफाई व्यवस्था और स्वच्छ बनाने के लिए जारी किया टेंडर, एजेंसी के साथ 2 साल का होगा अनुबंध, सरकार की तरफ से नगर परिषद को जारी किया 8 करोड़ 27 लाख का बजट

पूर्व शहरी स्थानीय निकाय राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि दीपावली के पर्व पर प्रदेश सरकार ने शहर के नागरिकों को स्वच्छता का एक तोहफा दिया हैं। अब थानेसर नगर परिषद के एरिया में रात्रि के समय सफाई व्यवस्था का कार्य किया जाएगा। इसके साथ ही पांच सैक्टरों में भी नियमित रूप से साफ-सफाई का कार्य किया जाएगा। इस नगर परिषद के एरिया में शहर को स्वच्छ और सुन्दर बनाने के लिए एक एजेन्सी के साथ 2 साल का अनुबंध किया हैं। इसके लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के विशेष प्रयासों से 2 साल के लिए 8 करोड़ 27 लाख रुपए का बजट भी जारी किया गया हैं।

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि थानेसर शहर एक विश्व प्रसिद्ध धर्म नगरी हैं। इस धर्म नगरी में रोजाना हजारों की संख्या में पर्यटक व श्रद्धालु पहुंचते हैं। इसके साथ ही 28 नवम्बर से अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का आगाज होने जा रहा हैं। इन तमाम पहलुओं को जहन मंक रखते हुए प्रदेश सरकार ने आचार संहिता हटते ही अब सारा फोकस विकास कार्यो पर रखा हैं और जितने भी लंबित कार्य थे उन्हें अब शुरू कर दिया हैं।

इस शहर के नागरिकों की लम्बे समय से मांग थी कि बड़े शहरों की तर्ज पर थानेसर शहर में भी रात्रि के समय सफाई का कार्य किया जाए। इस विषय को गंभीरता से लेते हुए सरकार ने आचार संहिता से पहले लोगों की आशा के स्वरूप नाइट स्वीपिंग की योजना को पारित कर दिया था। उन्होंने कहा कि अब सरकार बनते ही थानेसर शहर में आगामी 2 सालों के लिए शहर की स्वच्छता हेतू एजेंसी के साथ अनुबंध किया है और टेंडर प्रक्रिया की औपचारिकताओं को पूरा कर लिया हैं।

अब आगामी कार्रवाई के लिए मुख्यालय के पास प्रस्ताव भेजा गया हैं। सरकार ने सेक्टर 2, 3, 5, 7 और 13 में सुबह के समय सड़कों, गलियों, ड्रेन की सफाई व्यवस्था, कचरे के उठान कार्य और बुशअपरूटिंग के लिए टेंडर जारी किए हैं। इसके साथ ही नगर परिषद के एरिया में नाईट स्वीपिंग का कार्य भी किया जाएगा। इस कार्य को पूरा करवाने के लिए नगर परिषद ने एजेन्सी के साथ 2 साल का अनुबंध किया है और इस कार्य के लिए 8 करोड़ 27 लाख रुपए का बजट भी नगर परिषद को जारी किया गया हैं। इस शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए शहर के नागरिकों का सहयोग जरूरी हैं।

# पराली को जलाने नहीं, उसका प्रबंधन कर भूमि को उपजाऊ बनाएं : कृषि मंत्री

**पायनियर समाचार सेवा।** कुरुक्षेत्र

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्रदूषण को रोकने के लिए हमे मिलजुल कर प्रयास करने होंगे। माननीय सुप्रीम कोर्ट भी इस मामले को लेकर बहुत गंभीर है। इसलिए किसान भाई भी इस मामले की गंभीरता को समझें व पराली को खेत में ही मिलाएं। कृषि मंत्री ने पराली का खेतों में कैसे प्रबंधन किया जाए इसके लिए स्वयं सुपर सीडर से एक एकड़ खेत में गेहूं की बिजाई की तथा किसानों से भी इसी प्रकार पराली प्रबंधन का आह्वान किया। कृषि मंत्री बुधवार को कृषि विभाग द्वारा आयोजित गांव बन में पराली प्रबंधन पर प्रदर्शन प्लॉट कार्यक्रम के दौरान किसानों को संबोधित कर रहे थे।

कृषि मंत्री ने कहा कि पराली को खेतों में ही मिलाने से जहां खेत उपजाऊ होगा, वहीं भूमि की शक्ति भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि डाकर वाले खेतों में जितनी पराली को मिलाया जाएगा उतना ही भूमि में पानी को सोखने की क्षमता बढ़ेगी। जितना खेतों में पराली के फाने दबाएं जाएंगे उतना ही खेतों की शक्ति व उपजाऊ शक्ति बढ़ जाएगी। खेतों में उर्वरको की खपत भी घट जाएगी व किसान खुशहाल होगा। कृषि मंत्री ने कहा कि खेतों में खड़े फानों में पानी देने के बाद गेहूं की बिजाई करने पर लगभग 25 दिन के बाद पराली खेतों में बैठ जाती है तथा गेहूं उपर आ जा जाती। इसलिए किसान इस विधि को अपना कर खेतों को उपजाऊ बना सकते हैं। । उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्राइवेट सैलरों के साथ-साथ सरकारी सैलर लगाने बारे भी विचार किया जा रहा है। सरकार प्राइवेट सैलरों को आने वाली कठिनाइयों से भी परिचित है तथा उनके लिए भी कार्य योजना तैयार कर रही है।

## दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में मना जन्मोत्सव

**कुरुक्षेत्र।** श्री दक्षिण मुखी प्राचीन हनुमान मंदिर में संरक्षक प्रेम कुमार शर्मा के सानिध्य में धूमधाम से हनुमान जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर भक्तों की बड़ी संख्या ने भाग लिया और मंदिर परिसर को भक्ति से भर दिया। हनुमान जन्मोत्सव के तहत विशेष आयोजन के रूप में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने एकजुट होकर भगवान हनुमान की स्तुति की।

# कर्मचारी शैक्षणिक संस्थान की मजबूत नींव : कुलपति

**पायनियर समाचार सेवा।** कुरुक्षेत्र

● प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को किया सम्मानित

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि कर्मचारी शैक्षणिक संस्थान की मजबूत नींव का काम करते हैं जोकि संस्थान के उत्थान एवं विकास के लिए अपना उत्कृष्ट योगदान देते हैं। उनके इस अमूल्य योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने यह विचार बुधवार को केयू से सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षक एवं गैर-शिक्षक कर्मचारियों के लिए आयोजित विदाई समारोह में बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए। इस मौके पर कुवि कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा व कुवि कुलसचिव प्रोफेसर संजीव शर्मा ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पुष्पगुच्छ देकर उनका अभिनंदन किया।

कुवि कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों एवं गैर-शिक्षक कर्मचारियों के अनुभव विश्वविद्यालय के काम आएंगे तथा उनके हितों के लिए केयू सदैव सकारात्मक दृष्टिकोण रखेगा। उन्होंने सेवानिवृत्त होने वाले सभी शिक्षकों व कर्मचारियों से संवाद कर उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। कुवि कुलसचिव प्रो. संजीव शर्मा ने भी सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों व कर्मचारियों के उत्कृष्ट कार्य व सेवा भाव से कार्य करने की प्रशंसा की।

इस अवसर पर सेवानिवृत होने वाले शिक्षकों व कर्मचारियों ने अपने सेवा कार्यों के बारे में विचार रखे।

# जयराम विद्यापीठ में होगा गोवर्धन पूजा व अन्नकूट भंडारे का आयोजन

**कुरुक्षेत्र।** दीपावली के बाद गोवर्धन पूजा और अन्नकूट भंडारे का विशेष महत्व होता है। देश के विभिन्न राज्यों में संचालित श्री जयराम संस्थाओं के परमाध्यक्ष ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी की प्रेरणा से ब्रह्मसरोवर के तट पर श्री जयराम विद्यापीठ के अन्नपूर्णा हाल में 2 नवम्बर को आस्था और श्रद्धा के साथ अन्नकूट पर भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

मीडिया प्रभारी राजेश सिंगला ने बताया कि विद्वान ब्राह्मणों एवं ब्रह्मचारियों द्वारा 2 नवम्बर को विधिवत पूजन के उपरांत भंडारा प्रारम्भ किया गया। इस अवसर पर एस.एन. गुप्ता, के. के. कौशिक, खरैती लाल सिंगला, सुरेंद्र गुप्ता, राजेश सिंगला, टेक सिंह लौहार माजरा, सतबीर कौशिक, रोहित कौशिक, यशपाल, राजेश शर्मा, डा. रणबीर भारद्वाज, प्रवीण कुमार, जितेंद्र कुमार, विनोद आदि मौजूद थे।

# दीपावली पर व्यवस्था बनाने के लिए सड़क पर उतरी पुलिस टीम

● शाहदरा डीसीपी अपनी टीम के साथ विभिन्न स्थानों का किया निरीक्षण

**पायनियर समाचार सेवा।** नई दिल्ली

दिवाली के अवसर पर शाहदरा डिस्ट्रिक के डीसीपी प्रशांत गौतम सड़कों पर पुलिस टीम के साथ नजर आए, उन्होंने शाहदरा इलाके के बाजारों, आवासीय परिसरों, रेलवे स्टेशन, मेट्रो स्टेशन और अन्य व्यस्त स्थानों पर पुलिस पुलिस जवानो को मुस्तैदी के साथ तैनात किया और इलाके की सुरक्षा व्यवस्था पर निगरानी बनाए नजर आए।

पुलिस जवानो के साथ इलाके के कई स्थानों का दौरा किया और जगह – जगह तैनात पुलिस जवानो से भी मिले और बाजारों और अन्य व्यस्त स्थानों पर व्यापारी वर्ग व लोगो से बात की और उनको विश्वास दिलाया पुलिस सदैव उनके साथ है !

डीसीपी शाहदरा ने कहा पुलिस का उद्देश्य नागरिकों के लिए शांति, सुरक्षा बनाए रखना है। हम जनता से पुलिस के साथ सहयोग करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत रिपोर्ट करने का आग्रह करते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि नागरिक सुरक्षित रूप से और बिना किसी असुविधा के उत्सव मनाएं। डीसीपी ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था के लिए पैदल गश्त की पहल पूरे त्योहारी सीज़न में जारी रहेगी।

**PUBLIC NOTICE**

This is to inform to the General Public at large that my clients (1) Sh. Vikas Vishwakarma S/o Sh. Sudershan Vishwakarma and (2) Smt. Kamla Devi W/o Sh. Vikas Vishwakarma both R/o H.No. 70, Gali No.26, A-Block, Dass Garden. Baprola, Najafgarh, Delhi-110043, have severed all their relations socially, financially in all respects with their son Sh. Sandeep Vishwakarma because he is not obedient to my clients and misbehaved with my above said clients and is harassing my above said clients for his greed. Therefore, my above said clients have severed all kinds of relationship with their son Sh. Sandeep Vishwakarma and have debarred and disowned him from inheriting any movable and immovable properties owned by my above said clients. Any person dealing with them will do so at his/her/their own risk.

Pardeep Kumar (Advocate).

**PUBLIC NOTICE**

**Reg: Residential Plot No. 34, land area measuring 60 sq. yds. (Sixty sq. yds.) out of total area measuring 260 sq.yds. "said portion", part of Plot No. 34, measuring 260 sq. yds., out of Khasra No. 85, Situated in the Revenue Estate of Village Nawada, Colony known as Vipin Garden Extn., Uttam Nagar, New Delhi-110059;** *(Hereinafter referred to as the "Said Property").*

Be it known to all that our client, Ms Baby & Mr. Ratan Kumar (hereinafter called the "Purchaser") intend to purchase the said portion from Mr. Parmod Kumar Singh (hereinafter called the "Attorney-holder"). In this connection, the Attorney-holder has informed the purchaser he is sole and absolute Attorney-holder in respect of the said portion vide POA documents viz., GPA, ATS and Will dated 25/08/2007 executed by Ms Neena Rani in his favour. Ms. Neena Rani had purchased the said portion, from Mr. Chiman Lal vide POA documents viz., GPA, ATS and Will dated 11/04/2007.. The Attorney holder has further informed the purchaser that the said portion is not mortgaged anywhere and there is no charge or dispute or any litigation pending regarding the said portion.

Any person including Bank/s, Financial Institution/s. relative/s having any claim, right, title or any interest of any nature whatsoever into or upon the said portion is hereby called upon to make the same known, in writing, with documentary evidence, by Registered AD Post, to the undersigned at the address mentioned herein below within 07 days of publication of this notice and in the event of no response having been received to the notice, the title of the attorney-holder in respect of the said portion shall be deemed to be clear of any charge or encumbrance of any nature whatsoever and any subsequent claim shall not bind our clients/Purchaser, in any manner whatsoever.

**Shivkant Arora, Advocate**
**M/s Intellective Law Offices**
**A-74, LGF, Defence Colony,**
**New Delhi -110024**

**PUBLIC NOTICE**

Re: Second Floor and Third Floor with roof rights referred to as "said floor" of Property bearing Municipal No. A-62, measuring 208.33 sq. yds., Block-A, Situated in the layout plan of Gujaranwala Co-Operative House Building Society Ltd., situated at Village Raj Pur/ Malikpur Chhauni, now Known as Gujaranwala Town, Part 1, Delhi-110009; "hereinafter referred to as "said property".

Notice is hereby given to the general public including Banks, Financial Institutions, etc. that, as informed by our clientess, Mrs. Kumud Khanna, she is the sole and absolute owner of the said floor. In this connection, she has informed that the said property was owned by Mr.Dev Raj Khanna, Dharam Pal Khanna, and Mr. Sham Sunder Khanna vide Conveyance Deed executed by POI thru DDA in their favour and the said deed is registered as Document No. 7906 on 03.10.1994. Later on, a Partition Deed was executed amongst them and the said Partition Deed is registered as Document No. 221 Book No.1,Vol No. 07, pages 114-130 on 25.03.1998 (SRO Delhi). According to the said partition deed, the said floor (alongwith 1/3rd undivided share of the said property) fell to the share of Mr. Dharam Pal Khanna. Mr. Dharam Pal Khanna expired leaving behind his following legal heirs viz., Mrs. Kumud Khanna and Mr. Ashish Khanna. However, in terms of the Will registered as Doc No. 386, Book No. III, Vol No. 432, pages 111-115 on 01/02/2016 (SRO-VIA) executed by Mr. Dharam Pal Khanna, the said floor was inherited by Mrs. Kumud Khanna. Thus, she is the sole and absolute owner of the said floor. Now, our clientess intends to mortgage the said floor with IDFC FIRST Bank Limited for availing loan facility.

If any person, society, bank, financial institution or other institutions have any objection against the ownership of our clientess on the said floor and subsequently rightful mortgage of the said floor in favour of IDFC FIRST Bank Limited by our clientess, may raise his/her/their objection/s, in writing, by Registered AD post, to the undersigned, within 07 days, on address mentioned below. Otherwise after expiry of 07 days from the date of publication of this notice, the said floor shall be mortgaged by our clientess in favour of IDFC FIRST Bank Ltd.,and no objection shall be acceptable against such mortgage.

**SHIVKANT ARORA, ADVOCATE**
**FOR M/S INTELLECTIVE LAW OFFICES,**
**A-74, LOWER GROUND FLOOR,**
**DEFENCE COLONY, NEW DELHI-110024**

**सार्वजनिक सूचना**

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री **असीम तकियार** पुत्र स्वर्गीय श्री राम चद्र तकियार और श्रीमती रेणु तकियार पत्नी श्री असीम तकियार दोनों निवासी हाउस नंबर 4061 सेक्टर 23 ए गुरुग्राम, हरियाणा 122017 ने अंसल पालम विहार गुरुग्राम हरियाणा 122017 में 173 वर्ग गज आकार का एक आवासीय मकान नंबर ए – 554 सी खरीदा था। दुर्भाग्य से श्रीमती रेणु तकियार की मृत्यु दिनांक 31.07.2024 को गुडगांव में हो गई और उन्होंने अपने बेटे श्री अरमान तकियार को परिवार में अपने पति श्री असीम तकियार के साथ एकमात्र कानूनी उत्तराधिकारी के रूप में पीछे छोड़ दिया। श्री असीम तकियार ने अपने बेटे श्री अरमान तकियार को पालम विहार गुरुग्राम हरियाणा में हाउस नंबर ए–554 सी के सह–मालिक के रूप में जोड़ने के लिए मेसर्स अंसल प्रॉपर्टीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड से संपर्क किया था।

**सार्वजनिक सूचना**

सभी संबंधितों को यह सूचित किया जाता है कि 01.10.2024 नेक्सजेन फाइनेंशियल सॉल्यूशंस, एक साझेदारी फर्म जिसका मुख्य कार्यालय 709, मधुबन बिल्डिंग, नेहरु प्लेस, नई दिल्ली–110019 में है, का नाम भविष्य के सभी उद्देश्यों के लिए बदलकर नेक्सजेन फाउंडेशन कर दिया गया है।

कृत्ते नेक्सजेन फाइनेंशियल सॉल्यूशंस
हस्ता/–
संजीव गुप्ता
दिनांक : 01.10.2024 साझेदारी

THE PIONEER CLASSIFIEDS

**CHANGE OF NAME**

**I, Pankaj Kumar, S/o. Sunil** Kumar, House Number - B-2/541 J.J.Colony, Raghubir Nagar Tagore Garden Delhi - 110027. I, have changed my name from Pankaj Kumar Gihara to. Pankaj Kumar, all purposes.

PD(889)C

**PUBLIC NOTICE**

"It is to inform to the public at large that Mr. Ansar Ahmed had acquired Property bearing No. B-14/91, area 65 sq. yrds., Khasra No. 535, situated at Village Ghonda Gujran Khadar in the abadi of B-Block, Gali No. 11, Subhash Vihar Bhajanpura, Illaqa Shahdara, Delhi vide GPA Dt. 15.04.2004 along with ATS & Will executed by Mr. Mohd Kamil, Now Mr. Ansar Ahmed is the undisputed owner of the said property.

**OR**

Any person / firm / institution / company having any claim or right in respect of the said Property by way of inheritance, share, sale, agreement, lease, license, gift, possession, legal heirs, partners or encumbrance howsoever or otherwise is hereby required to intimate in writing to the undersigned within 07 days from the date of publication of this notice of his/her/their share or claim, if any, with all supporting documents at below mentioned address. After expiration of notice period, the claims, if any, of such person shall be treated null and void and also treated as waived and not binding on our client.

**Ajay Kumar Giri (Advocate) H. No. 26/161, Basement, Vikram Vihar, Lajpat Nagar 4, New Delhi-110024.**

## जैश इंडस्ट्रीज लिमिटेड

पंजी कार्यालयः 502, एनडीएम–II, एनएसपी, पीतमपुरा, दिल्ली–110034
सीआईएनः एल24302डीएल1985पीएलसी383771 वेबसाइटः www.jaschindustries.com ई–मेलः accounts@jasch.biz

30 सितम्बर, 2024 को समाप्त तिमाही और अर्द्ध वर्ष समाप्त के लिए समीक्षित इंड–एएस वित्तीय परिणामों का उद्धरण।
(सूचीकरण विनियमों के विनियम 47(1)(बी) के तहत पृथक्कृत वित्तीय परिणाम) [रु. लाख में]

| क्र. स. | विवरण | पृथक्कृत | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | तिमाही समाप्त | | | अर्द्धवर्ष समाप्त | | |
| | | 30.09.24 | 30.06.24 | 30.09.23 | 30.09.24 | 30.09.23 | 31.03.24 |
| | | अलेखापरीक्षित | अलेखापरीक्षित | अलेखापरीक्षित पुनःस्थापित | अलेखापरीक्षित | अलेखापरीक्षित पुनःस्थापित | लेखापरीक्षित पुनःस्थापित |
| 1 | प्रचालनों से कुल आय | 4308.44 | 4185.67 | 4629.43 | 8494.11 | 8544.79 | 17231.31 |
| 2 | ब्याज, मूल्यहास एवं करों से पूर्व लाभ (ईबीआईटीडीए) | 299.46 | 358.07 | 471.45 | 657.51 | 831.84 | 1582.52 |
| 3 | अवधि हेतु शुद्ध लाभ कर तथा (अपवाद मदों से पहले) | 178.24 | 253.25 | 376.72 | 431.49 | 648.37 | 1202.77 |
| 4 | अवधि हेतु शुद्ध लाभ कर से पहले (अपवाद मदों से बाद) | 178.24 | 253.25 | 376.72 | 431.49 | 648.37 | 1201.81 |
| 5 | अवधि हेतु शुद्ध लाभ कर पश्चात (अपवाद मदों से बाद) | 133.38 | 189.51 | 273.20 | 322.89 | 476.45 | 900.09 |
| 6 | अवधि हेतु कुल समावेशी आय जिसमें अवधि हेतु लाभ (कर पश्चात) तथा अन्य समावेशी आय (कर पश्चात) सम्मिलित है | 133.38 | 189.51 | 273.20 | 322.89 | 476.45 | 900.09 |
| 7 | इक्विटी शेयर पूंजी | 679.80 | 679.80 | 679.80 | 679.80 | 679.80 | 679.80 |
| 8 | संचेय | 5291.07 | 5157.69 | 4549.61 | 5291.07 | 4549.61 | 4968.19 |
| 9 | प्रति शेयर अर्जन (रु.10/– प्रत्येक का) मूल एवं तनुकृत | 1.96 | 2.79 | 4.02 | 4.75 | 7.01 | 13.24 |

नोटः
1. उपरोक्त सेबी (सूचीबद्ध दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंज के साथ दायर तिमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक उद्धरण है। तिमाही वित्तीय परिणामों का पूरा प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज के वेबसाइट www.bseindia.com और कंपनी की वेबसाइट www.jaschindustries.com पर उपलब्ध है।
2. कंपनी के वित्तीय परिणाम भारतीय लेखामानकों (इंडएएस) के अनुसार तैयार किए गए हैं।
3. पिछली अवधि के आंकड़ों को वर्तमान अवधि के वर्गीकरण के अनुरूप बनाने के लिए, जहां आवश्यक हो, पुनः समूहित किया गया है।

जैश इंडस्ट्रीज लिमिटेड के लिए
हस्ता/– (जय किशन गर्ग) अध्यक्ष
सोनीपत, 29.10.2024

## जैश गेजिंग टेक्नोलॅजीज लिमिटेड

पंजी कार्यालयः 502, एनडीएम–II, एनएसपी, पीतमपुरा, दिल्ली–110034
सीआईएनः एल33111डीएल2021पीएलसी381513

30 सितम्बर, 2024 को समाप्त तिमाही और अर्द्ध वर्ष समाप्त के लिए समीक्षित इंड–एएस वित्तीय परिणामों का उद्धरण।
(सूचीकरण विनियमों के विनियम 47(1)(बी) के तहत पृथक्कृत वित्तीय परिणाम) [रु. लाख में]

| क्र. स. | विवरण | पृथक्कृत | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | तिमाही समाप्त | | | अर्द्धवर्ष समाप्त | | वर्ष समाप्त |
| | | 30.09.24 | 30.06.24 | 30.09.23 | 30.09.24 | 30.09.23 | 31.03.24 |
| | | अलेखापरीक्षित | अलेखापरीक्षित | अलेखापरीक्षित (पुनःस्थापित) | अलेखापरीक्षित | अलेखापरीक्षित (पुनःस्थापित) | लेखापरीक्षित (पुनःस्थापित) |
| 1 | प्रचालनों से कुल आय | 1460.95 | 1361.06 | 1423.56 | 2822.02 | 3161.75 | 6314.88 |
| 2 | ब्याज, मूल्यहास एवं करों से पूर्व लाभ (ईबीआईटीडीए) | 515.02 | 469.10 | 330.62 | 984.13 | 1014.28 | 2249.70 |
| 3 | अवधि हेतु शुद्ध लाभ कर तथा (अपवाद मदों से पहले) | 490.72 | 444.99 | 308.26 | 935.72 | 967.37 | 2151.90 |
| 4 | अवधि हेतु शुद्ध लाभ कर से पहले (अपवाद मदों से बाद) | 490.72 | 444.99 | 308.26 | 935.72 | 967.37 | 2151.90 |
| 5 | अवधि हेतु शुद्ध लाभ कर पश्चात (अपवाद मदों से बाद) | 367.25 | 332.99 | 234.51 | 700.25 | 724.06 | 1604.44 |
| 6 | अवधि हेतु कुल समावेशी आय जिसमें अवधि हेतु लाभ (कर पश्चात) तथा अन्य समावेशी आय (कर पश्चात) सम्मिलित है | 367.25 | 332.99 | 234.51 | 700.25 | 724.06 | 1604.44 |
| 7 | इक्विटी शेयर पूंजी | 453.20 | 453.20 | 453.20 | 453.20 | 453.20 | 453.20 |
| 8 | संचेय | 7987.41 | 7613.55 | 6514.55 | 7987.41 | 6514.55 | 7287.15 |
| 9 | प्रति शेयर अर्जन (रु.10/– प्रत्येक का) मूल एवं तनुकृत | 8.10 | 7.35 | 5.17 | 15.45 | 15.98 | 35.40 |

नोटः
1. उपरोक्त सेबी (सूचीबद्ध दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंज के साथ दायर तिमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक उद्धरण है। तिमाही वित्तीय परिणामों का पूरा प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज के वेबसाइट www.bseindia.com और कंपनी की वेबसाइट www.jasch.net.in पर उपलब्ध है।
2. कंपनी के वित्तीय परिणाम भारतीय लेखामानकों (इंडएएस) के अनुसार तैयार किए गए हैं।
3. पिछली अवधि के आंकड़ों को वर्तमान अवधि के वर्गीकरण के अनुरूप बनाने के लिए, जहां आवश्यक हो, पुनः समूहित किया गया है।

जय किशन गर्ग
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक
सोनीपत, 29.10.2024

## दिल्ली में जल संकट

### आरोप-प्रत्यारोप

**दिल्ली में जल संकट** का कारण यमुना में अमोनिया विषाक्तता बढ़ना है जिस पर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप जारी हैं। झाग से भरी यमुना की तस्वीरें मीडिया की सुर्खियों में हैं जिनको देख कर दिल्लीवासी आश्चर्यचकित और चिन्तित हैं। नदी में प्रदूषण का स्तर किसी की भी कल्पना से आगे जा चुका है। इसके कारण दिल्ली की जल सप्लाई बाधित हुई है और दिल्लीवासियों को प्रदूषित जल प्रयोग करना पड़ रहा है। यमुना नदी में अमोनिया का स्तर बढ़ने के कारण पूरी राजधानी में नदी से जल सप्लाई बाधित हुई है जिससे दिल्ली में गंभीर जल संकट पैदा हो गया है। सोनिया विहार और भागीरथी के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट प्रदूषण से निपटने का प्रयास कर रहे हैं जिसके कारण नागरिकों को भारी कमी का शिकार होना पड़ रहा है। आम आदमी पार्टी-'आप' और भाजपा इस मामले में एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। आप ने भाजपा-नीत हरियाणा सरकार पर आरोप लगाया है कि वह नदी में प्रदूषण नियंत्रण पर ढिलाई बरत रही है, जबकि भाजपा ने ट्रीटमेंट सुविधायें न बढ़ाने के कारण दिल्ली प्रशासन की आलोचना की है। राजनीतिक तनाव बढ़ने के साथ ही दिल्लीवासियों को आशा है कि तेज व कारगर समाधान निकाल कर उनकी जल सप्लाई बहाल की जाएगी। यमुना में अमोनिया का स्तर लगभग 0.9 'पार्ट पर मिलियन'-पीपीएम हो गया है, जबकि प्रभावी शोधन के लिए इसकी सुरक्षित सीमा 0.5 पीपीएम है। इस बढ़ोत्तरी से सोनिया विहार और भागीरथी जल ट्रीटमेंट प्लांटों-डब्लूटीपी की कार्यक्षमता प्रभावित हो रही है जो शहर को स्वच्छ जल प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हर साल जब 12 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक दिल्ली में स्वच्छ जल के प्रमुख स्रोत-अपर गंगा कैनाल को वार्षिक रखरखाव के लिए बंद किया जाता है तब शहर यमुना पर जल सप्लाई के लिए ज्यादा निर्भर हो जाता है। इससे जल संकट और गंभीर हो जाता है। जनता के बढ़ते दबाव के कारण राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला भी तेज हुआ है।

आप ने भाजपा नीत हरियाणा सरकार पर आरोप लगाते हुए उसे दोषी ठहराया है। उसका कहना है कि उसने यमुना नदी में औद्योगिक कचरा जाने से न रोक कर दिल्ली के हितों के प्रति 'शत्रुतापूर्ण' दृष्टिकोण अपनाया है। आप अधिकारियों का दावा है कि हरियाणा के लापरवाही भरे दृष्टिकोण के कारण दिल्लीवासी विश्वसनीय जल सप्लाई स्रोत से वंचित हुए हैं क्योंकि नदी में प्रदूषकों के जाने पर कोई लगाम नहीं लगाई गई है। दूसरी ओर भाजपा की दिल्ली इकाई ने आप को जल संकट के लिए जवाबदेह ठहराया है। उसने कथित 'कुप्रबंधन' के लिए केजरीवाल प्रशासन की आलोचना की है। भाजपा का कहना है कि आप सरकार दो प्रमुख क्षेत्रों में विफल रही है। वह कार्यरत सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों के रखरखाव में विफल रही है तथा उसने सोनिया विहार व द्वारका जैसे डब्लूटीपी को अमोनिया प्रदूषण से निपटने के लिए समुचित ढंग से सक्षम नहीं बनाया है। वास्तव में, यह एक दूसरे पर जिम्मेदारी टालने का उदाहरण है और दिल्ली ने इसे काफी देखा है। ऐसे में एक दूसरे पर आरोप लगाने के बजाय दिल्ली तथा हरियाणा सरकार को इस विभीषिका से निपटने के प्रयास करने चाहिए। यमुना का पानी हरियाणा से आता है, इसलिए प्रदूषण के स्रोत के बारे में कोई संदेह नहीं है, पर आप को भी 31 अक्टूबर तक रखरखाव के लिए अपर गंगा कैनाल बंद होने के पहले उचित व्यवस्था करनी चाहिए। पानी दिल्ली की फिलहाल सबसे बड़ी चिन्ता है। देखने में खतरनाक लगने के साथ ही यमुना से सप्लाई होने वाला पानी स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर सकता है।

# अमेरिकी चुनाव और षडयंत्र सिद्धांत

**षडयंत्रों के आरोप समाज में सैकड़ों सालों से लगते रहे हैं जिनसे हमारी सच्चाई की भावनायें आहत होती हैं। अमेरिका के हालिया राष्ट्रपति चुनाव इसका अपवाद नहीं हैं।**

**संतोष मैथ्यू**
(लेखक, असोसियेट प्रोफेसर हैं)

हर युग में षडयंत्रों के आरोप जनता की कल्पनाओं में आकर्षण के केन्द्र बनते हैं। इनसे संदेह, आरोपों और बदले की भावना का दुष्चक्र तैयार होता है। आज अमेरिका में हो रहे राष्ट्रपति चुनाव भी इसका उदाहरण हैं जहां अनेक 'षडयंत्र सिद्धान्त' हवा में तैर रहे हैं। इनमें से कुछ की जड़ें इतिहास में हैं, जबकि दूसरों को हालिया वैश्विक घटनाओं से बल मिल रहा है। प्राचीन भविष्यवाणियों से लेकर आधुनिक अनुमानों तक जारी विमर्श बताते हैं कि षडयंत्र के सिद्धान्त कितनी गहराई तक समाज का हिस्सा बने रहते हैं जिनसे दुनिया की सर्वाधिक शक्तिशाली लोकतांत्रिक व्यवस्थायें तक अछूती नहीं रहती हैं। कोविड-19 वैश्विक महामारी के समय अनेक 'सिद्धान्त' मीडिया की सुर्खियों में छाए रहे जिनमें से प्रत्येक इस घातक वाइरस के मूल और विस्तार की अलग-अलग व्याख्या करता था।

उदाहरण के लिए, जब पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कोविड-19 को 'वूहान वाइरस' कहा था तब उन्होंने इन अनुमानों को हवा दी थी कि यह वाइरस चीनी जैव-इंजीनियरिंग का परिणाम था। हालांकि, इसके साथ ही एक जवाबी-विमर्श भी चल रहा था जिसके अनुसार यह वाइरस अमेरिका द्वारा पैदा किया गया था और इसका उद्देश्य एक कथित जैविक युद्ध कार्यक्रम शुरू करना था। अमेरिका पर इस वाइरस की डिजाइन करने और इसके प्रसार का आरोप लगाने वालों का कहना था कि यह अमेरिका द्वारा विश्व स्तर पर जैविक युद्ध की तैयारी करने के उद्देश्य से तैयार किया गया था और यह इस प्रकार के अनेक जैविक हथियारों में शामिल था।

हालांकि, षडयंत्र का अनुमान लगाने वालों में से भी अनेक लोगों के दृष्टिकोण में विविधता थी। कुछ लोग कोविड-19 को प्रयोगशाला में जन्मा एक पैथोजेन बताते थे, जबकि अन्य इसे पर्यावरण से छेड़छाड़ का नतीजा कहते थे। एक खास सिद्धान्त के अनुसार लोगों ने दावा किया था कि वाइरस का प्रसार 5जी टावरों की विद्युतचुंबकीय संकेत तरंगों से हुआ था जिसके परिणामस्वरूप ब्रिटेन में कुछ लोगों ने मोबाइल टावरों में आग लगा दी थी। हालांकि, कोविड-19 फैलने वाली अफवाहों में से अकेला नहीं था। षडयंत्र के सिद्धान्त वर्तमान भय को अतीत की घटनाओं से जोड़ते हैं, जैसे एचआईवी-एड्स को प्राकृतिक विभीषिकाओं से जोड़ा गया था।

कुछ लोगों का कहना था कि एचआईवी अमेरिकन सेना के जैविक हथियार डिवीजन का उत्पाद था जिसका पहला परीक्षण 1970 के दशक में कैदियों पर किया गया था, लेकिन बाद में इसका प्रसार सरकारी नियंत्रण से बाहर चला गया। दूसरे लोगों ने इतिहास में और पीछे जा कर अनुमान लगाया कि एचआईवी वैज्ञानिक उत्परिवर्तनों से निकला था। कथित रूप से इस सिद्धान्त का समर्थन रूसी वाइरसविज्ञानी करते थे। उनका आरोप था कि एचआईवी 'विस्ना' वाइरस का परिवर्तित रूप से जिसे एक प्रयोगशाला में तैयार किया गया था। नोबेल पुरस्कार विजेता वंगारी मथाई ने 2004 में दावा किया था कि एड्स कोई संयोग न होकर इसका जन्म अमेरिकी प्रयोगशालाओं में हुआ था। प्राकृतिक विभीषिकायें भी षडयंत्रकारी कल्पनाओं में शामिल हुई थीं। हिंद महासागर में 2004 की विनाशकारी समुद्री सुनामी के बारे में अफवाहें फैली थीं कि यह अमेरिकी सैनिक परीक्षणों का नतीजा थी। दावा था कि ऐसे संवेदनशील नाभिकीय आयुधों का परीक्षण इंडोनेशिया के तट के पास किया गया था जिससे मौसम में परिवर्तन कर भूंकपीय गतिविधि को प्रभावित किया जा सकता था। इन सिद्धान्तों के साथ ही विमर्श भी स्वरूप लेते हैं जिनको 'थ्यूसीडाइडिस ट्रैप' कहा जा सकता है। इस अवधारणा के अनुसार चीन जैसी उभरती शक्तियां प्रभुत्वशाली शक्तियों को अस्थिर करने का प्रयास करती हैं।

अमेरिका के खिलाफ कथित जैव-हथियार कोविड-19 को जारी करना इसका उदाहरण बताया जाता है। इसके उलट कुछ लोग जोर देकर कहते हैं कि कोविड-19 अमेरिका द्वारा चीन को नीचा दिखाने के लिए तैयार किया गया था। इससे परस्पर संदेह बहुत गहरा हुआ था। 9-11 हमले को भी षडयंत्र सिद्धान्तों में हिस्सा मिला था। आनलाइन ऐसे चार मिलियन से अधिक लेख हैं जिनमें इस हमले के हर आयाम का विश्लेषण कर अनुमान लगाए गए हैं। इनमें हमले की अमेरिका को पहले से जानकारी तथा जानबूझ कर निष्क्रिय रहने के आरोप भी शामिल हैं। इन सिद्धान्तों के अनुसार यह त्रासदी मध्यपूर्व में अमेरिकी सैनिक उपस्थिति बढ़ाने का बहाना बन गई जिससे रक्षा उद्योगों के आर्थिक हितों को बढ़ावा मिला।

इस परिवेश में कोई संदेह नहीं कि हालिया अमेरिकन राष्ट्रपति चुनाव के बारे में संदेह उभर कर सामने आए हैं। अमेरिका में चुनाव का मौसम हमेशा षडयंत्र सिद्धान्तों के लिए बहुत अच्छा रहा है और नवीनतम चुनाव भी इसका कोई अपवाद नहीं है। इस संबंध में फ्रांसीसी ज्योतिषी तथा 16वीं शताब्दी के संत नास्टरडैमस की कल्पना सामने आई है। अक्सर माना जाता है कि नास्टरडैमस ने विश्व घटनाओं की 'भविष्यवाणी' की थी जिसमें हिटलर के उभार से लेकर 9-11 की आतंकी घटना तक शामिल हैं। अमेरिका में राजनीतिक परिवर्तन के साथ लोग नास्टरडैमस की व्यंग्यात्मक भविष्यवाणियों को समकालीन मुद्दों के अनुसार ढाल लेते हैं। इनमें ट्रंप के उभार तथा उनके दूसरे कार्यकाल की भविष्यवाणी भी शामिल है। ऐसे सिद्धान्त इसलिए फलते-फूलते हैं क्योंकि वे पूर्व विश्वासों का लाभ उठाते हुए उनमें रहस्य की पर्तें जोड़ते हैं जिनसे राजनीतिक परिदृश्य और जटिल होता है। अमेरिकन चुनाव-पूर्वानुमानों में एक खास सम्मानित नाम इतिहासकार एलेन लिचमैन का है। 'चुनाव नास्टरडैमस' कहे जाने वाले लिचमैन ने पिछले कुछ दशक में अनेक राष्ट्रपति चुनावों का सही पूर्वानुमान लगाया था। हालांकि, लिचमैन के पूर्वानुमान सुस्थापित व्यवस्था पर आधारित हैं, पर उनका ट्रैक रिकार्ड तथा नामकरण इस विश्वास को मजबूत करता है कि सर्वाधिक तार्किक क्षेत्रों में भी भविष्यवाणी तथा दूरगामी पूर्वानुमान का स्थान बना रहता है। लिचमैन के डेमोक्रेटिक पार्टी की विजय के पूर्वानुमान ने बाइडेन व हैरिस समर्थकों में जोश भर दिया है, जबकि कुछ षडयंत्र सिद्धान्तों के अनुसार, 'शक्तिशाली लोग' गोपनीय रूप से चुनाव नतीजों को लिचमैन के ट्रैक रिकार्ड के अनुसार ढालने का प्रयास कर रहे हैं।

सोशल मीडिया और तत्काल संप्रेषण के युग में षडयंत्र सिद्धान्त तेजी से फैलते हैं। कहावत है कि 'जब झूठ आधी दुनिया के चक्कर लगा चुका होता है तब सच अपने जूते पहन रहा होता है।' इससे पता चलता है कि दुष्प्रचार कितनी तेजी से फैलता है। इंटरनेट के विकास ने इसे और तेज गति दी है जिससे षडयंत्र सिद्धान्तों को वैश्विक मंच मिल गया है। उल्लेखनीय है कि 'फ्लैट अर्थ सोसाइटी' को आनलाइन नया जीवन मिल गया है और वह लगातार इस स्थापित वैज्ञानिक तत्य को चुनौती दे रही है कि धरती गोल है। 'सोसाइटी' के समर्थक अपने विश्वास पर डटे हुए हैं और वे उपग्रह से मिलने वाली छवियों तथा नासा के नतीजों को सरकारी-प्रचार बताते हैं।

इसी प्रकार 1969 में चंद्रमा पर ऐतिहासिक रूप से मनुष्य के पहुंचने के बारे में अफवाहें प्रचलित हैं। नासा के दस्तावेजों और प्रमाणों के बावजूद संदेहवादियों का तर्क है कि चंद्रमा पर पहुंचना एक अफवाह थी जिसका उद्देश्य सोवियत संघ को शीतयुद्ध की अंतरिक्ष दौड़ में पीछे दिखाना था। लोगों का मानना है कि चंद्रमा पर उतरने के दृश्य जमीन पर फिल्माए गए थे और नील आर्मस्ट्रांग की ऐतिहासिक तस्वीर अमेरिकी प्रचार का अंग थी।

अमेरिकन लोकतंत्र आज भी लगातार ऐसे फर्जी दावों, अफवाहों व षडयंत्र सिद्धान्तों का सामना कर रहा है। ऐसा लगता है कि विभिन्न मुद्दों के बारे में षडयंत्र सिद्धान्त जल्दी समाप्त होने वाले नहीं हैं। इसके साथ ही वे हर नई घटना के साथ विकसित होते रहते हैं तथा उसी गंभीरता व तेजी के साथ प्रसारित होते हैं, जैसा कि शताब्दियों पहले होता था।

# टिकाऊ विकास का लचीला रास्ता

**छोटे स्तर से शुरुआत करके और मुनाफे को पुनर्निवेशित करके, बूटस्ट्रैप्ड स्टार्टअप तेजी से विस्तार करने की तुलना में टिकाऊ विकास और परिचालन चपलता को प्राथमिकता देते हैं।**

**हिमा बिंदू कोटा**
(लेखक, वित्त विश्लेषक हैं)

उद्यमिता कई युवा दिमागों के लिए एक स्वप्निल यात्रा है जो नवीन विचारों और अग्रणी विचारों से भरी हुई है। और कई बार, उन्हें खुद के लिए संघर्ष करना पड़ता है। इससे पहले कि दुनिया उनके विचारों पर विश्वास करे, उद्यमियों को पहले खुद पर और अपने विचारों पर विश्वास करना होगा। इसलिए, अपने उद्यमशील उपक्रमों को दिन के उजाले में देखने के लिए, उद्यमी पहले खुद की ओर मुड़ते हैं और अपने निवेशक बन जाते हैं। इस विचार को बूटस्ट्रैपिंग के रूप में जाना जाता है, जो किसी निवेशक, विशेष रूप से एक एंजेल निवेशक के वित्तीय और प्रबंधकीय समर्थन के बिना, सीमित संसाधनों के साथ एक व्यवसाय विकसित करने की प्रक्रिया है। इसलिए, इस मामले में, उद्यमी बहुत कम या बिना पैसे के अपना व्यवसाय शुरू करता है, जबकि ग्राहक-संचालित व्यवसाय द्वारा उत्पन्न धन को विकास प्राप्त करने के लिए संचालन में वापस लगाता है। बूटस्ट्रैप्ड स्टार्टअप की विशेषता यह है कि बाहरी निवेशकों के दबाव के बिना संस्थापक का व्यवसाय पर पूर्ण नियंत्रण होता है।

यह संस्थापक को निर्णय लेने में लचीला और चुस्त होने के लिए कोहनी की जगह प्रदान करता है। स्टार्टअप को बनाए रखने की चुनौती समस्या-समाधान में रचनात्मकता और संसाधनशीलता लाती है। कम संचालन और राजस्व सृजन पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, संस्थापक जीवित रहने और फलने-फूलने में कामयाब होता है, जिससे संस्थापक को उच्च संतुष्टि, आत्मनिर्भरता और दीर्घकालिक स्थायी विकास मिलता है।

हालांकि उद्यमशीलता की भावना को कम करना मुश्किल है, लेकिन आंकड़े हमें निराश जरूर करते हैं। प्रो. टॉम ईसेनमैन द्वारा हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू में लिखे गए एक लेख के अनुसार, लगभग 63 प्रतिशत स्टार्टअप कभी भी सकारात्मक रिटर्न के साथ समाप्त नहीं होते हैं। दूसरे मीट्रिक के अनुसार, केवल 15 प्रतिशत स्टार्टअप ही अपने पहले दौर के फंडिंग को पूरा कर पाते हैं। इसलिए, ऐसी परिस्थितियों में जहां स्टार्टअप का अस्तित्व मुश्किल है, बूटस्ट्रैप होने से यह और भी मुश्किल हो सकता है। बूटस्ट्रैपिंग उद्यमियों को बढ़ी हुई वित्तीय स्वतंत्रता और नियंत्रण प्रदान करता है, लेकिन इसके कई नुकसान भी हो सकते हैं। बूटस्ट्रैप्ड उद्यम के प्रमुख नुकसानों में से एक लिक्विडिटी की कमी है।

किसी भी ऑपरेशन के लिए फंड का एक स्थिर प्रवाह आवश्यक है और स्टार्टअप के लिए यह और भी महत्वपूर्ण है। बूटस्ट्रैप्ड कंपनी को दैनिक परिचालन व्यय को कवर करने के लिए पर्याप्त लाभ अर्जित करना होता है और अक्सर वित्तीय सुरक्षा की कमी के कारण, अचानक आर्थिक संकट, व्यवधान और बाजार में गिरावट का सामना करना मुश्किल होता है। दूसरे, बूटस्ट्रैप्ड कंपनियों के लिए सीमित बजट वाले प्रतिभाशाली कर्मचारियों को आकर्षित करना और उन्हें काम पर रखना मुश्किल होता है। इसके अतिरिक्त, ऐसी स्थितियों में, संस्थापक कई काम करते हैं, भले ही उनके पास व्यवसाय के कुछ प्रमुख कार्य क्षेत्रों जैसे उत्पादन, बिक्री और विपणन, नए व्यवसाय विकास और दैनिक संचालन में विशेष कौशल की कमी हो, जो दीर्घकालिक विकास संभावनाओं को प्रभावित कर सकता है। तो, क्या बूटस्ट्रैप्ड कंपनियां वित्तपोषित कंपनियों की तुलना में कम मूल्यवान हैं? यह एक सर्वोत्कृष्ट प्रश्न है। खैर, इसका उत्तर देने के लिए, आइए यह देखने का प्रयास करें कि मूल्य क्या है। शुरुआत के लिए, एक कंपनी मूल्यवान है यदि, उसके आकार के बावजूद, वह उत्पाद या सेवा विकसित कर सकती है और राजस्व उत्पन्न कर सकती है। ऐसा करने से, कुछ समय में, राजस्व आधार कंपनी को स्वाभाविक रूप से बढ़ने में मदद करना शुरू कर देता है और देखो, यह 'मृत्यु की घाटी' को पार करने में सफल हो जाती है। इसलिए, एक कंपनी जो अपने राजस्व के साथ बढ़ सकती है और लंबे समय तक जीवित रह सकती है और टिक सकती है, वह एक वित्त पोषित कंपनी की तुलना में कहीं अधिक मूल्यवान है जो केवल प्राप्त धन के समर्थन पर विकास मीट्रिक दिखा सकती है, जो अल्पकालिक हो सकता है, अगर यह राजस्व-समर्थित विकास को जल्दी से उत्पन्न करने में असमर्थ है। इसलिए, एक स्टार्ट-अप दुनिया में जहां 10 में से 9 स्टार्टअप विफल हो जाते हैं, बूटस्ट्रैप्ड स्टार्टअप के बचने की संभावना अधिक होती है क्योंकि वे संचालन के पहले तीन वर्षों के भीतर सकारात्मक नकदी प्रवाह स्थापित करने और एक स्थायी राजस्व धारा उत्पन्न करने की 55 प्रतिशत अधिक संभावना रखते हैं।

इससे उनकी विफलता दर वित्त पोषित स्टार्टअप की तुलना में 47 प्रतिशत कम हो जाती है। जिस तथ्य को कोई नज़रअंदाज़ नहीं कर सकता वह यह है कि बूटस्ट्रैप्ड स्टार्टअप का मूल्य संस्थापक के अमूर्त गुणों जैसे दृढ़ संकल्प, जुनून, धैर्य, संसाधनशीलता और चपलता से भी आता है। ये गुण किसी भी बूटस्ट्रैप्ड स्टार्टअप का मुख्य आधार हैं जो इसे उद्यमिता की अनिश्चित दुनिया से गुज़ारता है। वे बूटस्ट्रैप्ड स्टार्टअप की सफलता के लिए गुप्त तत्वों की तरह हैं - एक संस्थापक की बुद्धि और रचनात्मकता बनाम एक वीसी की गहरी जेब के बीच की लड़ाई। ग्राहक अधिग्रहण और राजस्व सृजन पर ध्यान केंद्रित करके, बूटस्ट्रैप्ड स्टार्टअप उद्यमिता की अनिश्चित दुनिया को नेविगेट करने में नवाचार, संसाधनशीलता, लचीलापन और चपलता के अपने गुणों का प्रदर्शन करते हैं। खुद को दुबला रखकर और लागत प्रभावी रणनीतियों का उपयोग करके, बूटस्ट्रैप्ड स्टार्टअप उच्च लाभ मार्जिन की सुविधा प्रदान करते हैं जो बदले में दीर्घकालिक स्थायी विकास की ओर ले जाते हैं।

स्टार्टअप की दुनिया में, जो उच्च विकास के आकर्षक विचारों और तेजतर्रार उद्यमियों से भरी हुई है, बूटस्ट्रैप्ड स्टार्टअप कार्यकुशलता के प्रतीक के रूप में सामने आते हैं, तथा यह साबित करते हैं कि कभी-कभी धीमी और स्थिर गति से ही दौड़ में जीत हासिल होती है।

## आप की बात

### प्रदूषण की मार

**हाल** ही में जारी वायु गुणवत्ता सूचकांक आंकड़ों के अनुसार राजधानी दिल्ली की हवा को सबसे ज्यादा खराब पाया गया। गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम व फरीदाबाद में भी कमोबेश यही स्थिति है। वातावरण में इतना ज्यादा प्रदूषण घुला हुआ है कि आमजन को सांस लेने में आ रही परेशानियों से श्वसन तंत्र दुष्प्रभावित हो रहा है। हवा में मौजूद प्रदूषण के मुख्य कारकों में वाहनों से उत्सर्जित धुंआ, टूटी फूटी सड़कों पर उड़ती धूल, खुले में जलते चूल्हे, औद्योगिक इकाइयों से निकलती जहरीली गैसें, पंजाब व हरियाणा के खेतों में कुछ गैर-जिम्मेदार किसानों द्वारा पराली जलाना, त्योहार मनाने की आड़ में आतिशबाजी एवं पटाखों का चल, आदि शामिल हैं। दीपोत्सव पर्व में पटाखों के प्रयोग को हतोत्साहित करना पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से समय की मांग है। हालांकि, सरकार प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए प्रयास करती है, पर आम जनता को भी इसमें अपना योगदान देना चाहिए। इसके साथ ही प्रदूषण नियंत्रण पर राज्यों व केन्द्र सरकार के बीच राजनीतिक मतभेदों को किनारे रख कर सहमति बननी चाहिए तथा इसका जमीनी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। प्रदूषण की मार से त्रस्त जनता को राहत दिलाना सभी राजनेताओं का कर्तव्य है।

**युगल किशोर शर्मा,** फरीदाबाद

### ग्लोबल वार्मिंग का खतरा

**राष्ट्रसंघ महासचिव** अंटोनिओ गुटरेस ने एक बार फिर से चेतावनी दी है कि पृथ्वी गर्म और अधिक खतरनाक होती जा रही है जहाँ गर्मी की लहरें 50 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान तक पहुँच रही हैं। उन्होंने कहा कि अत्यधिक गर्मी लोगों की जान ले रही है, अर्थव्यवस्थाओं को कमजोर कर रही है और असमानताओं को बढ़ा रही है। इस पद को संभालने के बाद से ही वे जलवायु परिवर्तन और कार्बन उत्सर्जन के बढ़ते खतरे के बारे में दुनिया को सचेत करते आ रहे हैं। मगर दुनिया के कर्ताधर्ता सिर्फ हर साल संयुक्त राष्ट्र के वार्षिक जलवायु परिवर्तन सम्मेलन- कॉन्फ्रेंस ऑफ द पार्टीज़ में भाग ले कर संतुष्ट हो जाते हैं। इस साल इसका 29वां सम्मेलन अज़रबैजान में आयोजित किया जा रहा है। लेकिन इसमें अच्छे-अच्छे भाषणों के सिवा कोई और उम्मीद नहीं है। बिगड़ते मौसम की मार आम आदमी झेलता आ रहा है और आगे भी झेलता रहेगा। बाढ़, सूखा, जंगलों में आग, तूफ़ान, समुद्री तूफान तथा समुद्र के स्तर में वृद्धि का खामियाजा आम लोगों और समाज के सबसे गरीब लोगों को भुगतना पड़ता है। ग्लोबल वार्मिंग व उससे पैदा प्रदूषण संकट के कारण दुनिया के अनेक भागों में बड़े पैमाने पर विस्थापन भयावह रूप ले रहा है।

**- जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

### आयुर्वेद का महत्व

**भारतीय** ऋषियों द्वारा सदियों से दीर्घ और स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेदिक औषधियों का प्रयोग किया जा रहा है। एलोपैथिक दवाइयों के मुक़ाबले आयुर्वेदिक दवाई भले ही कुछ धीमा असर करती हों, मगर यह कई असाध्य रोगों को जड़मूल से ख़त्म कर सकती है। उचित मात्रा में उपयोग करने पर आयुर्वेदिक दवाइयों का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता जबकि एलोपैथी दवाएं, खासकर एंटीबायोटिक और स्टेरॉयड भयानक साइड इफेक्ट पैदा कर सकती हैं। इनका उपयोग एक बार करने के बाद इनकी आदत पड़ जाती है, जिसके चलते दवा का डोज़ और उसके साइड इफेक्ट भी बढ़ते जाते हैं। आयुर्वेदिक इलाज में किसी प्रकार की महंगी जांच आदि पर कोई पैसा खर्च नहीं करना पड़ता और सस्ते में इलाज हो जाता है। अब लोगों का विश्वास भी आयुर्वेदिक दवाओं के प्रति बढ़नें लगा है। कोरोना काल में आयुष काढ़े का उपयोग करने वालों को बहुत लाभ मिला। इससे अनेक लोगों को मामूली समस्याओं से राहत मिली और अस्पताल नहीं जाना पड़ा। सरकार भी अब आयुर्वेदिक इलाज को बढ़ावा दे रही है। पातंजलि समेत अनेक संस्थाएं इन पर शोध कर रही है जिससे भविष्य में परिष्कृत हो कर आयुर्वेदिक इलाज और अधिक असर कारक होगा।

**-विभूति बुपक्या,** खाचरोद

### मुफ्तखोरी की आदत

**मुफ्तखोरी** की आदत नागरिकों को पंगु बनती है, मगर वोटों की राजनीति के चलते अब देश भर में सभी राज्य सत्ता में आने के लिए इस अप्रत्यक्ष रिश्वत का उपयोग कर रहे हैं। इसके चलते लगभग सभी राज्य कर्ज में आकंठ डूबे हुए हैं। मगर सत्ता के लिए राजनेता यह सब कुछ दांव पर लगाने को तैयार हैं। मुफ्त की सभी योजनाओं पर सरकार जितने रुपए खर्च कर रही है यदि यही पैसा लोगों को खुद के रोजगार के लिए आवंटित किया जाए तो जनता पूरी तरह आत्मनिर्भर बन सकती है। दूसरे कर्ज माफी के चलते बैंकों की हालत पतली हो रही है, मगर सरकारों को कोई फर्क नहीं पड़ता। अब चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट को मिलकर ही रेवड़ी कल्चर को सख्ती के साथ बंद करना होगा। यदि राजनीतिक दल मुफ्त की रेवड़ियां बांटना ही चाहते हैं तो अपने पार्टी फंड से बांटे। यदि यही स्थिति रही तो राज्यों को कर्ज मिलने पर रोक लगानी पड़ेगी। मुफ्त की रेवड़ियां बांटने से विकास और निर्माण कार्य के लिए सरकार के पास पैसा नहीं बचता।

**सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

**पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से**
**responsemail.hindipioneer@gmail.com**
**पर भी भेज सकते हैं।**

श्रीराम मंदिर निर्माण के उपरांत पहली बार अलौकिक व अविस्मरणीय दीपोत्सव

# 25,12,585 दीपों से जगमग हुई अयोध्या, बना रिकार्ड

सीएम योगी, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत सहित यूपी सरकार के कई मंत्रियों ने दीप प्रज्जवलित कर की सुखी-स्वस्थ व समृद्ध भारत की कामना

## ● हेलीकॉप्टर से हुई पुष्प वर्षा, मुख्यमंत्री योगी ने खींचा रथ, सरयू आरती में हुए शामिल

## ● पहली बार 1121 वेदाचार्यों ने की सरयू आरती, बनाया रिकॉर्ड

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ/ अयोध्या

**रामनगरी** में बुधवार को सांध्यकालीन अद्भुत, अलौकिक, अविस्मरणीय...कल्पनातीत सौंदर्य दिखा, जब 25,12,585 (25 लाख,12 हजार 585) दीपों से जगमगाती रामनगरी ने गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड में अपना नाम दर्ज कराया। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर जिसने भी देखा, अपलक निहारता ही रह गया। प्रभु श्रीराम की नगरी के वासी हों या भारत के सुदूर कोने-कोने से आए श्रद्धालु, सभी अवधपुरी के कण-कण, रज-रज में अपने राम की छवि को हृदय में बसाए थे। राम, जय जय श्रीराम हर ओर गुंजायमान रहा। अवधपुरी में बुधवार को दीपोत्सव का आयोजन अद्वितीय हो गया। हर श्रद्धालु के मन में इस बार अलग ही उमंग, उत्साह व उल्लास रहा, क्योंकि 500 वर्ष पश्चात 22 जनवरी 2024 को अपने दिव्य-भव्य महल में विराजमान होने के उपरांत प्रभु के चरणों में 'समूचा भारत' दीप प्रज्ज्वलित कर उत्सव मना रहा है। पहली बार प्रभु की मौजूदगी में अयोध्या दीपोत्सव में आस्था, आह्लाद और आत्मीयता के दीप जले। सहज आह्लाद के साथ आत्मीयता के भावों को संजोए हुए आराध्य प्रभु के प्रति आस्था निवेदित करते हुए सरयू तीरे जल रहे 25,12,585 दीपों के बीच निहाल श्रद्धालुओं का हर्ष, उमंग और अनुभूति हर कोई महसूस कर रहा था। सहज भाव से हो रहे 'राम राम जय राजा राम' 'जय सिया राम' 'सियावर रामचन्द्र की जय' जयघोष के साथ सरयू की लहरों में उठती तरंगें देख ऐसा लगा कि मानो सरयू मैया भी 'अपने राम' की जयकार कर रही हों। दीपोत्सव के लिए पूरी अवधपुरी को सजाया गया था। अयोध्या के मंदिरों, छोटी गलियों से लेकर मुख्य मार्गों, सभी सरकारी, धार्मिक भवनों पर तो आकर्षक लाइटिंग की गई थी, महल में विराजमान होने के बाद अपने राम के लिए नगरवासियों ने भी घरों में दीप जलाए। बुधवार को रामनगरी अयोध्या के घर-घर, मठ-मंदिर, आश्रम हर जगह दीप प्रज्ज्वलित किए गए। पूरी रामनगरी मे 35 लाख से अधिक दीप प्रज्ज्वलित हुए तो वहीं राम की पैड़ी समेत 55 घाटों पर 25,12,585 दीप जलाए गए। इसके लिए डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्विद्यालय, महाविद्यालयों, इंटर कॉलेजों व स्वयंसेवी संस्थाओं से जुड़े 30 हजार से अधिक स्वयंसेवकों ने दीप लगाए, उसमें तेल बाती डालकर दीप प्रज्ज्वलन में महती भूमिका निभाई। कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल के नेतृत्व व नोडल अधिकारी संत शरण मिश्र, मीडिया प्रभारी विजयेंदु चतुर्वेदी की देखरेख में वॉलंटियर्स ने कार्य संपादित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय पर्यटन व संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य-ब्रजेश पाठक आदि ने रामकथा पार्क अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम- मां सीता , भैया लक्ष्मण, भरत-शत्रुघ्न, संकटमोचन हनुमान व ऋषि-मुनियों की आरती उतारी और टीका लगाकर श्रद्धा निवेदित की। यहां राम परिवार व ऋषि-मुनियों का पूजन भी किया गया। इस दौरान 'राम आए अवध नगरिया, दीपावली मनाओ सखी, चलो दीप से दीप जलाएं कि मंगल गाओ सखी...' गीत बजे रहे थे। मंच पर मुख्यमंत्री ने श्रीराम का प्रतीकात्मक राज्याभिषेक भी किया। अवधपुरी में पुष्पक विमान से 'राम-लक्ष्मण व मां सीता' उतरीं तो हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा भी की गई। मुख्यमंत्री ने रथ भी खींचा। अयोध्या वाली दीपावली में अपने सिरमौर के प्रति श्रद्धा का यह नजारा देख विह्वल आंखों से खुशी की अश्रुधारा बह निकली।

हर साधु-संत, सनातन धर्मावलंबियों व आमजनमानस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आशीर्वाद से अभिसिंचित किया।

### राम नाम से गुंजायमान रही अवधपुरी

**2017** में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जब यूपी की बागडोर संभाली तो दीपोत्सव के भव्य-दिव्य आयोजन की परिकल्पना तैयार की। प्रतिवर्ष इसकी भव्यता बढ़ती चली गई। 2017 में 1.71 लाख दीप से दीपोत्सव का आगाज हुआ था और 2024 में 25,12,585 दीप प्रज्ज्वलित हुए। समूची अयोध्या हर तरफ बस श्री राम, मेरे राम से अवधपुरी गुंजायमान हो उठी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सियावर रामचंद्र भगवान, माता जानकी व भारत मां की जय, सत्य सनातन धर्म की जय, गोमाता, सरयू माता, हर हर महादेव से अपना उद्बोधन प्रारंभ किया। समापन भी सियावर रामचंद्र की जय से ही किया।

### अयोध्या में दिखा एक भारत, श्रेष्ठ भारत

**प्रधानमंत्री** नरेंद्र मोदी की परिकल्पना एक भारत, श्रेष्ठ भारत का शानदार नजारा बुधवार को अयोध्या में दिखा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हुए दीपोत्सव में यहां हर भाषा, शैली, जाति, विधा के लोग दीपोत्सव में आस्था का दीप प्रज्ज्वलित करने एकत्र हुए।

### कलियुग में अलौकिक दिखी अवधपुरी

**त्रेतायुग** की अयोध्या बुधवार को कलियुग में भी अलौकिक दिखी। दीपोत्सव में सभी ने अपने आराध्य के प्रति श्रद्धा के दीप जलाए। श्रीराम मंदिर के प्रमुख गेटों पर तोरणद्वार बनाए गए। कई कुंतल फूलों से पूरी अयोध्या नगरी सजाई गई। सुबह शोभायात्रा में 18 झांकियां निकलीं। दीपोत्सव के 25,12,585 दीपों के लिए 30 हजार वालंटियरों ने हजारों लीटर सरसों का तेल दीपों में डाला। नेपाल, म्यामार, मलेशिया, थाईलैंड, इंडोनेशिया, कंबोडिया के कलाकारों ने रामलीला का मंचन किया। देश-विदेश व प्रदेश के 1300 से अधिक कलाकारों की प्रतिभा को रामनगरी में मंच मिला। चौराहों पर रंगोली बनाकर समृद्धि की कामना की गई।

### पहली बार हुआ ड्रोन शो, मेजबान समेत कई राज्यों के कलाकारों ने दी प्रस्तुति

**दीपोत्सव** पर पहली बार ड्रोन शो का भी आयोजन किया गया। 500 ड्रोन के साथ अयोध्या के आकाश में श्रीराम की कृति बनी। ड्रोन शो का अद्भुत नजारा देख हर कोई भाव-विह्वल और कौतूहल से भर उठा। वहीं दीपोत्सव-204 में मेजबान उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों के कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुति दी। उत्तर प्रदेश के अलावा मध्य प्रदेश, असम, महाराष्ट्र, तेलंगाना, झारखंड, बिहार, राजस्थान, जम्मू, उत्तराखंड, हरियाणा, नागपुर, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, सिक्किम, चंडीगढ़, गोवा, ओडिशा आदि राज्यों के कलाकारों ने अपनी लोकसंस्कृति का दीदार कराया।

### सीएम ने मोबाइल ऐप व 'हृदय में राम' पुस्तक का किया विमोचन

**मुख्यमंत्री** योगी आदित्यनाथ व केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उत्तर प्रदेश पर्यटन के मोबाइल ऐप का शुभारंभ किया। यह राज्य के पर्यटन स्थलों व सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है। इसके उपरांत सीएम ने महापौर गिरीश पति त्रिपाठी द्वारा लिखित %हृदय में राम% पुस्तक का विमोचन किया।

### सरयू अतिथि गृह में प्रदर्शनी का किया अवलोकन

**सीएम** योगी आदित्यनाथ ने सरयू अतिथि गृह में राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश द्वारा भगवान श्री राम के जीवन चरित्र पर आधारित चित्रकला एवं मूर्ति प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। प्रदर्शनी 28 अक्टूबर से लगाई गई थी। राज्य ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश की निदेशक डॉ. श्रद्धा शुक्ला ने अतिथियों को कलाकृतियों के विषय में विस्तारपूर्वक अवगत कराया। उन्होंने अकादमी में प्रारम्भ हुई बीश्वबीशएश (चित्रकला) के पाठ्यक्रम से भी अतिथियों को अवगत कराया! इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, बृजेश पाठक, संस्कृति व पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी, राज्य ललित कला अकादमी के सदस्य डॉ. संदीप श्रीवास्तव, अभिनव दीप आदि भी मौजूद रहे।

# बार-बार नहीं होनी चाहिए मां सीता की अग्निपरीक्षा: योगी

**दीपोत्सव 2024**

## ● रामकथा पार्क में श्रीराम के प्रतीकात्मक राज्याभिषेक कार्यक्रम में शामिल हुए योगी

## ● कहा, दीपोत्सव के दीप केवल दीये नहीं, सनातन धर्म का विश्वास है

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ/ अयोध्या

**मुख्यमंत्री** योगी आदित्यनाथ बुधवार को दीपोत्सव 2024 के अंतर्गत रामकथा पार्क में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जनता को संबोधित किया। इस दौरान उनके भाषण में लोकसभा चुनाव के दौरान अयोध्या से भाजपा प्रत्याशी को मिली पराजय का दर्द भी छलका। मुख्यमंत्री ने भारी गले से जनता को संबोधित करते हुए कहा कि अयोध्या के लिए भाजपा की डबल इंजन सरकार ने जो-जो कहा उसे पूरा किया, मगर एक बार फिर से अयोध्या की बारी है। मां सीता की अग्निपरीक्षा बार-बार नहीं होनी चाहिए, हमें इस अभिशाप से बाहर निकलना होगा।

सीएम योगी ने दीपोत्सव के पहले संस्करण को याद करते हुए कहा कि तब रामकथा मंडप छोटा था। उस वक्त यहां एक ही नारा लगता था कि 'योगी जी एक काम करो, मंदिर का निर्माण करो।' तब मैंने उस समय कहा था कि विश्वास कीजिए, ये जो दीप आपके द्वारा जलाए जाएंगे वो केवल दीप नहीं सनातन धर्म का विश्वास हैं, प्रभुराम की कृपा अवश्य बरसेगी। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम सब आभारी हैं पीएम मोदी के, जिनके दूदरर्शिता के करण 5 अगस्त 2020 के समय जब दुनिया कोरोना महामारी के सामने पस्त थी, तब भारत के प्रधानमंत्री अयोध्या धाम में आकर विरासत के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए यहां आकर श्रीराम मंदिर के शिलान्यास का कार्यक्रम अपने कर कमलों से संपन्न किया।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ये वर्ष अयोध्या के लिए अद्भुत, अनुपम, अलौकिक और अद्वितीय है। इस वर्ष 22 जनवरी 2024 को अयोध्या धाम में 500 साल का इंतजार समाप्त करके, एक बार फिर भगवान श्रीराम अपनी जन्मभूमि पर विराजित होकर, ये संदेश देकर गये हैं कि कभी अपने पथ से विचलित न होइए, संघर्ष का मार्ग अपनाइए, सफलता अवश्य प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि यह अवसर है हमारे पास उन सभी आत्माओं को स्मरण करने का, जिनका पूरा जीवन रामजन्म भूमि आंदोलन के लिए, प्रभुराम की कृपा का प्रसाद प्राप्त करने के लिए समर्पित था। उन सभी पूज्य संतों को नमन।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये समय है उन सभी हुतात्माओं के स्मरण का, जो साढ़े तीन लाख की संख्या में अपनी शहादत देकर के एक ही तमन्ना के साथ इस धराधाम से विदा हो गये कि चाहे जैसे भी हो, हमारे बलिदान के कीमत पर ही सही, लेकिन अयोध्या में राममंदिर का निर्माण होना चाहिए। उनका संकल्प पूरा हो चुका है। रामलला अयोध्या में फिर से विराजमान हो चुके हैं। उनके विराजमान होनेके के बाद ये दीपोत्सव का पहला अवसर है। सीएम योगी ने कहा कि इससे पहले हम सब केवल बोलते थे, मगर हमने जो कहा वो कर के दिखाया। जिस अयोध्या में 2017 से पहले बिजली नहीं मिलती थी, यहां के सड़कों, घाटों, मठ मंदिरों की स्थिति क्या थी हर कोई जानता है, 2017 से पहले जिन लोगों ने भगवान को उपेक्षित कर दिया था। भगवान के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया था। वे ऐसा करके सनातन धर्म और आपकी विरासत पर प्रश्नचिह्न खड़ा करते थे।

सीएम योगी ने कहा कि हमने 22 जनवरी 2024 को देखा था कि देशभर से आए श्रद्धालु यहां दर्शन कर रहे थे तो कोई पिलर को पकड़कर रो रहा था कोई जमीन पर दंडवत होकर। हमने वो दृश्य भी देखे हैं और उन लोगों के काले कारनामें भी देखे हैं, जिन लोगों ने अयोध्या और सरयू मइया को खून से लहुलुहान कर दिया था। मगर हमने जो कहा वो कर के दिखाया। अब अयोध्या को फिर से साबित करने की बारी है। मां सीता की अग्निपरीक्षा बार बार नहीं होनी चाहिए, हमें इस अभिषाप से बाहर निकलना होगा। अयोध्या को भव्य और दिव्य रूप देना ही होगा। इसके लिए अयोध्यावासियों को फिर से आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि दीपोत्सव का ये आठवां संस्करण यह अत्यंत आह्लादित करने वाला क्षण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने इसी मंच से कहा था कि अयोध्या को दुनिया की सबसे सुंदर नगरी बनाएंगे। आज यहां 31 हजार करोड़ की परियोजनाएं या तो पूरी हो चुकी हैं या प्रक्रिया अंतिम चरण में है। सनातन धर्म, हमारी विरासत और विकास के लिए अयोध्या तो एक शुरुआत है। आज काशी, अयोध्या चमक रहीं हैं। यहां भव्य कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। अयोध्या का बदला हुआ स्वरूप दुनिया को आकर्षित कर रहा है। कोई सोचता था कि अयोध्या में धर्म पथ, राम पथ, जन्मभूमि पथ, भक्ति पथ नाम से फोर लेन सड़कें होंगी। पहले लोग आपको बिजली के लिए सड़ी गर्मी में तड़पाते थे, राम की पैड़ी में सड़े हुए पानी में आपको स्नान के लिए मजबूर करते थे। हमने राम की पैड़ी में सरयू जल को प्रवाहमान बनाया। अयोध्या को देश की पहली सोलर सिटी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि हजारों वर्ष पहले भगवान राम पुष्पक विमान से अयोध्या आए थे, उसके बाद से अयोध्या में विमान नहीं उतर पाया था। मोदी जी की कृपा से अयोध्या में इंटरनेशनल एयरपोर्ट बना। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों को काम नहीं करना वो पहले राम के अस्तित्व पर सवाल उठाते थे, फिर रामभक्तों पर गोली चलाई, बाद में विकास कार्यों में रोड़ा बनते हुए कहने लगे कि हम किसानों का शोषण कर रहे हैं। फोर लेन सड़क बनवाया तो कहा व्यापारियों का शोषण कर रहे हैं, अगर फोर लेन न बनवाते तो क्या यहां लाखों श्रद्धालु आकर दर्शन पूजन कर पाते। ऐसे लोग विकास के बैरियर हैं। सीएम योगी ने कहा कि हम इन बैरियर्स को वैसे ही हटा रहे हैं, जैसे यूपी को माफिया मुक्त करके सुरक्षित प्रदेश बनाया गया है। उन्होंने कहा कि जो सनातन धर्म पर बार-बार प्रश्न खड़ा करते हैं, उन्हें पता होना चाहिए कि सनातन ने किसी का अहित नहीं किया, सबको गले से लगाया, दुनिया का कोई मत-संप्रदाय ऐसा नहीं, जिनकी विपत्तियों के समय सनातन ने उन्हें फलने-फूलने और आगे बढ़ने का अवसर न दिया हो। विश्व मानवता आज भी इसके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करती है। मगर सेक्युलरिज्म के नाम पर राजनीति करने वाले लोग सनातन धर्म पर कुठाराघाट करते हुए भारत में नक्सलवाद और आतंकवाद को बढ़ावा देने चाहते हैं। फिर भगवान के 14 वर्ष के वनवास का मतलब क्या रह जाएगा, फिर बजरंगबली का मतलब क्या रह जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो भी मानवता और विकास के मार्ग में रोड़ा बनेगा, उसका भी वही हाल होगा जो यूपी में माफिया का हुआ है।

## भगवान रामलला के मंदिर में मुख्यमंत्री ने जलाए श्रद्धा के दीप

## ● श्रीराम मंदिर प्रांगण में प्रज्जवलित किए गए हजारों दीप, अपलक निहारते रह गईं आंखें

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ/ अयोध्या

**22** जनवरी 2024 को रामलला 500 वर्ष बाद अपने दिव्य-भव्य मंदिर में विराजमान हुए। इसके बाद 30 अक्टूबर को पहला दीपोत्सव हुआ, जब लला स्वयं के महलों में विराजमान होकर अपनी नगरी को अपलक निहारते रहे। अयोध्या का सौंदर्य देख रामलला खुद भी भाव-विह्वल हो उठे। योगी सरकार के आठवें दीपोत्सव में राममंदिर की अनुपम छटा हर किसी को आह्लादित कर रही थी।

रामलला की मौजूदगी में बुधवार को पहला दीपोत्सव मनाया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार शाम श्रीराम मंदिर भी पहुंचे। मुख्यमंत्री ने सर्वप्रथम मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का दर्शन किया, फिर उनके चरणों में श्रद्धा निवेदित की। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने प्रभु के समक्ष दीप प्रज्वलित किए। बाहर भी मुख्यमंत्री ने पांच-पांच दीप जलाए। वहीं मंदिर प्रांगण में हजारों दीप प्रज्वलित किए गए। श्रीराम मंदिर में दीप प्रज्वलन के दौरान केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव संजय प्रसाद, श्रीराम तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी अनिल मिश्र, गोपाल, विनोद आदि भी रहे।

## दीपावली भारत की सनातन धर्म परंपरा का एक महत्वपूर्ण पर्व

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

## ● सीएम योगी ने प्रकाशपर्व पर प्रदेशवासियों को दी हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

**मुख्यमंत्री** योगी आदित्यनाथ ने प्रकाशपर्व दीपावली के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए प्रभु श्रीराम से उनकी सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की है। जारी एक शुभकामना संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपावली का पर्व भारत की सनातन धर्म की परम्परा का एक महत्वपूर्ण पर्व है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के 14 वर्ष के वनवास के उपरान्त अयोध्या आगमन और रामराज के शुभारम्भ की स्मृति स्वरूप आज से हजारों वर्ष पहले पूरे भरतखण्ड में श्रद्धालुओं द्वारा दीपमालाओं से अपने-अपने घरों को सजा करके इस पर्व को मनाना प्रारम्भ किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष दीपावली का पर्व ऐतिहासिक और अभूतपूर्व है। भगवान श्रीरामलला 500 वर्षों की लम्बी प्रतीक्षा के बाद अपने धाम में विराजमान हुए हैं। अयोध्याधाम में भगवान श्रीरामलला की पावन जन्मभूमि पर बने नव्य-भव्य-दिव्य मन्दिर में भी असंख्य दीप प्रज्वलित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हम सभी का सौभाग्य है कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की पावन जन्मस्थली अयोध्या उत्तर प्रदेश में है। राज्य सरकार अयोध्या में दीपावली के आयोजन की प्राचीन और गौरवशाली परम्परा को 'दीपोत्सव' के आयोजन के माध्यम से पुनर्प्रतिष्ठित कर, सम्पूर्ण विश्व समुदाय को अयोध्या की महिमा से परिचित कराने का कार्य कर रही है।

# हर्षित-पुलकित संतों ने कहा- ऐसा लग रहा फिर से लौट आया है त्रेतायुग

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ/ अयोध्या

## ● ऐतिहासिक आठवें दीपोत्सव पर अयोध्या के साधु संतों में विशेष उल्लास

**प्रभु** श्रीरामलला के भव्य मंदिर में विराजमान होने के बाद दीपावली के इस पर्व ने संतों और श्रद्धालुओं में एक विशेष उत्साह उत्पन्न किया है। अयोध्या के संत समाज ने इस दीपोत्सव पर विशेष हर्षोल्लास व्यक्त करते हुए इसे एक अद्वितीय आयोजन बताया है, जो 500 वर्षों की लंबी प्रतीक्षा के बाद संभव हुआ है।

अयोध्या के दशरथ महल के महंत बिंदु गद्याचार्य स्वामी देवेन्द्र प्रसादाचार्य ने दीपोत्सव को सनातन धर्म की धरोहर बताया। उन्होंने कहा 'दीपावली और दीपोत्सव सनातन धर्म का आधार हैं, और इस बार का दीपोत्सव विशेष है क्योंकि प्रभु श्रीराम का अयोध्या में अपने धाम पर पुन: आगमन हुआ है। यह दीपोत्सव हमारे प्रभु श्रीराम को आस्था और श्रद्धा व्यक्त करने का एक अद्वितीय अवसर है, जिससे संतजन हर्षित और पुलकित हैं।' संतों का मानना है कि अयोध्या वही दृश्य फिर से प्रस्तुत कर रही है जो त्रेतायुग में श्रीराम के आगमन पर देखने को मिला था। संत समाज ने मौजूदा योगी सरकार का आभार भी व्यक्त किया है। उनका मानना है कि श्रीरामलला के पुन: विराजमान होने का यह दिव्य अवसर सरकार के प्रयासों का परिणाम है। संतों का कहना है कि सरकार ने अयोध्या की इस धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को फिर से संजीवित किया है, जिससे संपूर्ण संत समाज में प्रसन्नता है।

चौभुजी मंदिर के महंत बृजमोहन दास महाराज ने दीपोत्सव के इस अद्वितीय अवसर पर अपनी रचित पंक्तियों के माध्यम से अपनी भावना व्यक्त की। उनका कहना है कि श्रीरामलला के अयोध्या में विराजमान होने से न केवल संत समाज, बल्कि अयोध्या की पूरी जनता गर्वित है और इस दीपोत्सव में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही है। बधाई भवन मंदिर के संत महंत राजीव लोचन शरण महाराज ने कहा, 'जैसे त्रेतायुग में भगवान के अयोध्या आगमन पर जो दिव्य दृश्य था, वह आज पुन: हमारे सामने है। हम संतजन इस ऐतिहासिक क्षण को देखकर हर्षित हैं और इस दीपोत्सव में अद्वितीय उत्साह के साथ शामिल हो रहे हैं।' अयोध्या में सरयू तट से लेकर श्रीराम लला मंदिर और अन्य विभिन्न मंदिरों में दीप जलाकर इस अद्वितीय दीपोत्सव को मनाने की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं।

संत समाज, श्रद्धालुओं और सरकार के सामूहिक प्रयासों से यह दीपोत्सव न केवल एक धार्मिक आयोजन है, बल्कि यह संपूर्ण विश्व में अयोध्या की दिव्यता और आस्था का संदेश भी प्रसारित कर रहा है। इस ऐतिहासिक दीपोत्सव में संतों की भावनाएं और आस्था झलक रही हैं, जो अयोध्या को एक विशेष आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान कर रही है।

# रामचरितमानस पर आधारित भव्य झांकियों ने मोहा मन

## ● दीपोत्सव पर अयोध्या के साकेत महाविद्यालय से रामकथा पार्क तक के लिए निकली 18 मनमोहक झांकियां

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ/ अयोध्या

**योगी** सरकार द्वारा श्रीराम की नगरी में आठवें दीपोत्सव का भव्य आयोजन हर साल की तरह इस बार भी सजीव और रंगीन झांकियों के साथ मनाया जा रहा है। साकेत महाविद्यालय से राम कथा पार्क तक निकाली गई 18 विशेष झांकियां इस दीपोत्सव का मुख्य आकर्षण बनी हुई हैं। झांकियां को झंडी दिखाते हुए योगी सरकार में संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह के साथ विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, मेयर गिरीश पति त्रिपाठी व अन्य मौजूद रहे। इन झांकियों में रामचरितमानस के विभिन्न प्रसंगों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, जिससे लाखों श्रद्धालु भावविभोर हो रहे हैं। झांकियों के दृश्य को हर कोई अपने मोबाइल में कैद करता दिखा। इस दौरान रामपथ पर रंग गुलाल उड़ने के साथ जमकर आतिशबाजी भी हुई। इस भव्य शोभायात्रा में साकेत महाविद्यालय के छात्रों ने पुत्रेष्टि यज्ञ से लेकर श्रीराम के राजतिलक तक के विभिन्न प्रसंगों को बड़े ही सुंदर ढंग से झांकियों के रूप में प्रस्तुत किया है। इन झांकियों में न केवल श्रीराम के जीवन के महत्वपूर्ण अध्यायों का दर्शन कराया जा रहा है, बल्कि इनमें शामिल कलाकारों के अभिनय ने दृश्य को और भी जीवंत बना दिया है। झांकियों के बीच-बीच में लोक कलाकार अपने अभिनय से कथा को दर्शकों के सामने पेश कर रहे हैं, जिससे दर्शकों का अनुभव और भी खास हो रहा है। झांकियों का यह सफर साकेत महाविद्यालय से शुरू होकर अयोध्या के प्रमुख चौराहों से गुजरते हुए दोपहर दो बजे तक राम कथा पार्क तक जाएगा। यहां, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं इन झांकियों का स्वागत करेंगे और प्रभु श्रीराम, माता सीता और भइया लक्ष्मण के स्वरूपों का अयोध्या आगमन पर उनका वंदन-अभिनंदन करेंगे।

इस कार्यक्रम के माध्यम से राज्याभिषेक का आयोजन भी किया जाएगा, जिसके साथ ही अयोध्या का दीपोत्सव अपने भव्य रूप में आरंभ होगा। अयोध्या के इस महोत्सव में साकेत महाविद्यालय की 18 झांकियों में से 11 झांकियां सूचना विभाग की ओर से और 7 झांकियां पर्यटन विभाग द्वारा तैयार की गई हैं।

पर्यटन विभाग द्वारा सजाई गई झांकियों में तुलसीदास रचित रामचरितमानस के सात अध्यायों- बालकांड, अयोध्या कांड, अरण्य कांड, किष्किंधा कांड, सुंदर कांड, लंका कांड और उत्तर कांड पर आधारित सुंदर दृश्य प्रस्तुत किए गए हैं, जो श्रद्धालुओं को रामायण के विभिन्न प्रसंगों का सार समझाने में सहायक हैं। श्रीराम की शिक्षा से लेकर रावण वध तक*इस आठवें दीपोत्सव में श्रीराम की शिक्षा, सीता-राम विवाह, वन गमन, भरत मिलाप, शबरी प्रसंग, अशोक वाटिका, हनुमान का लंका गमन, शक्तिबाण लगने से लक्ष्मण का मूर्छित होना, रावण वध, अयोध्या आगमन और दीपोत्सव पर आधारित झांकियों का विशेष प्रदर्शन किया जा रहा है।

# दीपावली पर्व आजः तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे रहे लोग

**● मंहगाई का नहीं दिखा असर, सबसे ज्यादा मिठाई की बिक्री ●जमकर बिके पटाखे, आज आसमान पर बिखरेगी सतरंगी छटा**

**फतेहपुर।** हिन्दू समाज का सबसे बड़ा पर्व दीपावली कल अमावस्या को मनाई जायेगी। दीवाली को लेकर लोगों में गजब का उत्साह है तथा गजब की महंगाई के बावजूद लोग पूरी ताकत से इस पर्व को मनाने के लिए खरीदारी में व्यस्त हैं क्योंकि दीपावली के दिन लक्ष्मी-गणेश की पूजा का खास महत्व है, इसलिए मिट्टी एवं पीओपी से बनी लक्ष्मी गणेश की मूर्तियों से बाजार पटी पड़ी है। आज छोटी दीवाली (नरक चतुर्दश) यानी कल दीपावली का महापर्व होना है। ऐसे में चारों तरफ रोशनी और पटाखों की बहार है। दीवाली लइया-गट्टों का भी पर्व है। साथ ही मिठाइयों का भी इस महापर्व में खास महत्व है।

हिन्दू पर्वों में दीपावली सर्वोपरि है, ग्रंथों के अनुसार इस दिन लंका फत्ह के बाद मर्यादा पुरूषोत्तम श्री राम अपनी भार्या सीता और अनुज लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटे थे। इस खुशी में अयोध्यावासियों ने दीपावली मनायी थी। हजारों वर्ष बाद भी भगवान श्री राम से जुड़ा यह पर्व आज भी पूरे उत्साह और परम्परा के साथ मनाया जाता है। महापर्व एक बार फिर प्रत्येक भारतीय परम्परा वाले सख्श के घरों में मनाया जायेगा। दीपावली से दीपों का जुड़ाव भी उतना ही महत्व रखता है जितना दीपोत्सव से आम व्यक्ति का जुड़ाव या यूं कहा जाए कि बगैर दीपों के दीपावली कहां, वो भी दीप सोनें, चांदी या पीतल तांबे के नहीं सिर्फ मिट्टी के पके हुए होने चाहिए। दीपावली में दीपों को जलाने के पीछे वैज्ञानिक कारण भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। विज्ञान से जुड़े लोग कहते हैं कि चौमास में कीट पतंगों की बहुतायत होती है और इन दीपों से कीड़ों का बड़ी संख्या में पतन होता है। यही नहीं शुद्ध सरसों या राई के तेल से दीप जलाये जायें तो आसमानी गंदगी भी कम होती है। उधर कल दीपावली का पर्व होने के चलते शहर के जीटी रोड स्थित महात्मा गांधी डिग्री कालेज में लगाये गये पटाखा बाजार में भी जमकर युवाओं की भीड़ उमड़ी। विभिन्न ब्रांडों के पटाखे बाजार में जमकर बिके।

## भोजन जन सेवा समिति ने वृद्धाश्रम में बांटी खुशियां

**फतेहपुर।** दीपोत्सव के पूर्व भिटौरा रोड जमालपुर मवइया स्थित वृद्धजन आवास के वृद्धजनों के बीच बुधवार को भोजन जन सेवा समिति ने खुशियां बांटने का काम किया। पदाधिकारियों ने वृद्धजनों के बीच पहुंचकर बुजुर्गों के साथ दिवाली की खुशियां साझा की। एक तरफ पूरा देश दिवाली की खुशियां मनाने को तैयार हैं तो वहीं भोजन जनसेवा समिति पिछले कई दिनों से निरंतर गरीब, असहाय, निराश्रित तबके के परिवार एवं उनके बच्चों को चयनित कर त्योहार सामग्री पहुंचाने का काम कर रही है। समिति इस उद्देश्य से खुशियां बांटने का प्रयास कर रही है कि इस दिवाली कोई घर न हो त्योहार सामग्री बिना सूना। टीम वृद्धजन आवास पहुंची तो वृद्धजनों ने पहुंचे अतिथियों का राधे राधे कर अभिवादन किया समस्त वृद्धजनों एवं वृद्धजन आवास की रसोइया सहित कर्मचारियों को भी दीवाली खाद्य सामग्री में लईया, गट्टा, पट्टी, मिठाई का डिब्बा, मोमबत्ती का वितरण वृद्धजनों में किया।

# ट्रैक्टर को बचाने में नेपाल जा रही बस पलटी, मचा हाहाकार

**● गोवा से 27 अक्टूबर को निकली थी बस, पहुंचा कई थानों का फोर्स**

**संवाददाता।** फतेहपुर

**गोवा** से नेपाल जा रही एक टूरिस्ट बस बुधवार की सुबह बांदा-टांडा मार्ग पर राधानगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत शाह बाईपास के समीप ट्रैक्टर को बचाने में अनियंत्रित होकर पलट गई। जिससे यात्रियों के बीच हाहाकार मच गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। तत्काल राहत कार्य शुरू हो गया। घटना की सूचना मिलते ही कई थानों का फोर्स व कई एंबुलेंस भी मौके पर पहुंच गई। हादसे में लगभग आधा दर्जन लोग मामूली चुटहिल हुए हैं।

बस चालक व मालिक अर्जुन बरेता निवासी इंदौर गोवा से सवारियां लेकर नेपाल के रूपादी बार्डर जा रहे थे। यह बस बुधवार को राधनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत शाह बाईपास के समीप पहुंची तभी एक ट्रैक्टर को बचाने में चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया। बस खंती में पलट गई। बस पलटते ही यात्रियों के बीच कोहराम मच गया। घटना होते ही आस-पास के लोग घटनास्थल पर जमावड़ा लग गया। लोगों ने सीढ़ी लगाकर साइड की खिड़की से सवारियों को बाहर निकाला। कुछ लोग सामने के टूटे हुए शीशे से बाहर निकले। यह सभी लोग गोवा घूमकर वापस नेपाल जा रहे थे।

मौके पर पहुँचे एक टैक्सी ड्राइवर कल्लू दीक्षित ने डायल 112 में सूचना दी, जिसके बाद पास के कई थानों का फोर्स व एंबुलेंस मौके पर पहुँची। घायलों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल ले गए। कुछ लोग प्राइवेट अस्पताल टैक्सी से चले गए। बस में लगभग बच्चो सहित 50 लोग सवार थे। यह सभी लोग एक प्राइवेट बस बुक करके टूर मे घूमने आये थे। सीओ सिटी व परिवहन विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। घायलों में ननकू यादव, मान कुमारी, सैन्या सहित अन्य लोग शामिल हैं।

**टला बड़ा हादसा:** जिस स्थान पर बस पलटी थी उसके ऊपर से हाईटेंशन लाइन गुजरी थी। अगर बस लाइन में टच हो जाती तो एक बहुत बड़ा हादसा हो सकता था। बस पलटने के महज दो मिनट पहले पेड़ में टकराने से पहले रूक गई अन्यथा हादसा और भी बड़ा हो सकता था। महिला का पर्स गायबः बस में सवार महिला यात्री सुरेंद्री देवी का पर्स बस पलटने के बाद गायब हो गया। काफी देर खोजने के बाद भी महिला का पर्स नहीं मिला। बस में न ही अग्निशमन सिलेंडर लगा था और न ही उसमे फस्ट एड किट थी। तादात से ज्यादा सवारियां भी बस में मौजूद थी। लगेज की वजह से हाईट भी ज्यादा थी।

# डीएम ने ईवीएम वेयर हाउस का किया निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

**संवाददाता।** कानपुर देहात

**जिलाधिकारी** आलोक सिंह के द्वारा आज विभिन्न पार्टी के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ईवीएम वेयरहाउस की सीसीटीवी व्यवस्थाए साफ सफाईए रखरखाव आदि का अवलोकन कर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित को दिए। उन्होंने कहा कि ईवीएम वेयर हाउस में साफ सफाई, सुरक्षा व्यवस्था आदि पर विशेष ध्यान दिया जाए। नियमित अंतराल पर निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों का अनुपालन करते हुए वेयरहाउस में आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त रखी जाए। इस दौरान अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार, परियोजना निदेशक वीरेंद्र सिंह, विभिन्न पार्टी के प्रतिनिधिगण, निर्वाचन कार्यालय के अधिकारी, कर्मचारी, सुरक्षा कर्मी आदि उपस्थित रहे।

# सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का सपाइयों ने किया स्वागत

**संवाददाता।** संडीला (हरदोई)

अखिलेश यादव का स्वागत करते सपाई

**सपा** सुप्रीमो एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के हरदोई जाते हुए संडीला पहुंचने पर उनका सपा नेताओं ने जोरदार स्वागत किया। सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जनपद हरदोई की सीमा पर पहुंचने पर सपा जिलाध्यक्ष शराफ्त अली के नेतृत्व में वरिष्ठ सपा नेता डॉ0 अश्विनी सिंहए जिला उपाध्यक्ष चन्द्रशेखरए अनिल यादव आदि ने फूलमालाओं से लादकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंनें पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे संगठित रहकर समाज में विभाजनकारी तत्वो के विरुद्ध मज़बूती के साथ लड़ाई जारी रखें और जनसमस्याओं को निस्तारित करने में अपनी भूमिका का निर्वाह करें। इसके बाद बेगमगंज स्थित सपा कार्यालय पर सपा नेता आरपी यादवए सभासद हसन मक्कीए अकील अंसारीए बब्लू अंसारी के अलावा युवा सपा नेता एवं उच्च न्यायालय के अधिवक्ता अभिषेक दीक्षित एडवोकेटए पूर्व सभासद नायाब अली गुड्डूए वरिष्ठ सपा नेता मो0 आलम खांए अनूप मिश्राए अनुपम अग्निहोत्रीए मुन्ना दीक्षितए राजू अंसारीए अंसार अहमदए मुलायम यादव समेत बड़ी संख्या में सपाइयों ने उनका स्वागत किया। अपनी कार से ही पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे संगठित रहें तथा संगठन को विस्तार देने और सपा की नीतियों को जन.जन तक ले जाने का कार्य करें। इसके बाद श्री अखिलेश यादवए पूर्व विधान परिषद सदस्य डॉ0 राजपाल कश्यप की माता जी की श्रद्धांजलि सभा में भाग लेने के लिए चले गए।

## रामलीला एवं धनतेरस महोत्सव का समापन हर्षोल्लास के साथ हुआ

**रसूलाबाद कानपुर देहात।** वीपीएसपी इंटर कॉलेज के वार्षिकोत्सव के अवसर पर आयोजित होने वाले रामलीला एवं धनतेरस महोत्सव का समापन हर्षोल्लास के साथ हुआ। जहां आए हुए लोगों का स्वागत सत्कार हुआ। इसके साथ ही रामलीला का मंचन भी हुआ। रसूलाबाद क्षेत्र के तिश्ती में वीपीएसपी इंटर कॉलेज में चल रही पंच दिवसीय रामलीला धनतेरस महोत्सव के अंतिम दिन भगवान श्रीराम ने वानर सेना के साथ लंका पर आक्रमण किया युद्ध में बड़े.बड़े वीर राक्षस मारे गए। लक्ष्मण और मेघनाथ का घनघोर युद्ध हुआ जिसमें लक्ष्मण मूर्छित हो गए। हनुमान जी के द्वारा संजीवनी बूटी को सुषेण वैद्य के द्वारा दवा बनाकर लक्ष्मण को पिलाई गई इसके बाद लक्ष्मण और मेघनाथ का युद्ध हुआ जिसमें मेघनाथ मारा गया इसके बाद कुंभकर्ण भी मारा गया। अंत में प्रभु श्रीराम व रावण का युद्ध होता है जिसमें रावण मारा गया।

## क्विक न्यूज

### संदिग्ध हालत में युवक ने जहर खाकर दी जान

**फतेहपुर।** जाफरगंज थाना क्षेत्र के इटरा गांव में एक युवक ने संदिग्ध हालत में जहरीला पदार्थ खा लिया। जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। उसे उपचार के लिए परिजन सीएचसी लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इटरा गांव निवासी योगेन्द्र कुमार 26 वर्ष पुत्र राम प्रसाद ने सूने घर का फायदा उठाते हुए जहरीला पदार्थ खा लिया। जिस समय उसने घटना को अंजाम दिया उस समय परिवार के सभी लोग धान काटने गए थे। जब परिवारीजन धान काटकर घर लौटे तो योगेन्द्र बेहोशी हालत में पड़ा था। उसे परिजन उपचार के लिए सीएचसी लेकर पहुंचे। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जैसे ही इसकी जानकारी परिजनों को हुई तो उनके बीच कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोककर बुरा हाल रहा। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

### ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

**फतेहपुर।** खागा व कटोघन स्टेशन के बीच ट्रेन से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। जीआरपी ने परिजनों को घटना की सूचना दी, जिससे परिजनों के बीच कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार प्रयागराज जनपद के थाना फूलपुर गांव भागीपुर निवासी मो0 महफूज का 30 वर्षीय पुत्र मो0 महताब कानपुर गया था। वापस वह ट्रेन से लौट रहा था। जब ट्रेन खागा व कटोघन रेलवे स्टेशन के बीच पहुंची तभी वह अचानक गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम हाउस में मृतक के चाचा मुस्तफा ने बताया कि महताब पीसीसी कराने कानपुर गया था, लौटते समय हादसा हुआ है।

### गैंगेस्टर एक्ट के वांछित अभियुक्त को पुलिस ने दबोचा

**फतेहपुर।** गैंगेस्टर एक्ट के वांछित अभियुक्त को थरियांव पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। बुधवार को थरियांव पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर थाना स्थानीय के मु0अ0स0 227/2024 धारा 2/3 गैंगेस्टर एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्त हीरालाल पुत्र रामलाल निवासी ग्राम टीकर थाना असोथर को गिरफ्तार कर न्यायालय रवाना किया। पुलिस टीम में थानाध्यक्ष अरविन्द कुमार राय, वरिष्ठ उपनिरीक्षक विनोद कुमार, उपनिरीक्षक ज्ञानचन्द्र सरोज, कांस्टेबल प्रवीण सोनी, सर्वेश यादव, पवन यादव भी मौजूद रहे।

### प्रमाणित अभिलेखों सहित 10 तक दें आपत्ति एवं सुझाव

**फतेहपुर।** एडीएम वि0/रा0 ने बताया कि उप्र स्टाम्प (सम्पत्ति का मूल्यांकन) नियमावली, 1997 के यथा संशोधित नियम-4 (1) के उपबन्धों के अधीन वार्षिक रूप से जनपद के समस्त उप निबन्धक कार्यालयों सदर, बिन्दकी, एवं खागा की क्षेत्राधिकारिता के अन्तर्गत आने वाली समस्त प्रकार की कृषि एवं अकृषि भूमियों के मूल्यांकन हेतु मोहल्ला, ग्रामवार दरें प्रस्तावित की गयी हैं। वाणिज्यिक सम्पत्तियों की दरों के साथ-साथ आवासीय भवनों के मूल्यांकन हेतु निर्माण दरें भी प्रस्तावित हैं। विभिन्न प्रकार के वृक्षों के मूल्यांकन हेतु उनकी आयु के अनुसार दरें प्रस्तावित की गयी हैं। मूल्यांकन दर-सूची के उक्त वार्षिक पुनरीक्षण प्रस्ताव की प्रतियां संबंधित उप निबन्धक कार्यालय, सहायक महानिरीक्षक निबंधन कार्यालय एवं एडीएम (वि0/रा0) में अनुरक्षित हैं। उपर्युक्त कार्यालयों में से किसी कार्यालय में भी पुनरीक्षण प्रस्ताव का अवलोकन, परीक्षण करते हुए प्रस्तावित की गयी दरों का सम्यक् समाधान कर लें तथा किसी भी स्थान की किसी भी दर के संबंध में यदि आपकी कोई आपत्ति/सुझाव है तो कृपया सकारण, ससाक्ष्य (प्रामाणिक अभिलेखों सहित) अपनी आपत्ति 10 नवंबर की सायं 05 बजे तक उपर्युक्त कार्यालयों में से किसी भी कार्यालय में हस्तगत करा दें तथा आपत्ति/सुझाव के सम्बन्ध में यदि आप व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होते हुये तर्क रखना चाहतें हो तो 10. नवंबर की सायं 05 बजे तक सहायक महानिरीक्षक निबन्धन के कार्यकक्ष में उपस्थित होते हुये अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं।

### किसान से बाइक सवार की भिड़ंत, दोनों घायल

**फतेहपुर।** हथगाम थाना क्षेत्र के इमादपुर गांव के समीप खेत से बोझ लेकर घर लौट रहे किसान से बाइक सवार की भिड़ंत हो गई। जिसमें बाइक चालक व किसान दोनों घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया। थाना क्षेत्र के इमादपुर गांव निवासी बोधी का 45 वर्षीय पुत्र शिव परसन खेत से बोझ लेकर घर लौट रहा था तभी थाना क्षेत्र के भुंगापुर गांव निवासी प्रेमचंद का 19 वर्षीय पुत्र राजेश बाइक पर सवार होकर आया और बोझ लेकर जा रहे शिव परसन से उसकी भिड़ंत हो गई। जिसमें बाइक चालक राजेश व किसान शिव परसन दोनों घायल हो गए।

### आज व कल रहेगा सार्वजनिक अवकाश

**फतेहपुर।** जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह ने बताया कि 31 अक्टूबर के साथ-साथ एक नवंबर को दीपावली पर्व मनाए जाने के दृष्टिगत शासन के निर्देशन में एक नवंबर को भी दीपावली के अवसर पर जनपद के समस्त सरकारी कार्यालय व शैक्षिक संस्थानों में अवकाश रहेगा।

## धनतेरस के पर्व पर दोपहिया वाहनों की बिक्री का क्रेज रहा

**कानपुर देहात।** धनतेरस के पर्व पर दोपहिया वाहनों की बिक्री का क्रेज ज्यादा रहा। दोपहिया वाहनों की खूब बिक्री हुई वही इलेक्ट्रॉनिक बर्तन सहित सभी बाजारों में चहल पहल खूब रही। रसूलाबाद क्षेत्र के कहिंजरी में दोपहिया वाहनों खूब बिक्री हुई। एचपी पेट्रोल पंप माल का पुरवा कहिंजरी के निकट स्थित कान्हा हीरो शोरूम में ग्राहकों के लिए आकर्षक ऑफर के साथ वाहनों की बिक्री की गई। प्रत्येक दो पहिया वाहन की खरीद पर जहां 3100 रुपए की सीधी छूट दी जा रही थी। वही ग्राहकों को आकर्षक उपहार भी दिया जा रहा था। एजेंसी संचालक मोनू सिंह गौर ने बताया कि प्रत्येक बाइक, स्कूटी व इलेक्ट्रिक स्कूटी पर 3100 रुपये तक की छूट दी जा रही है। यह ऑफर पूरे महीने तक चलता रहेगा। वहीं लगातार दूसरे दिन इलेक्ट्रॉनिक, बर्तन व फर्नीचर की दुकानें भी गुलजार रही हालांकि सोना चांदी की दुकानों पर बिक्री जरूर हुई।

## डंपर ने बाइक में मारी टक्कर, दोनों पुत्रों की मौके पर ही मौत, पिता गंभीर रूप से घायल

**हमीरपुर।** तेज रफ्तार खाली डंपर ने बाइक सवार पिता पुत्रों को रौंदता हुआ निकल गया। जिसमें दोनों पुत्रों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप से घायल हुए पिता को इलाज के लिए कानपुर रेफर कर दिया। जिनकी रास्ते में मौत हो गई। त्योहार वाले दिन हुई इस हृदय विदारक घटना ने पूरे शहर को शोक में डुबो दिया। नगर पालिका अध्यक्ष समेत एडीएमए एएसपी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी अस्पताल पहुंच गए। वहीं आक्रोशित लोगों ने नो इंट्री के बाद तेज रफ्तार में निकलने वाले ट्रकों का विरोध करते हुए जमकर हंगामा काटा।

सदर कोतवाली के रमेड़ी मोहल्ला निवासी 46 वर्षीय जयप्रकाश सविता लोक निर्माण विभाग (सीडी.टू) के वरिष्ठ सहायक पद पर तैनात हैं। मंगलवार को धनतेरस के चलते वह विभागीय कामकाज निपटाकर अपने दोनों पुत्रों 12 वर्षीय आयुष और 10 वर्षीय अथर्व को बाइक से लेकर धनतेरस की खरीददारी करने जा रहे थे। लोक निर्माण विभाग के ठीक सामने कुरारा की ओर जा रहा खाली डंपर जयप्रकाश की बाइक को रौंदता हुए निकल गया। जिसमें घटनास्थल पर ही दोनों पुत्रों की मौत हो गई। जबकि जयप्रकाश का कमर का हिस्सा पूरी तरह से कुचल गया। मौके पर मौजूद लोगों की मदद से तत्काल तीनों लोगों को अस्पताल लाया गया। जहां इमरजेंसी में मौजूद डा. महेंद्र ने दोनों पुत्रों की मौत की पुष्टि की और गंभीर हालत में पिता जयप्रकाश को रेफर कर दिया। जिसकी रास्ते में मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही चेयरमैन कुलदीप निषाद समेत एडीएम (वित्त एवं राजस्व) विजयशंकर तिवारी, एडीएम न्यायिक डा. नागेंद्रनाथ यादव, एएसपी मनोज कुमार गुप्ता, एसडीएम सदर पवन प्रकाश पाठक, सीओ सदर राजेश कमल, कोतवाल अनूप सिंह अस्पताल पहुंच गए और स्वजन को ढांढस बंधाया।

# लोगों नें बाइक, ज्वेलरी व बर्तन की खरीददारी की

धनतेरस पर सजी सोने चांदी व बाईक एजेंसी पर खरीददारी करते लोग।

**गुरसहायगंज (कन्नौज)।** सनातन धर्म के प्रमुख पर्व धनतेरस के त्यौहार को नगर व क्षेत्र में धूमधाम व पारम्परिक ढंग से मनाया गया। लोगों ने ज्वैलरी, बाइक, इलेक्ट्रॉनिक एवं बर्तन की दुकानों पर जमकर खरीददारी की। बाजार में उमड़ी भीड़ के कारण कई बार जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई।

मंगलवार को धनतेरस के त्यौहार पर बाजार से खरीददारी करने के लिए नगर सहित क्षेत्रीय लोगों की भीड़ दुकानों पर एकत्र हो होनें लगी। फत्तेहगढ़ रोड स्थित अलकरमह ऑटो सेल्स, काव्या हाण्डा, अजय मोटर्स पर पहुंचे लोगों ने अपनी मनपसंद की बाइकें व स्कूटी आदि खरीदी। उधर नगर के सब्जी मंडी स्थित चित्र गोपाल सुभाष सर्राफ अजय ज्वेलर्स सहित अन्य सर्राफ की दुकानों पर लोगों ने चांदी के गणेश लक्ष्मी सहित अन्य आभूषण खरीद कर धनतेरस का त्यौहार मनाया। नगर की दुकानों पर झाड़ू एवं बर्तन सहित पीओपी के गणेश लक्ष्मी की दुकानों पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। नगर की दुकानों पर भारी भीड़ उमड़ने के कारण जाम की स्थिति उत्पन्न होनें पर प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुबे, कस्बा प्रभारी ज्ञानेंद्र सिंह नें नगर के तिराहा, तिर्वारोड पर वेरीकेटिंग कर बडे वाहनों को रोककर जाम की समस्या को दूर कर दिया।

# जिलाधिकारी और एसपी ने किया जिला कारागार का औचक निरीक्षण, दिए निर्देश

**● बंदियों से बात कर लिया सुविधाओं का फीडबैक, परखी खाने की गुणवत्ता**

**लखीमपुर खीरी।** कारागार प्रशासन द्वारा बन्दियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, कारागार की साफ सफाई तथा अन्य व्यवस्थाओं का जायज़ा लेने के लिए बुधवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल व एसपी गणेश प्रसाद साहा ने संयुक्त रुप से जिला कारागार का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की पड़ताल की।

डीएम.एसपी ने बंदी ग्रह में जाकर बंदियों का हालचाल जाना एवं खाने.पीने के बारे में जानकारी प्राप्त की। साथ ही जेल प्रशासन को जरूरी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न बैरिकों में जाकर बंदियों से मूलभूत सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली। कारागार में साफसफाई व्यवस्था मिलने पर संतोष व्यक्त किया। निर्देश दिए कि इसी प्रकार प्रतिदिन जेल में साफसफाई बनाए रखी जाए। निरीक्षण के दौरान बंदियों को भोजन का वितरण किया जा रहा था। दोनों अधिकारियों ने भोजन की गुणवत्ता चेक की और बंदियों से बात कर सुविधाओं का फीडबैक लिया।

डीएम.एसपी ने जेल के बैरक, पाकशाला, अस्पताल आदि का निरीक्षण किया। बंदियों से वार्ता कर स्थिति का जायजा लिया। उनकी समस्याओं की जानकारी लेकर उनके निस्तारण के लिए जेल अधिकारियों को निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान कारागार अधीक्षक पीडी सलोनिया, जेलर हरिवंश कुमार पांडेय, डिप्टी जेलर सुनील वर्मा, धीरेंद्र प्रताप सिंह राठौर, भोजराज सिंह, चिकित्सक डॉ शिव पूजन, डॉ दीपांकर रावत मौजूद रहे।

# दिवालीः 601 निराश्रित व गरीब परिवारों को बांटी उपहार किट

**बिंदकी (फतेहपुर)।** सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बिंदकी में छोटी दिवाली पर श्री बालाजी सेवा न्यास द्वारा दिवाली पर्व पर 601 निराश्रित एवं गरीब परिवारों को दिवाली सामग्री एवं उपहार किट का वितरण किया गया। दिवाली पर अपनों के साथ त्योहार मनाने के उद्देश्य को लेकर आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व कारागार राज्यमंत्री बिंदकी विधायक जयकुमार सिंह जैकी ने किया। उन्होंने कहा कि दीपावली का यह पर्व हर चेहरे पर खुशियां लाए और हर घर रोशन हो इसका ख्याल रखना है। सबके साथ मिलके त्योहार को हर्षोल्लास के साथ पर्व मनाए जाने के साथ सभी को शुभकामनाएं भी दिया। बिंदकी नगर के लंका रोड, केवटरा, पुरानी बिंदकी, पैगंबरपुर, ठठराही, बजाजा गली, खजुहा रोड, ललौली रोड, कुंवरपुर रोड विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए गरीब परिवारों के 601 लोगो को दिवाली सामग्री की किट वितरित की गई। समाजसेवी लक्ष्मी चंद्रओमर उर्फ मोना के नेतृत्व व प्रधानाचार्य बलराम सिंह की अध्यक्षता तथा युवा विकास समिति के प्रवक्ता आलोक गौड़ के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में दिवाली की शुभकामनाएं दी गई। विशिष्ट अतिथि क्षेत्राधिकारी पुलिस वीर सिंह ने कहा कि इस त्यौहार पर हमारी पूरी जिम्मेदारी है कि आप लोग त्योहार को सुरक्षित तरीके से मनाएं किसी भी प्रकार की शांति व्यवस्था भंग नहीं होने दी जाएगी। फतेहपुर से आए समाजसेवी अशोक तपस्वी ने गोबर से निर्मित दीपों को अतिथियों को भेंट किया और इको ग्रीन दीपावली मनाने का संदेश दिया। इस मौके पर नगर पालिका परिषद बिंदकी की अध्यक्ष राधा साहू, स.पा. के पूर्व जिलाध्यक्ष रामेश्वर दयाल दयालू गुप्ता, आचार्य राम नारायण, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अनिल गुप्ता, लक्ष्मण पुरस्कार से सम्मानित रविकांत मिश्रा, भाजपा मंडल अध्यक्ष अतुल द्विवेदी, राघव ओमर, पदम् चंद्र ओमर, दीनू सविता रहे।

# हैप्पी दिवाली कहकर कार्मिकों के चेहरे पर बिखेरी मुस्कान! जब मिठाई लेकर पहुंची डीएम

**● डीएम ने कार्मिकों को खिलाई मिठाई, दी दीपावली की शुभकामनाएं**

**संवाददाता।** लखीमपुर खीरी

**बुधवार** को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल जब मिठाई लेकर कलेक्ट्रेट में कार्मिकों के बीच पहुंची और हैप्पी दिवाली कहकर कार्मिकों के चेहरे पर मुस्कान बिखेर दी। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने एडीएम संजय कुमार सिंह संग कलेक्ट्रेट स्थित सभी दफ्तरों और कलेक्ट्रेट के सभी पटलों पर मौजूद अधिकारीए कर्मचारियों से भेंटकर उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं देकर मिठाई खिलाई।

डीएम ने कार्मिकों को दीपावली के पावन अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रोशनी का यह उत्सव हम सभी के जीवन में नया प्रकाश लेकर आए और हमारा जिला सदा सुख, समृद्धि और सौभाग्य से आलोकित रहे। इससे पहले डीएम कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय पहुंचकर जनता दर्शन में फरियादियों की समस्याओं को न केवल सुना बल्कि फरियादियों को मिठाई खिलाकर उन्हें दीपावली के पर्व की शुभकामनाएं दी। डीएम ने कहा कि दीपावली का प्रकाश कार्मिकों के जीवन और कार्यस्थल को खुशियोंए समृद्धि और असीम संभावनाओं से भर दे! हम सिर्फ रोशनी के इस पर्व को ही नहींए बल्कि टीमवर्कए विकास और सफलता की भावना को भी मनाते हैं। सभी को एक उज्ज्वल और खूबसूरत दिवाली की शुभकामनाएं।

# गोपनीयता की शपथ का उल्लंघन करने के लिए फडणवीस, अजित पवार के खिलाफ मामला दर्ज किया जाना चाहिए: संजय राउत

भाषा। मुंबई

**शिवसेना** (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने बुधवार को कहा कि गोपनीयता की शपथ का उल्लंघन करने के लिए महाराष्ट्र के दोनों उपमुख्यमंत्रियों अजित पवार और देवेंद्र फडणवीस के खिलाफ मामला दर्ज किया जाना चाहिए। राउत की इस टिप्पणी से एक दिन पहले अजित पवार ने अविभाजित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अपने सहयोगी एवं पूर्व गृह मंत्री दिवंगत आरआर पाटिल पर करोड़ों रुपए के कथित सिंचाई घोटाले में उनके खिलाफ खुली जांच का आदेश देने का आरोप लगाया था। अजित पवार ने मंगलवार को सांगली जिले के तासगांव में आयोजित एक रैली में आरोप लगाया था कि पाटिल ने खुली जांच का आदेश देकर उनकी पीठ में छुरा घोंपा था। उन्होंने दावा किया था कि फडणवीस ने 2014 में मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्हें वह फाइल दिखाई थी, जिसमें जांच के आदेश से संबंधित पाटिल की टिप्पणियों का जिक्र था।

राउत ने पाटिल को एक ईमानदार और कुशल गृह मंत्री बताते हुए कहा कि उन्होंने कभी कुछ गलत नहीं किया था। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा, फडणवीस ने अजित पवार को फाइल दिखाकर गोपनीयता की शपथ का उल्लंघन किया। इन मुद्दों पर सार्वजनिक रूप से चर्चा कैसे की जा सकती है? शपथ के उल्लंघन के लिए राज्यपाल को फडणवीस और अजित पवार के खिलाफ मामला दर्ज करने का आदेश देना चाहिए।

राउत ने कहा कि महा विकास आघाडी (एमवीए) महाराष्ट्र विधानसभा की उन 90 प्रतिशत सीट पर बागियों को मनाने में सफल रही है, जहां से इन नेताओं ने गठबंधन के आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ नामांकन दाखिल किया था।

उन्होंने बताया कि शिवसेना (यूबीटी) उम्मीदवारों ने 96 सीट पर पर्चा दाखिल किया है। जब राउत से मैदान में उतरे बागियों के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, गठबंधन में यह होता रहता है। हम साथ बैठेंगे और बागियों को मनाने की कोशिश करेंगे। हम बदलाव लाना चाहते हैं और ऐसा करने के लिए सभी को एकजुट रहना होगा। उन्होंने कहा, हमने ऐसी 90 फीसदी सीट पर उन पार्टी कार्यकर्ताओं (जिन्होंने आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ बगावत की थी) को मना लिया है। राज्यसभा सदस्य राउत ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार और कांग्रेस नेतृत्व असंतुष्ट नेताओं को मनाने की कोशिश करेंगे।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र वापस लेने की आखिरी तारीख चार नवंबर है। राउत ने माना कि जब तीन पार्टियां मिलकर चुनाव लड़ती हैं, तो सीमित सीटों की वजह से पार्टियों के साथ-साथ कार्यकर्ताओं को भी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। सांगोले और अलीबाग विधानसभा क्षेत्र में शिवसेना (यूबीटी) और सहयोगी दल पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी (पीडब्ल्यूपी) ने अपने-अपने उम्मीदवार उतारे हैं। उनके बारे में राउत ने कहा कि उनकी पार्टी ने 2019 के चुनाव में ए दोनों सीट जीती थीं। हालांकि, उन्होंने कहा कि वह अभी भी इन सीट पर बातचीत करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि पीडब्ल्यूपी एमवीए का हिस्सा है।

यह पूछे जाने पर कि क्या कुछ सीट पर सांगली जैसी स्थिति दिखेगी, राउत ने कांग्रेस पर कटाक्ष किया और कहा कि अगर उसके सहयोगी दल ने लोकसभा चुनाव के दौरान गठबंधन धर्म का पालन किया होता, तो शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार चंद्रहार पाटिल को हार का सामना नहीं करना पड़ता। सांगली में कांग्रेस के विशाल पाटिल ने पार्टी आलाकमान के आदेशों की अवहेलना करते हुए निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। महाराष्ट्र में मंगलवार को पर्चा भरने की प्रक्रिया समाप्त होने तक राज्य की 288 विधानसभा सीट के लिए लगभग 8,000 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया। राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 20 नवंबर को होगा जबकि मतगणना 23 नवंबर को की जाएगी।

# माहिम सीट पर राज ठाकरे के बेटे का समर्थन करने के रुख पर अडिग है भाजपा: फडणवीस

**मुंबई।** महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि भाजपा अभी भी माहिम विधानसभा सीट पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे का समर्थन करना चाहती है। राज्य में सत्तारूढ़ शिवसेना भी इस सीट पर चुनाव लड़ रही है। फडणवीस ने यहां संवाददाताओं से कहा कि इसका समाधान ढूंढने के प्रयास किए जाएंगे। भाजपा के वरिष्ठ नेता फडणवीस ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी अपने ज्यादातर बागियों को नामांकन वापस लेने के लिए मनाने की कोशिश करेगी। यह भी कहा कि 20 नवंबर को होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव में कुछ सीट पर दोस्ताना मुकाबला होगा।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना ने माहिम से मौजूदा विधायक सदा सरवणकर को मैदान में उतारा है, जबकि महेश सावंत मुंबई में इस सीट से राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार हैं। राज ठाकरे की मनसे, महायुति का हिस्सा नहीं है, जिसमें भाजपा, शिवसेना और उपमुख्यमंत्री अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शामिल है, लेकिन इस वर्ष की शुरुआत में हुए लोकसभा चुनाव में इसने सत्तारूढ़ गठबंधन का समर्थन किया था।

फडणवीस ने कहा कि भाजपा और मुख्यमंत्री शिंदे के बीच माहिम विधानसभा क्षेत्र में मनसे उम्मीदवार अमित ठाकरे, जो पहली बार चुनावी मैदान में हैं, का समर्थन करने पर एक सहमति बनी थी। उन्होंने कहा, हालांकि, शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेताओं ने तर्क दिया कि अगर पार्टी चुनाव नहीं लड़ती है, तो उसके मतदाता उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) की ओर चले जाएंगे। भाजपा अमित का समर्थन करने के लिए तैयार थी और अभी भी अपने रुख पर अडिग है।

इस उलझन के समाधान के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा, जब हम (महायुति के नेता) मिलेंगे, तो हम चर्चा करेंगे और समाधान निकालने का प्रयास करेंगे। फडणवीस ने यह भी कहा कि राज्य में हर प्रमुख राजनीतिक दल विधानसभा चुनावों में बागियों से मिल रही चुनौती का सामना कर रहा है। फडणवीस ने कहा कि भाजपा अपने अधिकतर बागियों को नामांकन वापस लेने के लिए मनाने की कोशिश करेगी। उन्होंने कहा कि कुछ सीट पर दोस्ताना मुकाबला होगा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने मंगलवार को आरोप लगाया था कि उनके करीबी सहयोगी और तत्कालीन गृहमंत्री आरआर पाटिल ने कई करोड़ रुपए के कथित सिंचाई घोटाले में उनके खिलाफ खुली जांच का आदेश देकर पीठ में छुरा घोंपा था।

# पुलिस हिरासत से भागने के दौरान जवाबी गोलीबारी में गैंगस्टर की मौत

भाषा। अमृतसर

**अमृतसर** में बुधवार को पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश के दौरान जवाबी गोलीबारी में एक गैंगस्टर की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना उस समय हुई, जब गैंगस्टर और एक अन्य आरोपी को हत्या के एक मामले में कुछ बरामदगी करने के लिए यहां एक स्थान पर ले जाया गया था। पुलिस ने बताया कि गैंगस्टर गुरशरण और पारस को कुछ वस्तुओं की बरामदगी करने के लिए अमृतसर में एक स्थान पर ले जाया गया था, तभी दोनों गैंगस्टर ने झाड़ियों में छिपाकर रखे हथियार उठा लिए और भागने की कोशिश करते हुए अमृतसर ग्रामीण पुलिस कर्मियों पर गोलियां चलाईं।

पुलिस ने बताया कि पुलिसकर्मियों ने भी आत्मरक्षा में गोलियां चलाईं, जिसमें गुरशरण की मौत हो गई जबकि पारस नदी में कूद गया और भागने में कामयाब रहा।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पारस को पकड़ने के लिए तलाश अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस उप महानिरीक्षक सतेंद्र सिंह ने एक बयान में बताया कि गैंगस्टर को एक स्थान पर ले जाया गया था। इससे पहले, पुलिस को दिए उसके बयान के अनुसार, उसने वहां हथियार छिपाकर रखे थे। उन्होंने बताया कि दोनों गैंगस्टर ने अचानक पुलिस अधिकारियों को धक्का दिया और भागने लगे। उन्होंने पुलिस दल पर गोलियां भी चलाईं। उन्होंने ए हथियार झाड़ियों में छिपाकर रखे थे। सिंह ने बताया कि आरोपियों को हत्या समेत कई आपराधिक मामलों के सिलसिले में पकड़ा गया था।

# भाजपा सांसद ने जेपीसी अध्यक्ष से भूमि विवाद पर चर्चा के लिए किसानों को आमंत्रित करने का आग्रह किया

भाषा। बेंगलुरु

**भाजपा** के सांसद तेजस्वी सूर्या ने वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष जगदंबिका पाल से अनुरोध किया कि वह कर्नाटक के विजयपुरा जिले के किसानों को वक्फ बोर्ड के साथ उनके भूमि विवादों पर चर्चा करने के लिए गवाह के रूप में आमंत्रित करें। बेंगलुरू दक्षिण से लोकसभा सदस्य तेजस्वी ने जिले और आसपास के अन्य क्षेत्रों के किसानों के प्रतिनिधिमंडल के साथ अपनी हाल की बैठक का जिक्र किया। तेजस्वी संयुक्त संसदीय समिति के सदस्य भी हैं। उन्होंने पाल को लिखे अपने पत्र में आरोप लगाया, लगभग एक सदी से अपनी जमीनों पर खेती कर रहे इन किसानों के पास 1920 और 1930 के दशक के रिकॉर्ड मौजूद हैं। हाल के महीनों में कई किसानों को बिना किसी सबूत या स्पष्टीकरण के उनकी जमीनों को वक्फ संपत्ति घोषित करने के नोटिस दिए गए हैं। इन दावों का पैमाना काफी बड़ा है। अकेले उनके गांव में ही लगभग 1,500 एकड़ जमीन वक्फ संपत्ति के रूप में नामित की गई है।

सांसद के अनुसार, किसानों ने दावा किया कि नोटिस भेजे जाने के अलावा कुछ भूमि खंडों के लिए आरटीसी (अधिकार, किराएदारी और फसल का रिकॉर्ड), भूमि अभिलेख ( पहानी ) और दाखिल खारिज के पंजीकरण में कानून की उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना बदलाव किए गए हैं। तेजस्वी ने पत्र में कहा कि इसलिए मैं अनुरोध करता हूं कि आप (जगदंबिका पाल) प्रभावित किसानों के प्रतिनिधिमंडल को समिति के समक्ष गवाह के रूप में पेश होने के लिए आमंत्रित करें।

तेजस्वी के मुताबिक, उनकी गवाही प्रस्तावित संशोधनों के स्थानीय निहितार्थों और इस संबंध में कृषक समुदाय के सामने आने वाले दबावपूर्ण मुद्दों के बारे में मूल्यवान जानकारी प्रदान करेगी।

तेजस्वी ने पाल से कर्नाटक के प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने और शिकायतें प्राप्त करने व वक्फ बोर्ड की कार्वाई से प्रतिकूल रूप से प्रभावित किसानों के साथ सार्वजनिक सुनवाई करने का भी अनुरोध किया। विजयपुरा जिले के किसानों के एक वर्ग ने यह आरोप लगाया था कि उनकी भूमि को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किया गया है, जिसके बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने मंगलवार को कहा कि उनमें से किसी को भी बेदखल नहीं किया जाएगा तथा उन्हें जारी किए गए नोटिस वापस ले लिए जाएंगे।

## आपदा स्थिति में मदद के लिए 2.37 लाख युवा स्वयंसेवियों को करेंगे प्रशिक्षित

**नई दिल्ली।** केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने देशभर के 315 जिलों में 2.37 लाख युवा स्वयंसेवियों को आपदा तैयारी और आपदा की स्थिति में मदद के लिए सबसे पहले आगे आने वालों के तौर पर प्रशिक्षित करने के लिए एक विशेष योजना शुरू की है। सोमवार को यहां राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के 20वें स्थापना दिवस समारोह में युवा आपदा मित्र योजना की शुरुआत की गई। युवा आपदा मित्र योजना के अंतर्गत 28 राज्यों के 315 जिलों में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस), भारत स्काउट्स एंड गाइड्स (बीएसएंडजी) और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) जैसे युवा संगठनों के 2,37,326 युवा स्वयंसेवियों को आपदा तैयारी और आपदा की स्थिति में मदद के लिए सबसे पहले आगे आने वालों के तौर पर प्रशिक्षित किया जाएगा।

# प्रियंका वाद्रा वायनाड के लोगों के साथ नही रहेंगी : एलडीएफ प्रत्याशी मोकेरी

**वायनाड ( केरल )।** वायनाड लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के प्रत्याशी सत्यन मोकेरी ने नामांकन भरने के तुरंत बाद निर्वाचन क्षेत्र से जाने के लिए बुधवार को संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की उम्मीदवार प्रियंका गांधी वाद्रा की आलोचना की और कहा कि अगर वह यहां जीतती हैं जो वह इस पर्वतीय क्षेत्र के लोगों के साथ नहीं रहेंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि अपने भाई राहुल गांधी की तरह प्रियंका भी एक मेहमान की तरह यहां आएंगी और चली जाएंगी तथा वह इस निर्वाचन क्षेत्र में मौजूद नहीं रहेंगी। एलडीएफ प्रत्याशी ने यह टिप्पणी तब की है जब एक दिन पहले प्रियंका ने 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव के लिए अपने प्रचार अभियान के तौर पर वायनाड में पहले दौर की नुक्कड़ सभाएं खत्म कीं। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक मोकेरी ने कहा कि वायनाड के लोगों ने पिछले पांच वर्ष में राहुल गांधी को चुनने का परिणाम देखा और मतदाता तो उन्हें देख भी नहीं पाए। उन्होंने अप्रैल में हुए लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी पर दूसरी बार वायनाड से निर्वाचित होने के अगले ही दिन इस निर्वाचन क्षेत्र को छोड़ने का आरोप लगाया। मोकेरी ने कहा, अब, यूडीएफ प्रत्याशी (प्रियंका गांधी) नामांकन पत्र दाखिल करने के तुरंत बाद निर्वाचन क्षेत्र से चली गई। उन्होंने लोगों को यह दिखाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर कोई उम्मीदवार नामांकन भरने वाले दिन ही निर्वाचन क्षेत्र से चला जाता है तो इसका मतलब है कि वह किसी भी वक्त इस क्षेत्र को छोड़ने के लिए तैयार रहता है। उन्होंने कहा कि प्रियंका वायनाड के लोगों के साथ नहीं रहेंगी। एलडीएफ प्रत्याशी ने पूछा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने विनाशकारी भूस्खलन की घटना के बाद वायनाड के लिए क्या किया है। मोकेरी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल पर वायनाड के किसी भी इलाके के विकास के लिए कुछ भी न करने तथा पशु-मनुष्य संघर्ष या रात को यात्रा करने की मनाही जैसे अहम मुद्दे को हल करने के लिए कुछ भी न करने का आरोप लगाया। प्रियंका ने वायनाड में अपने दो दिवसीय प्रचार अभियान के दूसरे दिन मंगलवार को चार स्थानों पर नुक्कड़ सभाएं कीं। मोकेरी के अलावा भाजपा की प्रत्याशी एवं कोझीकोड नगर निगम की दो बार की पार्षद नव्या हरिदास भी वायनाड लोकसभा सीट से उपचुनाव लड़ रही हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के इस्तीफा देने के कारण वायनाड सीट पर उपचुनाव हो रहा है। राहुल ने इस साल हुए आम चुनाव में वायनाड और उत्तर प्रदेश की रायबरेली दोनों सीट से जीत हासिल की थी। बाद में उन्होंने वायनाड सीट छोड़ दी, जिसकी वजह से इस सीट पर उपचुनाव कराया जा रहा है।

## एनजीटी ने अयोध्या प्रशासन के आदेश की अवहेलना करने पर मुकदमा चलाने की चेतावनी दी

**नई दिल्ली।** एनजीटी ने अयोध्या के जिलाधिकारी और क्षेत्रीय वन अधिकारी को अधिकरण के द्वारा गठित संयुक्त समिति के सदस्यों को कथित तौर पर बदलने के लिए मुकदमा चलाने की चेतावनी दी है। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) प्रकाश श्रीवास्तव, न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) सुधीर अग्रवाल और विशेषज्ञ सदस्य अफरोज अहमद की पीठ ने कहा कि दोनों अधिकारियों ने अधिकरण के निर्देशों की पूर्ण अवहेलना की है और समिति में अन्य व्यक्तियों को नियुक्त किया है। हरित निकाय अयोध्या जिले के फैजाबाद तहसील के शरवा उपरहार गांव में एक बगीचे में 300 आम के पेड़ों की कथित कटाई कर एक विश्राम गृह के निर्माण के प्रस्ताव से जुड़े मामले की सुनवाई कर रहा था। अधिकरण ने सितंबर में जिलाधिकारी, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और क्षेत्रीय वन अधिकारी की संयुक्त समिति गठित की थी।

# यात्री का सामान निर्धारित सीमा से अधिक होने पर जुर्माना लगाया जाएगा: रेलवे

**मुंबई।** महाराष्ट्र के बांद्रा टर्मिनस पर बीते दिनों हुई भगदड़ के कुछ दिनों बाद पश्चिमी रेलवे ने कहा है कि अगर यात्रियों का सामान उनकी संबंधित यात्रा श्रेणी के लिए स्वीकार्य व तय सीमा से अधिक होगा तो उन पर जुर्माना लगाया जाएगा। रेलवे ने लोगों से स्टेशनों पर अधिक भीड़ न लगाने का आग्रह किया है। पश्चिम रेलवे ने मंगलवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि रेलवे अपने प्रत्एक यात्री को अपनी यात्रा के दौरान एक निश्चित मात्रा में ही बिना किसी शुल्क के सामान ले जाने की अनुमति देता है, लेकिन स्कूटर और साइकिल जैसी वस्तुओं समेत 100 सेंटीमीटर की लंबाई, 100 सेमी की चौड़ाई और 70 सेमी की उंचाई से बड़े आकार के सामान को नि:शुल्क ले जाने की अनुमति नहीं होगी।

विज्ञप्ति में कहा गया है, पश्चिम रेलवे सभी यात्रियों से आग्रह करता है कि वे स्टेशनों पर अधिक भीड़भाड़ से बचें और ट्रेन की समय सारणी के अनुसार केवल आवश्यक होने पर ही परिसर में प्रवेश करें तथा निर्धारित सामान सीमा का भी पालन करें। पश्चिम रेलवे ने सभी यात्रियों से नि:शुल्क सामान की अधिकतम सीमा से संबंधित नियमों का पालन करने की अपील की है।

विज्ञप्ति में कहा गया है, यात्रा के विभिन्न वर्गों के लिए नि:शुल्क छूट अलग-अलग होती है। अगर सामान नि:शुल्क छूट से अधिक होगा, तो उसके अनुसार जुर्माना लगाया जाएगा। यह निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और आठ नवंबर तक लागू रहेगा। त्योहारी सीजन के दौरान पार्सल बुकिंग में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, खासकर बांद्रा टर्मिनस, वापी, वलसाड, उधना और सूरत के पार्सल कार्यालयों में बुकिंग में अधिक वृद्धि हुई है। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ट्रेन के निर्धारित प्रस्थान से पहले पार्सल खेप को प्लेटफार्मों पर लंबे समय तक जमा न रखने के निर्देश जारी किए गए हैं।

# राकांपा नेता नवाब मलिक के लिए प्रचार नहीं करेगी भाजपा, सना मलिक से उसे परेशानी नहीं

**मुंबई।** भाजपा ने स्पष्ट किया है कि भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के साथ कथित संबंधों के कारण वह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के उम्मीदवार नवाब मलिक के लिए विधानसभा चुनाव में प्रचार नहीं करेगी, लेकिन उनकी बेटी की उम्मीदवारी पर उसे कोई आपत्ति नहीं है। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक ने मंगलवार को उपमुख्यमंत्री अजीत पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के उम्मीदवार के रूप में मानखुर्द-शिवाजी नगर विधानसभा क्षेत्र से नामांकन दाखिल किया। पार्टी ने उनकी छोटी बेटी सना मलिक को भी अणुशक्ति नगर निर्वाचन क्षेत्र से टिकट दिया है।

सना मलिक का यह पहला विधानसभा चुनाव है। अजित पवार के नेतृत्व वाली पार्टी ने नामांकन की समय सीमा समाप्त होने से कुछ मिनट पहले नवाब मलिक को नामांकन फॉर्म दिया था। राकांपा 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के हिस्से के रूप में मैदान में है। महायुति में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना भी शामिल हैं।

भाजपा की मुंबई इकाई के प्रमुख आशीष शेलार ने मंगलवार शाम को एक वीडियो संदेश जारी कर पार्टी के रुख को स्पष्ट कर दिया कि वह नवाब मलिक के लिए प्रचार नहीं करेगी। मलिक को 2022 में पहली बार राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा दाऊद इब्राहिम, छोटा शकील और टाइगर मेमन सहित उसके सहयोगियों के खिलाफ दर्ज मामले में गिरफ्तार किया गया था। मलिक को इस साल जुलाई में चिकित्सा आधार पर जमानत दी गई थी। पिछले साल जुलाई में राकांपा के विभाजन के बाद अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट ने भाजपा की आपत्तियों के बावजूद विधायक को अपने पाले में ले लिया।

अपने वीडियो संदेश में शेलार ने कहा, भाजपा शुरू से ही इस रुख पर स्पष्ट रही है। सभी महायुति घटकों को अपने-अपने उम्मीदवार तय करने की अनुमति दी गई थी। चिंता केवल राकांपा द्वारा नवाब मलिक के नामांकन को लेकर थी। उन्होंने कहा, मैंने और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस दोनों ने इस संबंध में भाजपा का रुख बार-बार स्पष्ट किया है। मैं एक बार फिर कह रहा हूं, कि भाजपा नवाब मलिक के लिए प्रचार नहीं करेगी। दाउद और उससे जुड़े सभी लोगों और उसके मामले के बारे में हमारी राय बिल्कुल स्पष्ट है। अणुशक्ति नगर सीट से सना मलिक की उम्मीदवारी के बारे में पूछे जाने पर भाजपा नेता ने कहा, जब तक इस संबंध में कोई सबूत या जानकारी सामने नहीं आती, भाजपा महायुति के उम्मीदवार को अपना मानेगी और इस बारे में कोई सवाल नहीं होगा। कांग्रेस नेता सचिन सावंत ने हालांकि भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि उसका रुख पार्टी के पाखंड और दोहरे मानदंड दिखाता है।

# जमानत आदेश के छह महीने बाद अदालतें बांड भरने के लिए नही कह सकती: शीर्ष अदालत

**नई दिल्ली।** उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि अदालतें जमानत आदेश पारित होने के छह महीने बाद आरोपी पर जमानत बांड प्रस्तुत करने की शर्त नहीं लगा सकतीं। न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि यदि अदालत मामले के गुण-दोष से संतुष्ट है तो उसे या तो जमानत दे देनी चाहिए या फिर याचिका खारिज कर देनी चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने 24 अक्टूबर को एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर विचार किया था, जिसने पटना उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी थी। इस आदेश में बिहार मद्यनिषेध और उत्पाद संशोधन अधिनियम के तहत उसके खिलाफ दर्ज मामले में छह महीने बाद जमानत बांड प्रस्तुत करने का उसे निर्देश दिया गया था। निचली अदालत ने व्यक्ति को 10,000 रुपए के बांड और इतनी ही राशि की दो जमानतें प्रस्तुत करने पर रिहा करने का निर्देश दिया। याचिका पर विचार करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा, यह पिछले कुछ दिनों में उच्च न्यायालय द्वारा पारित कुछ आदेशों में से एक है, जिसमें मामले का गुण-दोष के आधार पर निर्णय किए बिना उच्च न्यायालय ने वर्तमान याचिकाकर्ता को इस शर्त पर जमानत दे दी है कि याचिकाकर्ता-आरोपी आदेश पारित होने के छह महीने बाद जमानत बांड प्रस्तुत करेगा। इसने कहा कि इस बात का कोई कारण नहीं बताया गया कि जमानत देने के आदेश के क्रियान्वयन को छह महीने के लिए क्यों स्थगित किया गया।

## पेज 1 का शेष

### लारेंस को...

उसका साक्षात्कार मार्च 2023 में प्रसारित किया गया था। अपने साक्षात्कार में, उसने कहा कि वह हत्या की साजिश के बारे में जानता था। अदालत ने कहा कि साक्षात्कार पंजाब पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में सीआईए स्टाफ खरार के परिसर में हुआ था। साक्षात्कार आयोजित करने के लिए पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी के कार्यालय का उपयोग स्टूडियो के रूप में किया गया था। साक्षात्कार के लिए सीआईए स्टाफ के परिसर में आधिकारिक वाई-फाई प्रदान किया गया था जो आपराधिक साजिश की ओर इशारा करता है। रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि रोजनामचा भी जाली और मनगढ़ंत था। इस मामले में आगे की जांच की आवश्यकता है कि ऐसा किस विचार से किया गया और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अपराधों के अलावा अन्य अपराधों के विभिन्न पहलुओं की भी जांच की जानी चाहिए, उच्च न्यायालय ने पंजाब पुलिस को दोषी ठहराते हुए कहा। पंजाब राज्य मानवाधिकार आयोग के विशेष डीजीपी प्रबोध कुमार ने न्यायालय को बताया कि एसआईटी के पास भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अपराधों सहित अन्य अपराधों की जांच करने का अधिकार नहीं है। हालांकि, न्यायालय इससे सहमत नहीं था और उसने मामले की आगे की जांच का आदेश दिया।

### नशे में...

सड़कों का जिक्र किया गया है, जिनमें एनएच-8, कंझावला रोड, एनएच-24, पटेल रोड और पंखा रोड शामिल हैं। यातायात विभाग ने कहा कि त्योहार और बढ़ते वायु गुणवत्ता सूचकांक को ध्यान में रखते हुए दिल्ली की सड़कों पर 4,000 कर्मियों को तैनात किया जाएगा, जिसमें 400 होमगार्ड शामिल हैं। इसके अलावा, वाहनों को हटाने या ले जाने के लिए 72 क्रेन तैनात किए जाएंगे और आने वाले महीनों में यातायात के प्रवाह को नियंत्रित करने के लिए 150 मोटरसाइकिलें भी मौजूद रहेंगी।

### बम धमकियों...

और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से खतरों के प्रसार की खतरनाक प्रवृत्ति का प्रभावी ढंग से जवाब देते हैं।

### त्योहार...

दिल्ली पुलिस ने कहा कि उन्होंने यातायात के सुचारू प्रवाह के लिए व्यापक व्यवस्था की है। एक वरिष्ठ यातायात पुलिस अधिकारी ने कहा कि उन्होंने सड़क पर जांच तेज कर दी है। उन्होंने कहा, हमने व्यस्त सड़कों पर अतिक्रमण की जांच के लिए बाइक पर कर्मियों को तैनात किया है, जिससे इलाके में यातायात जाम हो सकता है। बाजारों में आने वाले लोगों को भी सूचित किया जाता है कि उन्हें अपने वाहन निर्धारित स्थानों पर पार्क करने चाहिए। अधिकारी ने कहा, यातायात के प्रवाह को सुचारू बनाने के लिए कर्मियों ने अपनी बाइक पर लाउड स्पीकर लगाए हैं। गैर-निर्धारित वाहनों को राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जा रही है। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर लगातार अतिक्रमण विरोधी अभियान भी चलाए जा रहे हैं। त्योहारी सीजन को देखते हुए, दिल्ली मेट्रो ने यह भी कहा कि वह यात्रियों की सुविधा बढ़ाने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए मंगलवार और बुधवार को अतिरिक्त 60 ट्रिप शुरू करेगी। रोजाना मेट्रो के करीब 4,000 ट्रिप होते हैं।

## आरजी कर मामला : कनिष्ठ चिकित्सकों ने सीबीआई कार्यालय तक जुलूस निकाला

**कोलकाता( भाषा )।** पश्चिम बंगाल की राजधानी स्थित सरकारी आर जी कर अस्पताल में नौ अगस्त की घटना की शिकार महिला प्रशिक्षु चिकित्सक के लिए न्याय की मांग कर रहे कनिष्ठ चिकित्सकों ने बुधवार शाम को आम लोगों के साथ मशाल जुलूस निकाला। प्रशिक्षु चिकित्सक से दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या कर दी गई थी। पश्चिम बंगाल कनिष्ठ चिकित्सक मंच और कई नागरिक समाज संगठनों के प्रतिनिधियों ने साल्ट लेक के सेक्टर 3 स्थित पश्चिम बंगाल मेडिकल काउंसिल कार्यालय से सेक्टर। में सीजीओ कॉम्प्लेक्स स्थित सीबीआई कार्यालय तक रैली निकाली। जुलूस में शामिल लोगों ने हमें न्याय चाहिए जैसे नारे लगाए और सीबीआई से बलात्कार-हत्या मामले की जांच यथा शीघ्र पूरी करने की मांग की। प्रदर्शन में शामिल एक चिकित्सक ने कहा, घटना को लगभग तीन महीने हो गए हैं। सीबीआई अब भी मामले की जांच कर रही है। हम चाहते हैं कि वे अपनी जांच में तेजी लाएं। आरजी कर अस्पताल के सेमिनार हॉल से नौ अगस्त को एक महिला चिकित्सक का शव बरामद किया गया था। इसके बाद कनिष्ठ चिकित्सकों ने पीड़िता के लिए न्याय और राज्य द्वारा संचालित चिकित्सा प्रतिष्ठानों में कड़ी सुरक्षा की मांग करते हुए पूरे पश्चिम बंगाल में काम बंद आंदोलन शुरू कर दिया था। पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा अपनी मांगों को निर्धारित 24 घंटे की समय-सीमा में पूरा नहीं करने पर कनिष्ठ चिकित्सकों ने पांच अक्टूबर की रात को आमरण अनशन शुरू कर दिया। हालांकि, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ 24 अक्टूबर को बैठक के कुछ घंटे बाद उन्होंने आमरण अनशन समाप्त करने की घोषणा की।

# बांधवगढ़ में हाथियों की मौत का आंकड़ा बढ़कर सात हुआ

भाषा। उमरिया

**मध्यप्रदेश** सरकार ने बांधवगढ़ बाघ अभयारण्य (बीटीआर) में सात हाथियों की अज्ञात कारणों से हुई मौत की जांच के लिए पांच सदस्ईय समिति का गठन किया है। वन विभाग के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तीन और हाथी गंभीर हालत में हैं। अधिकारी ने बताया कि मध्यप्रदेश के वन मंत्री रामनिवास रावत के निर्देश पर अधिकारियों ने हाथियों की मौत की जांच के लिए समिति का गठन किया है। बाघ अभयारण्य के उपनिदेशक प्रकाश कुमार वर्मा ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि हाथियों की मौत कोदो बाजरा खाने से हुई है, लेकिन पोस्टमार्टम के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा।

अधिकारियों ने पहले बताया था कि मंगलवार को नियमित गश्त के दौरान बाघ अभयारण्य में चार जंगली हाथी मृत पाए गए, जबकि 13 हाथियों के झुंड के चार अन्य हाथी बीमार पाए गए। वर्मा ने बुधवार को बताया कि बांधवगढ़ बाघ अभयारण्य (बीटीआर) में अब तक सात हाथियों की मौत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि ए हाथी 13 हाथियों के झुंड का हिस्सा थे। इसमें से तीन अन्य हाथियों की हालत गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज किया जा रहा है, जबकि बीटीआर की टीमें झुंड में शामिल बाकी हाथियों की गतिविधियों पर नजर रख रही हैं। वर्मा ने मंगलवार को बताया कि अभयारण्य के खितोली रेंज के अंतर्गत सलखनिया और बकेली क्षेत्र में वन रक्षकों द्वारा नियमित गश्त के दौरान चार हाथी मृत पाए गए। वन मंत्री रावत ने मंगलवार देर रात एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बांधवगढ़ बाघ अभयारण्य में हाथियों की असामयिक मौत दुखद और हृदय विदारक है।

## पेंशनधारकों की महंगाई राहत के लिए अतिरिक्त किस्त जारी करने का आदेश

नई दिल्ली (भाषा)। केंद्र सरकार ने दिवाली से पहले बुधवार को पेंशनधारकों के लिए महंगाई राहत की अतिरिक्त किस्त देने का आदेश जारी किया। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 16 अक्टूबर को केंद्र सरकार के कर्मचारियों के साथ-साथ पेंशनधारकों को तीन प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) की अतिरिक्त किस्त की मंजूरी दी थी। यह वृद्धि एक जुलाई, 2024 से की गई थी। कार्मिक मंत्रालय ने बयान में कहा कि पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने केंद्र सरकार के सभी पेंशनभोगियोंपारिवारिक पेंशनधारकों के लिए 30 अक्टूबर, 2024 को एक आदेश जारी किया है। बयान के अनुसार, अब पारिवारिक पेंशनधारकों सहित केंद्र सरकार के पेंशनधारक महंगाई भत्ते और महंगाई राहत की उच्च राशि प्राप्त करने के हकदार हैं।

# रक्षा उत्पादन और निर्यात में देश की यात्रा पर हर भारतीय गर्व कर सकता है: मोदी

भाषा। नई दिल्ली

**प्रधानमंत्री** नरेन्द्र मोदी ने रक्षा उत्पादन और निर्यात में देश की वृद्धि की सराहना करते हुए बुधवार को कहा कि हर भारतीय इस यात्रा पर गर्व कर सकता है। इसके साथ ही उन्होंने स्टार्टअप्स, निर्माताओं और नवेन्मेषकों को इस क्षेत्र का हिस्सा बनने का आह्वान किया। सोशल मीडिया मंच लिंक्डइन पर एक पोस्ट में उन्होंने युवाओं, स्टार्टअप्स, निर्माताओं और नवेन्मेषकों से कहा कि भारत का रक्षा क्षेत्र उन्हें बुला रहा है। उन्होंने कहा, यह इतिहास का हिस्सा बनने का उनका अवसर है।

मोदी ने कहा, भारत को आपकी विशेषज्ञता और उत्साह की जरूरत है। नवाचार के लिए दरवाजे खुले हैं, नीतियां सहायक हैं, और अवसर अभूतपूर्व है। साथ मिलकर, हम भारत को न केवल रक्षा में आत्मनिर्भर बनाएंगे, बल्कि रक्षा विनिर्माण में एक वैश्विक नेता बनाएंगे। उन्होंने भारत की रक्षा क्रांति ने उड़ान भरी शीर्षक से लिखे आलेख में कहा, आइए, साथ मिलकर एक मजबूत, आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करें। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस समय रक्षा बलों को महत्वपूर्ण उपकरणों की कमी का सामना करना पड़ता था, उस समय से लेकर आज आत्मनिर्भरता के युग तक, यह ऐसी यात्रा है जिस पर हर भारतीय गर्व कर सकता है।वडोदरा में स्पेन के शासनाध्यक्ष पेद्रो सांचेज के साथ संयुक्त रूप से सी-295 विमान विनिर्माण परिसर का उद्घाटन करने के कुछ दिन बाद मोदी ने इसे भारत की रक्षा और एयरोस्पेस यात्रा में एक ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने कहा, निष्पादन की गति शानदार है। शिलान्यास के बाद केवल दो वर्षों में परिचालन सुविधा तकउ यह नई कार्य संस्कृति और भारत के लोगों की क्षमता की स्पष्ट अभिव्यक्ति है। अपने दावे के समर्थन में आंकड़े देते हुए, मोदी ने कहा कि भारत का रक्षा उत्पादन 1.27 लाख करोड़ रुपए (2023-24) तक बढ़ गया है और इसका निर्यात 2014 में ।,000 करोड़ रुपए से बढ़कर आज 21,000 करोड़ रुपए हो गया है। उन्होंने कहा कि केवल तीन वर्षों में 12,300 से अधिक वस्तुओं का उत्पादन स्वदेश में किया गया है और रक्षा पीएसयू द्वारा घरेलू विक्रेताओं में 7,500 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया गया है।उन्होंने कहा कि रक्षा अनुसंधान और विकास बजट का 25 प्रतिशत उद्योग के नेतृत्व वाले नवाचार के लिए समर्पित था। उन्होंने कहा कि संख्या के अलावा ऐसी चीजें भी हैं जो हर किसी को बहुत खुश करेंगी।प्रधानमंत्री ने कहा कि संपूर्ण रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में बदलाव हो रहा है।उन्होंने कहा, विनिर्माण में, स्वदेशी युद्धपोत पानी में गश्त कर रहे हैं जबकि मेड-इन-इंडिया मिसाइलों ने देश की जवाबी क्षमता को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि घरेलू स्तर पर निर्मित बुलेटप्रूफ जैकेट सैनिकों की रक्षा कर रहे हैं और भारत रक्षा में आत्मनिर्भर बन रहा है और शीर्ष रक्षा उपकरण निर्माता बनने के लिए भी काम कर रहा है।प्रधानमंत्री ने कहा कि जहां तक रणनीतिक बुनियादी ढांचे का सवाल है, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में दो आधुनिक रक्षा गलियारे बन रहे हैं।उन्होंने कहा कि नवाचार के क्षेत्र में रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवोन्मेष (आईडेक्स) पूरे स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को शक्ति प्रदान कर रहा है और एमएसएमई रक्षा आपूर्ति श्रृंखला का अभिन्न अंग बन रहे हैं, जबकि उद्योग-अकादमिक भागीदारी अनुसंधान और विकास को बढ़ावा दे रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन सबके परिणामस्वरूप आयात पर निर्भरता कम हुई है, रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन हुआ है, युवाओं का कौशल विकास हुआ है और रक्षा क्षेत्र में एमएसएमई को बढ़ावा मिला है।



## भारतीय युवा नवाचार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ

**नई दिल्ली**।(भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारतीय युवा नवाचार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ हैं।प्रधानमंत्री ने यह बात टिप्पणी माइक्रोसॉफ्ट के डेवलपर प्लेटफॉर्म गिटहब के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) थॉमस डोह्मके की उस टिप्पणी के जवाब में कही जिसमें उन्होंने कहा था कि वैश्विक प्रौद्योगिकी दिग्गज के रूप में भारत के उदय को रोकना मुश्किल है। डोह्मके ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, बेशक, मुझे भारत के लिए कुछ प्यार दिखाना होगा। अब भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती डेवलपर आबादी है और वैश्विक टेक टाइटन के रूप में भारत के उदय को रोकना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि भारत के डेवलपर्स एक लंबी छलांग लगा रहे हैं क्योंकि वे एआई बनाने के लिए एआई (कृत्रिम मेधा) का लगातार उपयोग कर रहे हैं।उन्होंने कहा, सार्वजनिक उत्पादक एआई परियोजनाओं में योगदानकर्ताओं की संख्या के मामले में भारत दूसरे स्थान पर है। इससे इस बात की अधिक संभावना है कि अगली बड़ी एआई बहुराष्ट्रीय कंपनी इस महाद्वीप से निकलेगी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मोदी ने कहा, जब नवोन्मेष और प्रौद्योगिकी की बात आती है तो भारतीय युवा सर्वश्रेष्ठ हैं।डोह्मके ने कहा कि उनके मंच पर जनरेटिव एआई परियोजनाओं में अमेरिका के बाद भारतीय दूसरे सबसे बड़े योगदानकर्ता हैं।

## नेशनल कॉन्फ्रेंस केंद्र शासित प्रदेश के स्थापना दिवस समारोह से दूर रहेगी

**श्रीनगर।** जम्मू-कश्मीर में सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस ने बुधवार को कहा कि वह 31 अक्टूबर को आयोजित किए जा रहे केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) के स्थापना दिवस समारोह में शामिल नहीं होगी क्योंकि वह इस दर्जे को स्वीकार नहीं करती और यथाशीघ्र पूर्ण राज्य का दर्जा चाहती है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता तनवीर सादिक ने यहां संवाददाताओं से कहा, पार्टी की ओर से कोई भी यूटी स्थापना दिवस समारोह में शामिल नहीं होगा क्योंकि हमें यह दर्जा स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस का मानना है कि पांच अगस्त 2019 को तत्कालीन राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित करने काकेंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित करने का फैसला गैर कानूनी, असंवैधानिक और अनैतिक था। सादिक ने कहा, हम यथाशीघ्र जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करना चाहते हैं ताकि हम अन्य राज्यों की तरह इस दर्जे का आनंद ले सकें। पार्टी प्रवक्ता ने यह भी कहा कि सरकार दरबार मूव को बहाल करेगी। इसके तहत हर साल सर्दियों में राजधानी जम्मू और गर्मियों में श्रीनगर को बनाया जाता है। सादिक ने कहा, दरबार मूव जम्मू-कश्मीर की विरासत है। हमने अपने चुनाव घोषणा पत्र में भी इस परंपरा को बहाल करने का वादा किया था। यह कदम प्रत्यक्ष रूप से राज्य के दर्जे से जुड़ा है और इसलिए हम इसे बहाल करना चाहते हैं। एक बार राज्य का दर्जा बहाल हो जाए तो दरबार मूव पर भी अमल शुरू हो जाएगा।

## अखनूर में मुठभेड़ में मारे गए आतंकी जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े थे

जम्मू। जम्मू क्षेत्र के अखनूर सेक्टर में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए तीन आतंकवादी प्रतिबंधित संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) समूह के सदस्य थे और उन्होंने हाल में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से इस क्षेत्र में घुसपैठ की थी। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक आतंकवादी एक बड़े हमले की योजना बना रहे थे, तथा अखनूर मार्ग का इस्तेमाल कर रहे थे, जिसका इस्तेमाल पारंपरिक रूप से प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकवादियों द्वारा किया जाता है। खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, आतंकवादी बट्टल क्षेत्र के माध्यम से अखनूर में घुसे थे और उनके पास से जब्त वायरलेस सेट से उनके जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने की पुष्टि हुई है। अधिकारियों ने बताया कि घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों की सामान्य रणनीति के विपरीत ए आतंकवादी कथित तौर पर एक बड़े हमले की योजना बना रहे थे। सेना की 10वीं इन्फैंट्री डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल समीर श्रीवास्तव के इस दावे के बावजूद कि इस क्षेत्र में लंबे समय से घुसपैठ नहीं हुई है, अधिकारियों ने बताया कि पिछले वर्ष दिसंबर और अप्रैल में आतंकवादी गतिविधियों की पूर्व रिपोर्ट मिली थी। मेजर जनरल श्रीवास्तव ने संकेत दिया था कि क्षेत्र में आतंकवादी छोटे-छोटे समूहों में सक्रिय थे और योजनाबद्ध हमले के लिए अखनूर की ओर बढ़ रहे थे। यह मुठभेड़ सोमवार सुबह उस समय शुरू हुई जब बट्टल स्थित शिव मंदिर आसन में दर्शन करने गए तीन स्थानीय लड़कों का सामना लड़ाकू पोशाक पहने सशस्त्र आतंकवादियों से हो गया। जब लड़कों ने पूछा कि क्या वे सैन्यकर्मी हैं तो आतंकवादियों ने आक्रामक प्रतिक्रिया व्यक्त की तथा लड़कों को धमकी दी कि यदि उन्होंने किसी को उनकी मौजूदगी के बारे में बताया तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। आतंकवादियों ने लड़कों का तब तक पीछा किया जब तक वे मुख्य सड़क तक नहीं पहुंच गए। जैसे ही आतंकवादियों ने सड़क पर दो सैन्य वाहन - एक मारुति जिप्सी और एक एम्बुलेंस - देखे, उन्होंने सेना के काफिले को निशाना बनाकर गोलीबारी शुरू कर दी और मंदिर की ओर भाग गए। जवाब में, विशेष बलों और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के कमांडो ने तेजी से अभियान शुरू किया, जिसके परिणामस्वरूप सभी तीन आतंकवादी मारे गए।

## चिनफिंग और प्रधानमंत्री मोदी की बैठक बहुत अहम : चीनी राजदूत

कोलकाता। भारत में चीन के राजदूत शू फेइहोंग ने बुधवार को कहा कि रूस के कजान में हाल में संपन्न ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ हुई बैठक बहुत ही अहम है। चीनी राजनयिक ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में दोनों नेताओं के बीच यह पहली औपचारिक वार्ता थी, जिसमें महत्वपूर्ण सहमति बनी तथा दोनों पड़ोसियों के बीच संबंधों के आगे बढ़ाने के लिए दिशा-निर्देश तय किए गए। मर्चेंट चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा यहां आयोजित एक सत्र को संबोधित करते हुए चीनी राजनयिक ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच भारत-चीन संबंधों को सुधारने और विकसित करने पर महत्वपूर्ण आम सहमति बनी और उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को पटरी पर वापस लाने की रूपरेखा तय की। मोदी और चिनफिंग की 23 अक्टूबर को रूस के कजान में बैठक हुई थी। पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन सीमा पर पूरी तरह से सैनिकों की वापसी को लेकर पूछे गए एक सवाल पर चीनी राजदूत ने कहा, मुझे उम्मीद है कि इस आम सहमति के आलोक में भविष्य में संबंध सुचारू रूप से आगे बढ़ेंगे और दोनों पक्षों के बीच संबंध विशिष्ट असहमतियों के कारण सीमित या बाधित नहीं होंगे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मतभेदों को कैसे दूर किया जाए। चीन और भारत के बीच सीधी उड़ानें फिर से शुरू होने के संदर्भ में उन्होंने कहा, एक राजदूत के तौर पर मैं इसका इंतजार कर रहा हूं क्योंकि इससे समय की बचत होगी। मैं न केवल राजनीति में बल्कि व्यापार में भी सुचारू सहयोग की उम्मीद कर रहा हूं।

# सलमान को फिर मिली जान से मारने की धमकी

## दो करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी, एक गिरफ्तार



मुंबई। (भाषा) अभिनेता सलमान खान से कथित तौर पर दो करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई है और न देने पर उन्हें मार डालने की धमकी दी गई है। मुंबई पुलिस ने इस मामले में बांद्रा निवासी एक व्यक्ति को बुधवार को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।अधिकारी ने बताया कि मुंबई यातायात पुलिस को मंगलवार को एक गुमनाम संदेश मिला, जिसमें धमकी दी गई है कि अगर अभिनेता ने दो करोड़ रुपए नहीं दिए तो उन्हें जान से मार दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्ली पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की।अधिकारी ने बताया कि बुधवार को पुलिस ने बांद्रा (पूर्व) निवासी आजम मोहम्मद मुस्तफा नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। उस पर सलमान खान को कथित तौर पर जान से मारने की धमकी देने और उनसे दो करोड़ रुपए मांगने का आरोप है।सलमान खान मुंबई के पॉश इलाके बांद्रा (पश्चिम) के गैलेक्सी अपार्टमेंट में रहते हैं, जहां अप्रैल में दो मोटरसाइकिल सवार लोगों ने गोलीबारी की थी। इस महीने के प्रारंभ में भी मुंबई यातायात पुलिस की व्हॉट्सऐप हेल्पलाइन डेस्क को एक धमकी भरा संदेश मिला था जिसमें अभिनेता से पांच करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई थी। पुलिस ने इस सिलसिले में झारखंड के जमशेदपुर से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। मुंबई पुलिस ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के नोएडा से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जिस पर सलमान खान और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता जीशान सिद्दीकी को जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। जीशान के पिता बाबा सिद्दीकी की 12 अक्टूबर को बांद्रा (पूर्व) में तीन बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। खान को पहले लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जान से मारने की धमकियां मिली थीं।

## ब्रिटेन के महाराज चार्ल्स निजी यात्रा पर बेंगलुरु पहुंचे

**बेंगलुरु।** ब्रिटेन के महाराज चार्ल्स निजी यात्रा पर बेंगलुरू पहुंचे हैं और यहां वह व्हाइटफील्ड के पास एक एकीकृत चिकित्सा सुविधा केंद्र में ठहरे हुए हैं। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि पिछले वर्ष छह मई को ब्रिटेन के महाराज के रूप में उनके राज्याभिषेक के बाद यह उनकी भारत की पहली यात्रा है। उनके साथ रानी कैमिला भी यहां पहुंची हैं। एक अधिकारी ने बताया, दंपति जहां अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान ठहरा हुआ है, वह समग्र केंद्र योग और ध्यान सत्रों तथा उपचारों सहित कायाकल्प उपचार के लिए जाना जाता है। वे इस सप्ताह के मध्य तक वापस चले जाएंगे। उन्होंने कहा, वे केंद्र के चारों ओर लंबी सैर का आनंद ले रहे हैं और जैविक खेतों में भी सैर कर रहे हैं।

# देश से माफी मांगे कांग्रेस

### निर्वाचन आयोग की ओर से आरोपों को खारिज करने के बाद भाजपा ने कहा

**नई दिल्ली।** (भाषा) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने निर्वाचन आयोग की ओर से हरियाणा विधानसभा चुनाव में अनियमितताओं के कांग्रेस के आरोपों को तुच्छ और निराधार बताकर खारिज किए जाने के बाद बुधवार को प्रमुख विपक्षी पार्टी से कहा कि उसे इस मुद्दे पर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए और देश से माफी भी मांगनी चाहिए।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भेजे एक पत्र में आयोग ने कहा कि इस तरह के तुच्छ और बेबुनियाद संदेह अशांति पैदा करने की क्षमता रखते हैं, खासकर मतदान और मतगणना जैसे महत्वपूर्ण चरण में, जब राजनीतिक दलों और जनता की बेचैनी चरम पर होती है। हरियाणा में पांच अक्टूबर को हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 90 में से 48 सीटें जीतकर अपनी सत्ता बरकरार रखी, जबकि कांग्रेस 37, इनेलो दो और निर्दलीय तीन सीटों पर विजई रहे।आठ पन्नों के पत्र के मुताबिक, कांग्रेस ने हरियाणा की 26 विधानसभा सीटों के कुछ मतदान केंद्रों पर गिनती के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के कंट्रोल यूनिट पर बैटरी का स्तर 99 फीसदी दिखने पर सवाल उठाए थे और स्पष्टीकरण मांगा था।आयोग ने कहा, इस चिंता में कंट्रोल यूनिट को बदले जाने की आशंका छिपी हुई थी। इस मुद्दे पर कांग्रेस पर हमला करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, ।,642 पन्नों में चुनाव आयोग ने कांग्रेस को उसके निराधार और निरर्थक आरोपों पर विस्तृत जवाब दिया है। पार्टी अब पूरी तरह से बेनकाब हो चुकी है। उसे किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास नहीं है और वह भारत की व्यवस्था को कमजोर करने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस जिस तरीके से संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा को कम करने की कोशिश कर रही है, वह न केवल हास्यास्पद है बल्कि संदेहास्पद भी है।भाजपा प्रवक्ता ने कहा, इसलिए, चुनाव आयोग के जवाब के बाद कांग्रेस को देश से माफी मांगनी चाहिए और आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। निर्वाचन आयोग ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में अनियमितता से संबंधित कांग्रेस के आरोपों को खारिज करते हुए मंगलवार को कहा था कि पार्टी पूरे चुनाव नतीजों की विश्वसनीयता के बारे में उसी तरह का संदेह पैदा कर रही है, जैसा उसने अतीत में किया था।

## दिवाली वंचितों की सहायता करने और खुशियां साझा करने का अवसर: राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिवाली की पूर्व संध्या पर बुधवार को देशवासियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि यह त्योहार वंचितों एवं जरूरतमंदों की मदद करने और उनके साथ खुशियां साझा करने का भी अवसर है। उन्होंने कहा, दिवाली के शुभ अवसर पर हमें अपनी अंतरात्मा को रोशन करना चाहिए, प्रेम और करुणा के गुणों को अपनाना चाहिए और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देना चाहिए। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा, यह त्योहार वंचितों और जरूरतमंदों की मदद करने तथा उनके साथ अपनी खुशियां साझा करने का भी एक अवसर है। मुर्मू ने कहा कि दिवाली खुशी और उत्साह का त्योहार है। राष्ट्रपति ने कहा, यह त्योहार अज्ञानता पर ज्ञान और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। भारत और विदेशों में विभिन्न समुदाय इस त्योहार को बड़े उत्साह के साथ मनाते हैं। उन्होंने कहा कि यह त्योहार उज्ज्वल भविष्य की उम्मीद जगाता है। देश और विदेश में रहने वाले सभी भारतीयों को दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए मुर्मू ने कहा, हमें भारत की गौरवशाली विरासत पर गर्व होना चाहिए। अच्छाई में विश्वास के साथ, आइए हम प्रदूषण मुक्त दिवाली मनाएं और एक स्वस्थ, समृद्ध और जिम्मेदार समाज बनाने का संकल्प लें।

## पटाखे से सबसे ज्यादा नुकसान आंखों को

**वाराणसी।** बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी के क्षेत्रीय नेत्र संस्थान के विभाग अध्यक्ष एवं नेत्र चोट कैंसर एवं ऑक्टोप्लास्टिक के सर्जन प्रोफेसर डॉ राजेंद्र प्रकाश मौर्य ने बताया कि पटाखे से निकले वाली जहरीली गैस तथा दुआएं तथा तेज आवाज वातावरण मैं वायु व ध्वनि प्रदूषण का स्तर बढ़ा देता है। जिसके फल स्वरुप दमा बांक?इटिस ए उच्च रक्तचापए कान का बहरापन हो सकता है। मगर आती सभा जी से सबसे ज्यादा क्षति आंखों को पहुंचती है। पटाखे से निकलने वाली जहरीले हुए एवं रामायण से आंखों की एलर्जी हो सकती है जिसमें आंखों में जलनए खुजली दर्द तथा आंखें लाल हो जाते हैं। पटाखे से निकलने वाले बारूद के कण आंखों में जाकर स्वच्छ पटेल में चिपक जाते हैं जिससे में घावध्अल्सर हो जाता है। विस्फोटक हटके के छठ के से आंख का पर्दा ;रेटिनाद्ध व लेंस अपनी से घिसक सकता हैए आंख के अंदर रक्त छात्र हो सकता है या नीचे गोल कभी फट सकता है और आंख बाद में बैठ जाती है। पर जानकारी देते हुए डॉक्टर मौर्य बताते हैं कि आतिशबाजी के दौरान आंखों में गंभीर चोट का प्रमुख कारण। पटाखे को गलत तरीके से तथा और स्वावधानी पूर्वक चलाने के कारण तथा खराब गुणवत्ता वाले पटाखे के प्रयोग से। उन्होंने बताया कि यूं तो सभी प्रकार की आतिशबाजी से आंखों के चोटिल होने की संभावना होती है मगर हमारे देश में गंभीर नेत्र चोट पटाखा बमए अनार बम एवं रॉकेट से होता है। डीआर आरसी मौर्य बताते हैं की ताजा आंकड़ों के अनुसार सभी नेत्र चोट का लगभग दो प्रतिशत आतिशबाजी के कारण होता है। लगभग 50: मामले में चोट के शिकार बच्चे होते हैं। लगभग 65 प्रतिशत पटाखे से छोटे व्यक्ति दर्शन होते हैं शेष सक्रिय रूप से पटाखा जलाने वाले होते हैं।

# कीर्तिनगर में किशोरी के जबरन धर्मांतरण छेड़छाड़ के मामले में तीन लोग गिरफ्तार

**नई टिहरी।**(भाषा) उत्तराखंड में टिहरी जिले के कीर्तिनगर में कथित रूप से एक नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ करने, उसका अपहरण करने तथा बहला-फुसलाकर उसे धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। टिहरी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आयुष अग्रवाल ने बुधवार को बताया कि आरोपी नाई सलमान उर्फ ईशान (23) और उसके भाई शान मलिक (24) को उत्तर प्रदेश के नजीबाबाद में उनके घर से मंगलवार शाम गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि लड़की को आरोपियों के साथ भगाने में मदद करने वाले स्थानीय व्यक्ति राकेश नेगी को कीर्तिनगर के जाखणी से गिरफ्तार किया गया। पता चला है कि उसने ही लड़की को घर से बुलाया तथा सलमान तथा शान के साथ भागने में मदद की। अग्रवाल ने बताया कि घटना के संबंध में सोमवार शाम को 16 वर्षीय इस लड़की की मां ने कीर्तिनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। लड़की 10वीं कक्षा में पढ़ती है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि लड़की की मां ने शिकायत में सलमान पर उसकी पुत्री से छेड़छाड़ करने तथा उसका धर्मांतरण करने का प्रयास करने का आरोप लगाया था। और उसी दिन देर रात करीब 11 बजे लड़की अपने घर से गायब हो गई। अग्रवाल ने बताया कि उसके गायब होने के तुरंत बाद टीम गठित की गई जिन्होंने आरोपियों की कॉल डिटेल तथा सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण के आधार पर उसे करीब 12 घंटे में ढूंढ लिया एवं नजीबाबाद के गढ़ी थानाक्षेत्र के मोजमपुर तुलसी से उसे बरामद कर लिया।

## जब तक आतंकवादी घुसपैठ करते रहेंगे, मारे जाते रहेंगे: फारूक अब्दुल्ला

**जम्मू।** नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने बुधवार को यहां कहा कि जब तक आतंकवादी देश में घुसपैठ करते रहेंगे, मुठभेड़ में मारे जाते रहेंगे। अब्दुल्ला ने यहां संवाददाताओं से कहा, मुठभेड़ होती रहेंगी। आतंकवादी आते रहेंगे और हम उन्हें मार गिराते रहेंगे। वह अखनूर में हाल में एक मुठभेड़ में तीन आतंकवादियों की मौत के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। क्या इस बार जम्मू कश्मीर में दरबार मूव होगा या नहीं, इसके जवाब में अब्दुल्ला ने कहा, दरबार निश्चित रूप से होगा।

## तेलंगाना कांग्रेस ने केंद्र से अगले साल होने वाली जनगणना में ओबीसी को शामिल करने की मांग की

हैदराबाद। तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने बुधवार को एक बैठक में एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार से मांग की कि अगले साल प्रस्तावित जनगणना में ओबीसी जातीय जनगणना को शामिल किया जाए।कांग्रेस की इस बैठक में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और अन्य नेता मौजूद थे। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष बी महेश कुमार गौड़ ने संवाददाताओं से कहा कि राज्य सरकार द्वारा किए गए व्यापक सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक, रोजगार और राजनीतिक तथा जातीय सर्वेक्षण पर चर्चा करने के लिए बैठक बुलाई गई थी।उन्होंने कहा, टीपीसीसी ने 2025 में जनगणना कराने के भारत सरकार के फैसले का संज्ञान लिया। टीपीसीसी ने भारत सरकार से यह मांग करने का प्रस्ताव पारित किया कि आगामी दशकीय जनगणना में ओबीसी जातीय जनगणना को शामिल किया जाए। इस संबंध में भारत सरकार को तत्काल आदेश जारी करना चाहिए। प्रस्ताव में कहा गया है कि जनगणना के तहत अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लोगों की गिनती होगी, वहीं ओबीसी जातीय जनगणना भी होनी चाहिए। मुख्यमंत्री रेड्डी ने कहा कि इस मुद्दे पर सरकार की ओर से एक प्रस्ताव राज्य केंद्र सरकार को भेजा जाएगा।कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान देश में जातीय जनगणना कराने की वकालत की थी और आबादी के अनुपात में संसाधनों के बंटवारे का विचार रखा था। गौड़ ने राज्य में जातीय सर्वेक्षण कराने के लिए कांग्रेस सरकार की प्रशंसा की।

## अमेरिका-चीन विवाद को अपने लाभ का अवसर नहीं मानता है भारत: गोयल

**नई दिल्ली।** वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि अमेरिका एवं चीन के बीच जारी व्यापारिक तनाव को भारत अपने लाभ के लिए एक अवसर के रूप में नहीं देख रहा है और वह अपनी मजबूती के दम पर खड़ा है। गोयल ने सऊदी अरब के रियाद में आठवें फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत अपार संभावनाओं से भरपूर है और दुनिया उभरते बाजारों के साथ मजबूत संबंध बना रही है। उन्होंने कहा, भारत अमेरिका-चीन तनाव को अपने लाभ का जरिया नहीं मानकर चलता है। हमारा मानना है कि हम अपने लोकतंत्र, कानून के शासन, हमारी युवा आबादी की ताकत और हमारे जनसांख्यिकीय लाभांश के बल पर अपने पैरों पर खड़े हो सकते हैं।

# निर्वाचन आयोग की फटकार को गंभीरता से ले कांग्रेस जनादेश को कलंकित करने से बाज आए:जद (यू)

**नई दिल्ली।** (भाषा) जनता दल (यूनाईटेड) ने निर्वाचन आयोग की ओर से हरियाणा विधानसभा चुनाव में अनियमितता से संबंधित कांग्रेस के आरोपों को खारिज किए जाने के बाद बुधवार को देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी पर निशाना साधा और नसीहत दी कि उसे इस फटकार को गंभीरता से लेते हुए भविष्य में जनादेश को कलंकित करने से बाज आना चाहिए।

जद (यू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने एक बयान में निर्वाचन आयोग की ओर से दिए गए जवाब का हवाला देते हुए कहा कि इससे कांग्रेस के होश ठिकाने लग जाने चाहिए।निर्वाचन आयोग ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में अनियमितता से संबंधित कांग्रेस के आरोपों को खारिज करते हुए मंगलवार को कहा था कि पार्टी पूरे चुनाव नतीजों की विश्वसनीयता के बारे में उसी तरह का संदेह पैदा कर रही है, जैसा उसने अतीत में किया था।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भेजे एक पत्र में आयोग ने कहा कि इस तरह के तुच्छ और बेबुनियाद संदेह अशांति पैदा करने की क्षमता रखते हैं, खासकर मतदान और मतगणना जैसे महत्वपूर्ण चरण में, जब राजनीतिक दलों और जनता की बेचैनी चरम पर होती है। हरियाणा में पांच अक्टूबर को हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 90 में से 48 सीटें जीतकर अपनी सत्ता बरकरार रखी, जबकि कांग्रेस 37, इनेलो दो और निर्दलीय तीन सीटों पर विजई रहे। आठ पन्नों के पत्र के मुताबिक, कांग्रेस ने हरियाणा की 26 विधानसभा सीटों के कुछ मतदान केंद्रों पर गिनती के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के कंट्रोल यूनिट पर बैटरी का स्तर 99 फीसदी दिखने पर सवाल उठाए थे और स्पष्टीकरण मांगा था।

आयोग ने कहा, इस चिंता में कंट्रोल यूनिट को बदले जाने की आशंका छिपी हुई थी। निर्वाचन आयोग के जवाब के बाद प्रसाद ने इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, आयोग ने एक बार फिर कांग्रेस को आईना दिखाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जब भी चुनाव हारती है तो वह आयोग पर ठीकरा फोड़ने का काम करती है और कभी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) तो कभी आयोग के फैसलों पर सवाल खड़े करती है।उन्होंने कहा, इस तरह से जनादेश को बार-बार विवादों के दायरे में लाने का काम कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के घटक दल पहले भी करते रहे हैं। कांग्रेस, विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस की एक प्रमुख घटक दल है। इसमें राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और समाजवादी पार्टी जैसी अन्य विपक्षी पार्टियां भी शामिल हैं।प्रसाद ने कहा कि आयोग ने संबद्ध पक्षों से बातचीत के आधार पर और काफी तार्किक विवेचना कर एक विस्तृत जवाब कांग्रेस को दिया है।उन्होंने कहा, अब, कांग्रेस के होश ठिकाने लग जाने चाहिए। जहां वह जीतती है, वहां ईवीएम और आयोग अच्छा हो जाता है और जहां वह हारती है, वहां ईवीएम औरर आयोग पर सवाल उठाना उसकी आदती सी बन चुकी है। उन्होंने कहा, उम्मीद है कि कांग्रेस आयोग की इस फटकार को गंभीरता से लेगी और भविष्य में कभी जनादेश को कलंकित करने का काम नहीं करगी। कांग्रेस के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए आयोग ने यह भी कहा था कि किसी भी वैधानिक चुनावी कदम से समझौता किए जाने का कोई सबूत नहीं होने के बावजूद कांग्रेस चुनाव नतीजों की विश्वसनीयता के बारे में उसी तरह का संदेह पैदा कर रही है, जैसा उसने अतीत में किया था।आयोग ने कांग्रेस से आग्रह किया कि वह पार्टी के बड़े और शानदार रुतबे के अनुरूप अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाने के लिए ठोस कदम उठाए।

## कर्ज धोखाधड़ी मामले में 185 करोड़ रुपए की संपत्ति बैंकों को लौटाई: प्रवर्तन निदेशालय

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कहा कि उसने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के नेतृत्व वाले बैंकों के समूह को 185 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति लौटा दी है। इस मामले में चंडीगढ़ की दवा कंपनी ने कथित तौर पर कर्ज धोखाधड़ी के जरिए जालसाजी की थी। यह मामला सूर्या फार्मास्युटिकल लि. से संबंधित है। कंपनी वर्तमान में परिसमापन प्रक्रिया से गुजर रही है। इसके निदेशकों और प्रवर्तकों में राजीव गोयल और अलका गोयल शामिल हैं। इन लोगों ने धोखाधड़ी कर बैंकों को 828.50 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाया। ईडी ने सीबीआई की प्राथमिकी का संज्ञान लेते हुए आरोपी कंपनी और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया। एजेंसी ने बयान में कहा कि कंपनी ने फर्जी दस्तावेजों का उपयोग कर कर्ज प्राप्त किया। अंतर्देशीय साख पत्र (आईएलसी) जारी करने को लेकर चालान, परिवहन विवरण, माल ढुलाई रसीद इत्यादि जैसे फर्जी दस्तावेज का उपयोग किया गया था। बाद में सूर्या फार्मास्युटिकल ने समूह की कंपनियों और मुखौटा इकाइयों का उपयोग कर पैसे की हेराफेरी की।

सभी का संकल्प है

आप सभी क्षेत्रवासियों को

विजय ही विकल्प है

# दीपावली भईया दूज व गोवर्धन पूजा की हार्दिक शुभकामनाएँ

## डॉ. विजय सिंह नम्बरदार, वज़ीरपुर

M. 9873949040, 8882070019

## 'मेयर' प्रत्याशी

जनप्रिय पंचायती उम्मीदवार नगर निगम, मानेसर

# LIONS PUBLIC SCHOOL

(Sr. Sec. School Affiliated to CBSE)

Sec-10A, Gurugram, Tel: 0124 2371526, 2370020

E-mail : lionspublicschool@yahoo.com, Log On :- www.lionspublicschool.com

## SPECIAL FEATURES

- Holistic Education
- Congenial Atmosphere
- Imbibing Moral & Ethical Values
- Encouraging Creativity In Children & Staff
- Focus on all Types of Cultural Activities
- Well Equipped School To Face The Competitive World.
- Well Equipped Labs :- Science, Robotics, Maths, Language
- Tech Enabled Classrooms
- Trained, Experienced & Technology Oriented Teachers
- Excelling In TT, Volleyball & Other Sports Activities
- Transport Facility To almost all Parts of Gurugram
- Tours and Excursions- Part of Curriculum

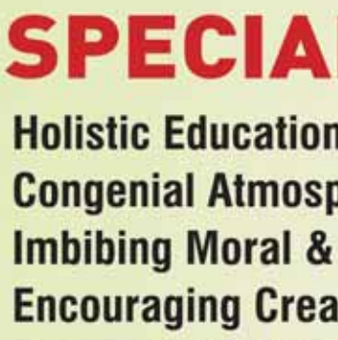

Ms Dipinder Kaur
Principal

Mr. Rajiv Kumar
Manager

Lion Dr KS Dhaka
Chairman

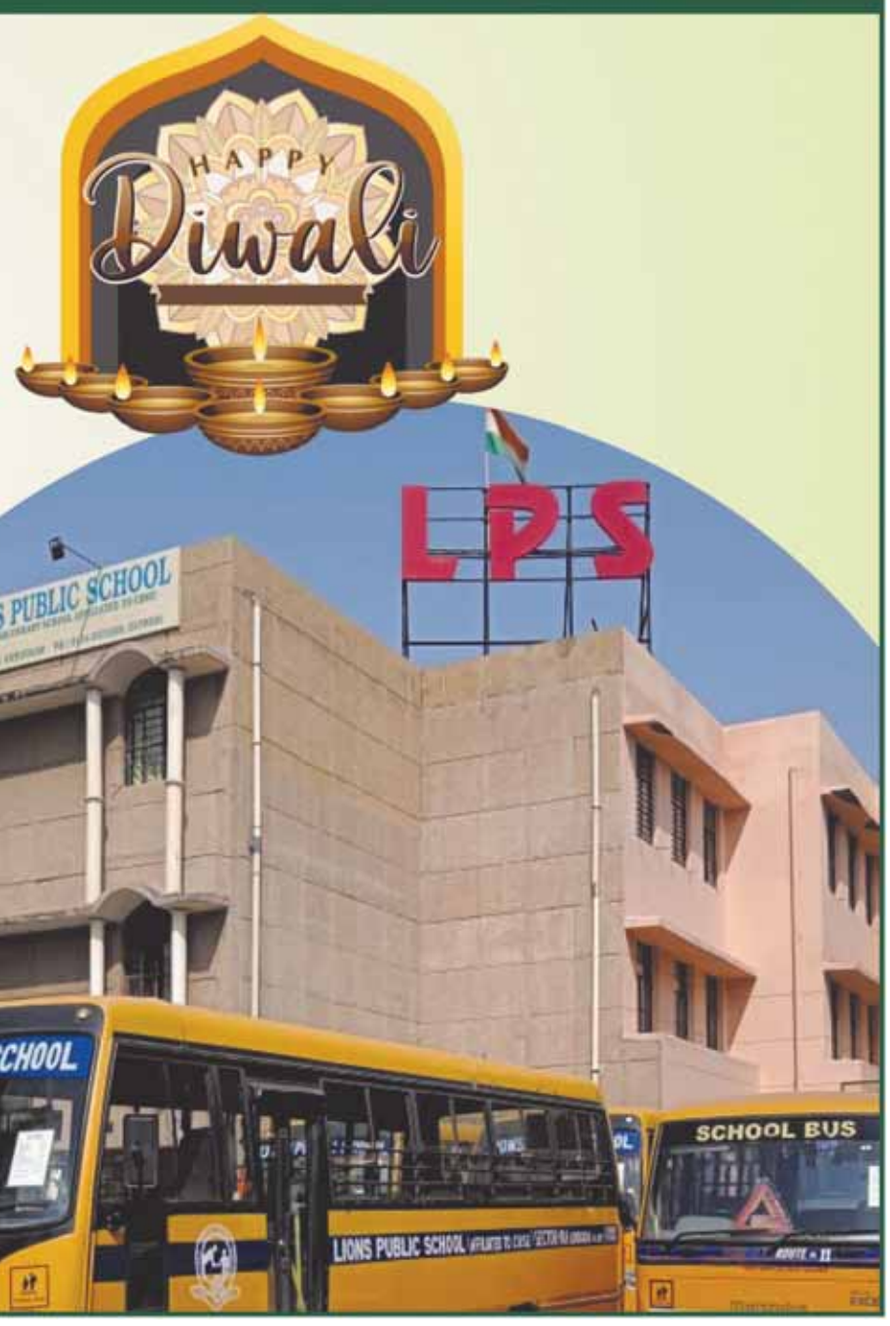

# भारतीय खिलाड़ियों ने नेट सत्र में जमकर तैयारी की

**भाषा।** मुंबई

**न्यूजीलैंड** के खिलाफ 0-2 से पिछड़कर घरेलू श्रृंखला गंवा चुकी भारतीय टीम ने स्टीक गेंदबाजी कर रहे मेहमान टीम के गेंदबाजों, विशेषकर स्पिनरों के खिलाफ बल्लेबाजों के प्रदर्शन सुधार के लिए जमकर पसीना बहाया क्योंकि यहां तीसरे टेस्ट में भी स्पिन की अनुकूल पिच होने की चर्चा है।वानखेड़े स्टेडियम में नेट सत्र से पता चलता है कि शुक्रवार से शुरू हो रहे अंतिम टेस्ट से पहले टीम प्रबंधन कितना तत्पर है क्योंकि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी बल्लेबाज इस टेस्ट श्रृंखला में अब तक उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। नेट सत्र से पहले उन्होंने मैदानकर्मियों को चार अभ्यास नेट पर अतिरिक्त सफेद लाइन खींचने के लिए कहा। ऐसा आम तौर पर इसलिए किया जाता है जिससे कि बल्लेबाजों को गेंद की लाइन और लेंथ की जानकारी रहे। बेंगलुरू में पहले टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजों ने सटीक लाइन और उछाल लेती गेंदों के खिलाफ घुटने टेके जबकि पुणे में दूसरे मुकाबले में बाएं हाथ के स्पिनर मिशेल सेंटनर ने दो पारियों में 13 विकेट चटकाए। पारंपरिक स्पिन के विपरीत भारतीय बल्लेबाजों के पास सेंटनर की गेंदों का कोई जवाब नहीं था जो एमसीए स्टेडियम की पिच पर एक ही स्थान पर गिर रहीं थी लेकिन कुछ टर्न कर रहीं थी जबकि कुछ सीधी निकल रहीं थी। यह स्पष्ट है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर चाहते हैं कि उनके बल्लेबाज अंतिम टेस्ट में बेहतर तैयारी के साथ उतरें।

भारत के सहायक कोच अभिषेक नायर ने अपने खिलाड़ियों की परेशानियों पर कहा कि स्पिनरों के हाथों पर करीबी नजर रखना महत्वपूर्ण है। नायर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, आपको यह समझने की जरूरत है कि जब कुछ गेंद टर्न ले रही हों और तो कुछ गेंद सीधी जा रही हों तो यह आपके दिमाग से खेलती हैं। उन्होंने कहा, इस समय बल्लेबाज के लिए यह समझना बेहद महत्वपूर्ण होता है कि गेंद हाथ से कैसे छूट रही है, कौन सी गेंद सीधी जाएगी और कौन सी अधिक स्पिन होगी। नायर ने कहा कि बल्लेबाज इस तरह की स्थिति से निपटने के लिए मानसिक रूप से भी सक्षम होना चाहिए।भारत ने 25 नेट गेंदबाज बुलाए जिसमें स्थानीय स्पिनर और तेज गेंदबाजों का अच्छा मिश्रण था। इन्होंने सीनियर खिलाड़ियों को लगभगत तीन घंटे तक अभ्यास कराया। मोहम्मद सिराज सहित भारतीय टीम के लगभग प्रत्एक सदस्य ने लंबे समय तक बल्लेबाजी की। सिराज कोहली के बल्ले से खेलने उतरे और कुछ बड़े शॉट लगाए। तो क्या मुंबई में वाकई स्पिन की अनुकूल पिच की संभावना है? हालांकि पिच पढ़ना आसान नहीं होता लेकिन संकेत इस ओर इशारा करते हैं। सुबह के समय पिच पर घास की अच्छी खासी परत थी लेकिन जल्द ही भारी रोलर से इसे नीचे गिरा दिया गया। ऐसा माना जाता है कि यह सतह से नमी सोख लेता है जिसे पिच पर, खास तौर पर बीच के हिस्से में चलाया गया। मैदानकर्मियों ने सतह पर पानी का हल्का छिड़काव किया और फिर थोड़ी देर के लिए हल्के रोलर का इस्तेमाल किया गया। सूरज की तपिश के बीच पिच को कवर से ढका गया।

## टर्निंग विकेटों पर भारत का पलड़ा अब भी भारी है: पटेल

**मुंबई।** (भाषा) भारत को भले ही पहले दो टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा लेकिन कीवी स्पिनर अजाज पटेल का मानना है कि टर्निंग विकेटों पर मेजबान टीम का पलड़ा अब भी भारी है।न्यूजीलैंड ने पहले दो टेस्ट मैच में भारत को खेल के हर विभाग में परास्त किया। विशेषकर स्पिनरों के लिए मददगार पिच पर उसने भारत की तुलना में अच्छा प्रदर्शन किया। तीसरा और अंतिम टेस्ट मैच यहां वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा और कयास लगाए जा रहे हैं कि यहां भी धीमी गति के गेंदबाजों को मदद पहुंचाने वाली पिच तैयार की जा रही है। पटेल को उम्मीद है कि उनकी टीम पिछले दो मैच की तरह सभी अच्छे कदम उठाएगी भले ही भारत उनसे बेहतर तरीके से स्पिनरों के लिए मददगार पिच से सामंजस्य बिठा सकता है।पटेल ने न्यूजीलैंड के अभ्यास सत्र के बाद संवाददाताओं से कहा, जब टर्निंग विकेट पर खेलने की बात आती है तो भारत का पलड़ा अब भी हमसे भारी है। भारतीय बल्लेबाज परंपरागत रूप से टर्न लेती पिच पर अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। उन्होंने कहा, बेशक उन्हें अभी तक इस श्रृंखला में वैसी सफलता नहीं मिली जैसे वह चाहते थे लेकिन निश्चित तौर पर वह एक ऐसा प्रतिद्वंदी है जिसके खिलाड़ी बेहद कौशल वाले हैं और उनसे पार पाना आसान नहीं है।

पटेल ने कहा, उनके पास बेहद कुशल खिलाड़ी हैं और हमारे स्पिन गेंदबाजों के लिए चीजों पर नियंत्रण रखते हुए उन पर अधिक से अधिक समय तक दबाव बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमें खेलने के लिए जैसा भी विकेट मिले हम इस पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। न्यूजीलैंड ने अभी तक बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में अच्छा प्रदर्शन किया है तथा पटेल का मानना है कि उनकी टीम को अगले मैच में भी अपने बेसिक्स पर कायम रहना होगा।उन्होंने कहा, यह वास्तव में उन्हें चुनौती देना जारी रखने के बारे में है। एक बल्लेबाज के रूप में जब आप ऐसी गेंद का सामना कर रहे होते हैं जो बहुत ज्यादा टर्न ले रही हो तो उसे खेलना आसान नहीं होता है। इसलिए यह सुनिश्चित करना हमारे ऊपर है कि हम गेंदों को लंबे समय तक सही क्षेत्र में पिच कराएं। पटेल ने तीन साल पहले यहां एक पारी में 119 रन देकर सभी 10 विकेट हासिल किए थे और इसलिए उनके लिए यह खास मैदान बन गया है। उन्होंने कहा, मुंबई में वापस आना हमेशा खास होता है और यह ऐसा स्थान है जिसे मैं अपना घर कह सकता हूं। यहां फिर से खेलने का मौका मिलना बेहद खास है। ईमानदारी से कहूं तो सभी 10 विकेट लेने के बाद मुझे यकीन नहीं था कि अपने करियर ने मुझे यहां फिर से दोबारा खेलने का मौका मिलेगा। पटेल ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मेरी याददाश्त बेहद कमजोर है और इसलिए मैं अच्छी तरह से नहीं जानता हूं कि वह किस तरह की पिच थी। मुझे बस इतना याद है कि वह शुरू से ही सूखी लग रही थी।

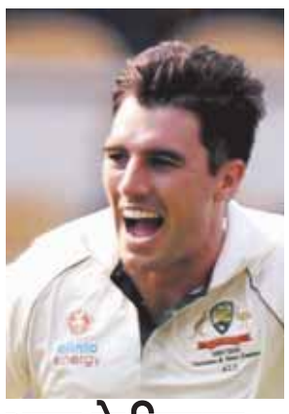

## भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला जीतना बेहद अहम: कमिंस

**सिडनी।** पैट कमिंस अभी तक भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला जीतने वाली टीम का हिस्सा नहीं रहे हैं और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान यह महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम पर दर्ज करने के लिए बेताब हैं।कमिंस की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और वनडे विश्व कप के फाइनल में भारत को हराकर खिताब जीते थे। उनकी अगुवाई में ऑस्ट्रेलिया ने एशेज भी अपने नाम की लेकिन वह कभी भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए हैं। कमिंस ने मंगलवार को अपनी किताब के विमोचन के अवसर पर कहा, यह (भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में जीत) वह महत्वपूर्ण चीज है जिसे मैं अपने नाम पर जोड़ना चाहता हूं। विशेष कर घरेलू धरती पर ऐसा करना महत्वपूर्ण होता है। जब भी हम घरेलू धरती पर खेलते हैं तो मेरी तरह ऑस्ट्रेलिया के अधिकतर क्रिकेट प्रेमी हमसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करते हैं। भारत एकमात्र ऐसी टीम है जिसे ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पिछली 16 टेस्ट शृंखलाओं में नहीं हराया है। उसकी टीम 2014-15 से बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीत पाई है। इस बीच भारत में चार बार यह ट्रॉफी जीती। इनमें से दो बार उसने आस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर हराया।कमिंस ने कहा, हम उनसे ऑस्ट्रेलिया में खेली गई पिछली दो श्रृंखलाओं में हार गए थे, इसके आगामी श्रृंखला हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। हमारी टीम इस समय बहुत अच्छी स्थिति में है और ऐसा कोई कारण नजर नहीं आता जो वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। उन्होंने कहा, हम जिस टीम के खिलाफ भी खेलें, हम अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं लेकिन भारत की बात कुछ और है और इसलिए यह सत्र बेहद महत्वपूर्ण होगा। भारत को इस महत्वपूर्ण श्रृंखला से पहले घरेलू धरती पर न्यूजीलैंड से पहले दो टेस्ट मैच में हार का सामना करना पड़ा।

## दक्षिण अफ्रीका ने 575 रन पर पारी घोषित करने के बाद बांग्लादेश के चार विकेट झटके

**चटगांव** (बांग्लादेश) (एपी)। दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन बुधवार को अपनी पहली पारी छह विकेट पर 575 रन पर घोषित करने के बाद बांग्लादेश के 38 रन पर चार विकेट झटक कर मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। दो मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट को सात विकेट से जीतने वाले दक्षिण अफ्रीका के लिए तीन खिलाड़ियों ने शतक जड़े। टोनी डि जॉर्जी ने 177 जबकि वियान मुलडर ने नाबाद 105 रन का योगदान दिया। ट्रिस्टन स्टब्स ने मैच के पहले दिन 106 रन बनाए थे। बांग्लादेश के वामहस्त स्पिनर ताइजुल इस्लाम ने 198 रन देकर पांच विकेट लिए लेकिन उन्हें दूसरे छोर से किसी गेंदबाज का अच्छा साथ नहीं मिला।

दक्षिण अफ्रीका ने दिन की शुरुआत दो विकेट पर 307 रन से की। दिन की शुरुआत में डी जॉर्जी और डेविड बेडिंघम को बांग्लादेश के गेंदबाजों के सामने कोई परेशानी नहीं हुई। इस जोड़ी ने तीसरे विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी के दौरान स्पिनरों के खिलाफ स्वीप और रिवर्स स्वीप का अच्छा इस्तेमाल किया। श्रृंखला के पहले टेस्ट में आठ विकेट लेने वाले ताइजुल ने पांच रन के अंदर तीन विकेट चटका कर बांग्लादेश को मैच में वापस लाने की कोशिश की। दक्षिण अफ्रीका का स्कोर दो विकेट पर 386 रन से पांच विकेट पर 391 रन हो गया। ताइजुल ने बेडिंघम को बोल्ड कर 59 रन की उनकी पारी को खत्म करने के बाद डी जॉर्जी को पगबाधा किया। उन्होंने विकेटकीपर काइल वेरनिन को खाता खोले बिना चलता कर बांग्लादेश की वापसी की उम्मीदे बढ़ा दी। तेज गेंदबाज नाहिद राणा (83 रन पर एक विकेट) ने रयान रिकेलटन (12) को विकेटकीपर महिदुल इस्लाम के हाथों कैच कराकर दक्षिण अफ्रीका की परेशानी और बढ़ा दी लेकिन मुलडर और सेनुरान मुथुसामी (नाबाद 68) ने सातवें विकेट के लिए 152 रन की अटूट साझेदारी कर दक्षिण अफ्रीका को बड़े स्कोर तक पहुंचा दिया।मुलडर ने 150 गेंद में अपना शतक पूरा किया जिसके बाद दक्षिण अफ्रीका ने पारी घोषित कर दी। आईसीसी टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे कैगिसो रबाडा ने इसके बाद अपने शुरुआती तीन ओवर में शदमन इस्लाम और जाकिर हसन को पवेलियन की राह दिखाई। इस्लाम खाता नहीं खोल सके जबकि हसन ने दो रन बनाए।

## बुमराह की जगह रबाडा टेस्ट के शीर्ष रैंकिंग वाले गेंदबाज बने

**दुबई।** (भाषा) दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा बुधवार को जारी आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) पुरुष टेस्ट खिलाड़ी रैंकिंग में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पछाड़कर शीर्ष गेंदबाज बन गए। मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के दौरान शानदार लय में चल रहे दाएं हाथ के गेंदबाज रबाडा ने हाल ही में मीरपुर में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में नौ विकेट झटक कर इस प्रारूप में अपने 300 विकेट पूरे किए थे। दक्षिण अफ्रीका ने मीरपुर में खेले गए इस मैच को सात विकेट से जीता था। बुमराह न्यूजीलैंड के खिलाफ पुणे में खेले गए भारत के दूसरे टेस्ट मैच में एक भी विकेट लेने नाकाम रहे थे। वह दो स्थान नीचे खिसककर तीसरे पायदान पर आ गए है। ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड दूसरे स्थान पर हैं। भारत के अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन भी दो स्थान के नुकसान के साथ चौथी रैंकिंग पर खिसक गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस भी शीर्ष पांच गेंदबाजों में शामिल हैं। रावलपिंडी में हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट में बेहतरीन गेंदबाजी करने वाले पाकिस्तान के स्पिनर नोमान अली शीर्ष 10 में नए सदस्य है। भारत पर ऐतिहासिक श्रृंखला जीत के दौरान न्यूजीलैंड के नायक बन कर उभरे मिचेल सेंटनर ने अपनी रैंकिंग में 30 स्थान की सुधार की। पुणे टेस्ट में 13 विकेट लेने वाला यह वामहस्त स्पिनर रैंकिंग में 44वें स्थान पर पहुंच गया है। बल्लेबाजों की सूची में युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल पुणे में न्यूजीलैंड के खिलाफ 30 और 77 रनों के योगदान के बाद एक पायदान ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। वह इस प्रारूप में भारत के शीर्ष रैंक के बल्लेबाज बने हुए हैं।

विस्फोटक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत और विराट कोहली की बल्लेबाजी रैंकिंग में गिरावट आई है। पंत जहां पांच स्थान गिरकर 11वें स्थान पर हैं, वहीं कोहली छह स्थान फिसलकर 14वें स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड के डेवोन कोन्वे (आठ पायदान ऊपर 28वें), टॉम लाथम (छह पायदान ऊपर 34वें) और ग्लेन फिलिप्स (16 पायदान ऊपर 45वें) और दक्षिण अफ्रीका के काइल वेरिन (14 पायदान ऊपर 32वें) ने इस रैंकिंग में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की है। भारत के रविंद्र जडेजा (नंबर एक) और अश्विन (नंबर दो) टेस्ट हरफनमौला खिलाड़ियों की रैंकिंग में शीर्ष पर अच्छी बढ़त बनाए हुए हैं। बांग्लादेश के स्टार मेहदी हसन दो स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बल्ले और गेंद से शानदार प्रदर्शन किया था।

## हम अपनी पसंद की पिच नहीं बनवाते, कोहली और रोहित के साथ धैर्य रखने की जरूरत: नायर

**मुंबई।** भारत के सहायक कोच अभिषेक नायर ने बुधवार को जोर देते हुए कहा कि वे टेस्ट मैचों में अपनी जरूरत के हिसाब से पिच तैयार नहीं करवाते और खराब फॉर्म में चल रहे दिग्गज विराट कोहली तथा कप्तान रोहित शर्मा का भी समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें वापसी के लिए और समय दिया जाना चाहिए। बारह साल में पहली बार घरेलू मैदान पर टेस्ट श्रृंखला हारने के बाद भारत शुक्रवार से न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट में अपनी प्रतिष्ठा बचाने की कोशिश करेगा। स्पिनरों की मददगार पिच पर खेलते हुए भारत ने पुणे में दूसरा टेस्ट 113 रन से गंवा दिया। कयास लगाए जा रहे हैं कि यहां वानखेड़े स्टेडियम की पिच फिर से स्पिनरों के अनुकूल हो सकती है। नायर ने इस बात से इनकार किया कि टीम के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए स्पिन की अनुकूल पिचें बनाई जा रही हैं। नायर ने अंतिम टेस्ट की पूर्व संध्या पर कहा, काश हम पिचों को अपने हिसाब से तैयार करा पाते लेकिन हम ऐसा नहीं करते। क्यूरेटर ऐसा करते हैं। हमें जैसी भी पिच दी जाएग, हम खेलते हैं (चाहे वह तेज गेंदबाजी की मददगार पिच हो या टर्न वाली पिच हो)। उन्होंने कहा, क्रिकेटर और एक टीम के रूप में हम उसी पर खेलते हैं जो हमें दिया जाता है। हम अपनी इच्छानुसार परिस्थितियां बनाने की कोशिश नहीं करते। रोहित और कोहली दोनों ही खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं और इसका असर टीम के प्रदर्शन पर पड़ा है। नायर ने कहा कि आधुनिक समय के इन महान खिलाड़ियों में कुछ भी गलत नहीं है और उन्हें बस थोड़ा समय और समर्थन चाहिए। उन्होंने कहा, मैंने हर जगह उनके लिए प्यार के अलावा कुछ नहीं देखा है। जब कोई शीर्ष खिलाड़ी मुश्किल समय से गुजरता है तो कई बार यह उन्हें समय देने और यह विश्वास करने के बारे में होता है कि वे वापसी करेंगे। वे कड़ी मेहनत करेंगे। नायर ने कहा, हर किसी ने कड़ी मेहनत की है। हर कोई अच्छा प्रदर्शन करना चाहता है। चाहे आप विराट कोहली हों या रोहित शर्मा या फिर शुभमन गिल जैसे युवा खिलाड़ी। प्रयास तो हैं ही।

## भारत ए बनाम ऑस्ट्रेलिया ए: ईश्वरन नीतीश रेड्डी और प्रसिद्ध पर रहेगी नजर

**मैकाय** (ऑस्ट्रेलिया)।(भाषा) भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच गुरुवार से यहां शुरू होने वाले चार दिवसीय क्रिकेट मैच में अभिमन्यु ईश्वरन, नीतीश कुमार रेड्डी और प्रसिद्ध कृष्णा पर सभी की निगाहें टिकी रहेंगी। ईश्वरन, नीतीश और प्रसिद्ध को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 22 नवंबर से शुरू होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में चुना गया है और इसलिए भारतीय टीम प्रबंधन ऑस्ट्रेलिया की परिस्थितियों में उनके प्रदर्शन पर विशेष निगाह रखेगी।इनमें ईश्वरन का प्रदर्शन बेहद महत्वपूर्ण होगा क्योंकि अगर कप्तान रोहित शर्मा निजी कारणों से पांच टेस्ट मैच की इस श्रृंखला के एक या दो मैच में नहीं खेल पाते हैं तो फिर इस 29 वर्षीय बल्लेबाज को पारी की शुरुआत करने का मौका मिल सकता है। ईश्वरन काफी अनुभवी बल्लेबाज हैं। उन्होंने अभी तक 99 प्रथम श्रेणी मैचों में 7638 रन बनाए हैं जिसमें 27 शतक और 29 अर्धशतक शामिल हैं। वह इस समय अच्छी फॉर्म में चल रहे हैं लेकिन ऑस्ट्रेलिया में परिस्थितियां पूरी तरह से भिन्न होगी। नीतीश के आंकड़े इतने प्रभावशाली नहीं हैं लेकिन वह तेज गेंदबाजी करने के अलावा अच्छी बल्लेबाजी भी कर लेते हैं और इसी वजह से चयन समिति ने चोट से उबरने के बाद वापसी करने वाले शार्दुल ठाकुर पर उन्हें प्राथमिकता दी है। नीतीश के पास अपनी काबिलियत साबित करने का यह बेहतरीन मौका होगा। प्रसिद्ध को बाद में भारत ए टीम में शामिल किया गया। प्रसिद्ध ने चोट से उबरने के बाद दलीप ट्रॉफी, ईरानी कप और रणजी ट्रॉफी में जो सात मैच खेले हैं उनमें वह सात विकेट ही ले पाए। लेकिन लगता है कि चयनकर्ता ऑस्ट्रेलिया की पिचों पर उनके लंबे कद का फायदा उठाना चाह रहे हैं। इन तीनों के अलावा कप्तान रुतुराज गायकवाड़, शीर्ष क्रम के बल्लेबाज बी साई सुदर्शन, तेज गेंदबाज यश दयाल और नवदीप सैनी तथा मध्य क्रम के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल जैसे खिलाड़ी भी अच्छा प्रदर्शन करके राष्ट्रीय टीम का दरवाजा खटखटाना चाहेंगे। विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन भी इस मौके का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेंगे।

**टीम इस प्रकार हैं : भारत ए:** रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन (उप-कप्तान), देवदत्त पडिक्कल, साई सुदर्शन, बी इंद्रजीत, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), मुकेश कुमार, रिकी भुई, नीतीश कुमार रेड्डी, मानव सुथार, नवदीप सैनी, खलील अहमद, तनुश कोटियन, प्रसिद्ध कृष्णा।

**ऑस्ट्रेलिया ए:** नाथन मैकस्वीनी (कप्तान), कैमरून बैनक्रॉफ्ट, स्कॉट बोलैंड, जॉर्डन बकिंघम, कूपर कोनोली, ओली डेविस, ब्रेंडन डोगेट, मार्कस हैरिस, सैम कोनस्टास, नाथन मैकएंड्रयू, माइकल नेसर, टॉड मर्फी, फर्गस ओ नील, जिमी पीरसन, जोश फिलिप, कोरी रोचिसिओली, ब्यू वेबस्टर।

## टीम में मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखने के लिए गिल ने वेतन में कटौती स्वीकार की

नई दिल्ली।(भाषा) गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने अपने वेतन मे कटौती स्वीकार करने का फैसला किया है और 31 अक्टूबर की समय सीमा से पहले इस आईपीएल फ्रेंचाइजी द्वारा रिटेन (अपने साथ बरकरार रखना) किए जाने वाले वह दूसरे खिलाड़ी होंगे।गिल ने 2024 मे पहली बार टाइटंस की अगुआई की और वह तथा टीम प्रबंधन दोनो टीम के अहम खिलाड़ियों को बरकरार रखने के लिए उत्सुक है। फ्रेंचाइजी के लिए रिटेन होने वाले पहले खिलाड़ी स्टार स्पिनर राशिद खान होगे, इसके बाद गिल, साई सुदर्शन और दो अनकैप्ड (जिन्होने कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नही खेला हो) खिलाड़ियो राहुल तेवतिया और शाहरूख खान को टीम रिटेन कर सकती है। अगले महीने होने वाली बड़ी नीलामी मे फ्रेंचाइजी के पास राइट टू मैच कार्ड के जरिए एक और खिलाड़ी को अपने साथ बरकरार रखने का मौका होगा। गिल को भारतीय क्रिकेट ढांचे मे भविष्य के नेतृत्वकर्ता के रूप मे देखा जाता है।आईपीएल के एक सूत्र ने कहा, गिल ने वेतन मे कटौती स्वीकार करने का फैसला किया है जिससे कि टीम के अहम खिलाड़ी बरकरार रह सके और मजबूत टीम बने। टाइटंस ने 2022 सत्र से पहले गिल को आठ करोड़ रुपए मे अपने साथ जोड़ा था। गिल के बड़ी नीलामी से पहले कम वेतन लेने पर राजी होने के बाद राशि फ्रेंचाइजी के सबसे महंगे रिटेन होने वाले खिलाड़ी होगे। उनके वेतन पैकेज को अभी अंतिम रूप नही दिया गया है।

## पेरिस मास्टर्स के दूसरे दौर में पोपिरिन से हारे मेदवेदेव

पेरिस।(एपी) एलेक्सेई पोपिरिन ने बुधवार को यहां पेरिस मास्टर्स के पुरुष एकल के दूसरे दौर के कड़े मुकाबले में चौथे वरीय दानिल मेदवेदेव को हराकर उलटफेर किया।ऑस्ट्रेलिया के 25 साल के पोपिरिन ने रूस के खिलाड़ी के खिलाफ तीन सेट में 6-4, 2-6, 7-6 से जीत दर्ज की।मेदवेदेव ने पोपिरिन के खिलाफ पिछले तीन मुकाबले जीते थे। फ्रांस के वाइल्ड कार्ड धारक आर्थर रिंडर्कनेश ने भी एलेक्स मिकेलसन पर 7-6, 7-6 की जीत के साथ तीसरे दौर में प्रवेश किया।

## अलग महासंघ बनाने के प्रयास में पीएचएफ ने पांच पूर्व खिलाड़ियों को प्रतिबंधित किया

कराची। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने समानांतर संस्था खड़ी करने का प्रयास करने के लिए बुधवार को पांच पूर्व ओलंपियन पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया।पीएचएफ अध्यक्ष तारिक बुगती ने कहा कि पूर्व ओलंपियन नासिर अली, खालिद बशीर, सलीम नजीम, अब्बास अली और हैदर अली पर आजीवन प्रतिबंध लगाया गया है। बुगती ने कहा, पीएचएफ ने उन्हें समानांतर महासंघ चलाने का प्रयास करने, पीएचएफ के रिकॉर्ड चुराने और बिना स्वीकृति के पीएचएफ के खाते से कोष का इस्तेमाल करने का दोषी पाया है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा जागरण प्रकाशन लिमिटेड, डी-210, 211 सेक्टर 63 नोएडा फोन नंबर 01204615800 एक्सटेंशन 142, से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5 ,बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-693425001